MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | रविवार, 13 सितंबर, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-253

हिन्दी-चीनी साथ-साथ

मोदी-शी द्विपक्षीय मुलाक़ात

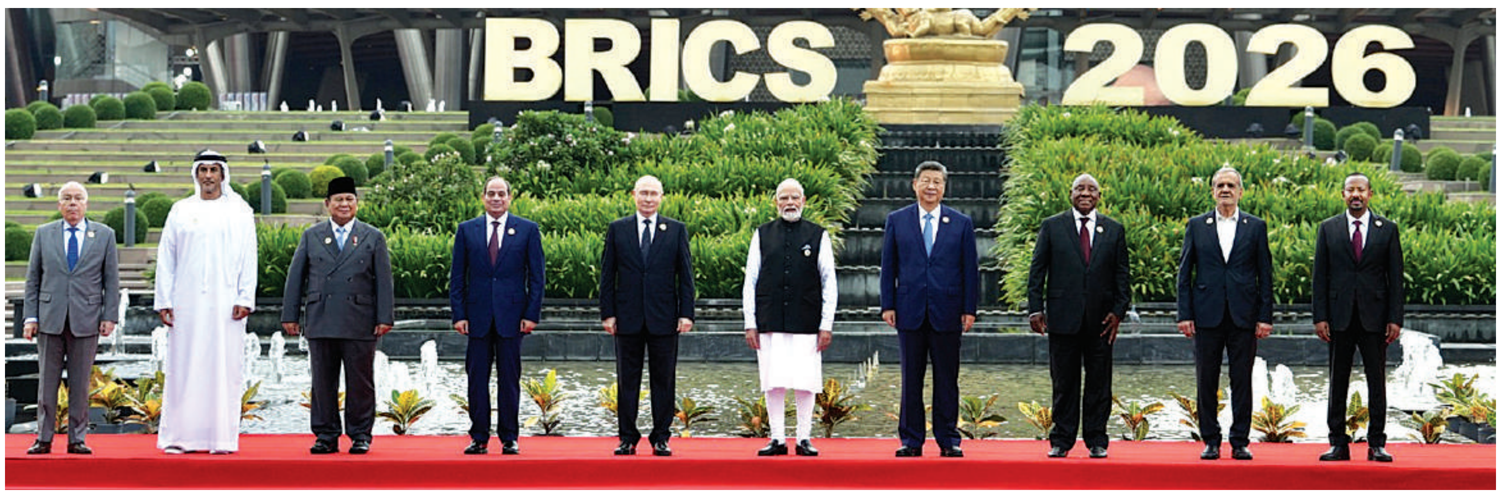

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।
भारत की मेजबानी में आयोजित हो रहे दो दिवसीय 18वें ब्रिक्स सम्मेलन के पहले दिन का कार्यक्रम समाप्त हो गया। पहले दिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सीमा-पार भुगतान, एकतरफा प्रतिबंधों, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। सम्मेलन के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक भी हुई। वहीं, सदस्य देशों ने नई दिल्ली घोषणापत्र जारी करते हुए विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर अपनी स्थिति स्पष्ट की।

मोदी-जिनपिंग की द्विपक्षीय मुलाकात

ब्रिक्स सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। द्विपक्षीय वार्ता के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि भारत और चीन को ग्रेटर ब्रिक्स सहयोग के तहत उच्च गुणवत्ता वाले विकास के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

चीनी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, बैठक के दौरान शी जिनपिंग ने कहा कि भारत और चीन एक-दूसरे की खूबियों से सीख सकते हैं और साझा विकास हासिल कर सकते हैं।

नई दिल्ली घोषणापत्र में युद्ध और टकराव रोकने पर जोर

ब्रिक्स की नई दिल्ली घोषणा में सदस्य देशों ने युद्ध और टकराव रोकने, बातचीत एवं कूटनीति के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय विवादों का समाधान करने तथा वैश्विक मुद्दों पर सभी देशों के दृष्टिकोण का सम्मान करने पर जोर दिया। घोषणा में एकतरफा शुल्क और गैर-शुल्क उपायों पर भी चिंता जताई गई तथा इन्हें विश्व व्यापार संगठन के नियमों के खिलाफ बताया गया।

घोषणा में ब्रिक्स सदस्य देशों ने सीमा-पार आतंकवाद, आतंकवाद की फंडिंग और आतंकवादियों को सुरक्षित पनाह मिलने जैसी चुनौतियों से निपटने के संकल्प को भी दोहराया।

पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा

ब्रिक्स की नई दिल्ली घोषणा में सदस्य देशों ने आतंकवाद के सभी रूपों और तरीकों की कड़ी निंदा की। ब्रिक्स देशों ने 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की भी निंदा की। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे।

घोषणापत्र में आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने, आतंकवादियों की जवाबदेही तय करने और संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों तथा आतंकी संगठनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने की अपील को दोहराया गया है।

वैश्विक दक्षिण की भूमिका पर प्रधानमंत्री मोदी का जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स सम्मेलन में कहा कि वैश्विक दक्षिण सबसे अधिक वैश्विक संकटों का सामना कर रहा है, लेकिन निर्णय लेने की प्रक्रिया में पीछे है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर क्षेत्र, अंतरिक्ष, जैव प्रौद्योगिकी और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां भविष्य के अवसरों के साथ वैश्विक नियम भी तय कर रही हैं। ऐसे में वैश्विक दक्षिण की समान भागीदारी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के माध्यम से वैश्विक दक्षिण के युवा राजनयिकों और नीति-निर्माताओं को बातचीत का कौशल, व्यावहारिक प्रशिक्षण और कानूनी विशेषज्ञता दी जा सकती है।

एकतरफा प्रतिबंधों और संरक्षणवादी उपायों पर चिंता

ब्रिक्स घोषणापत्र में एकतरफा आर्थिक और द्वितीयक प्रतिबंधों की निंदा की गई। इस बात पर जोर दिया गया कि ऐसे प्रतिबंधों से विकास, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा और मानवाधिकारों को नुकसान पहुंच सकता है। ब्रिक्स सदस्य देशों ने एकतरफा शुल्क, गैर-शुल्क बाधाओं और अन्य संरक्षणवादी उपायों पर भी चिंता जताई।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार का समर्थन

ब्रिक्स सदस्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार का समर्थन किया। नई दिल्ली घोषणापत्र में संयुक्त राष्ट्र में ब्राजील और भारत की बड़ी भूमिका का समर्थन करने के लिए चीन और रूस की सराहना की गई। ▶8पर

तेलंगाना में सितंबर की बारिश 80% कम

आसमान रूठा!

ओमप्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 12 सितंब।

तेलंगाना में सितंबर का महीना बारिश के लिहाज से चिंता बढ़ाने वाला साबित हो रहा है। मानसून की गतिविधियां कमजोर पड़ने के कारण राज्य में सितंबर के शुरुआती दिनों में सामान्य से करीब 80 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। बारिश की कमी का असर अब जिलों और मंडलों तक दिखाई देने लगा है। राज्य के 20 जिले बारिश की कमी की श्रेणी में हैं, जबकि 376 मंडलों में भी बारिश सामान्य से कम दर्ज की गई है।

तेलंगाना में जून से सितंबर तक का समय दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिहाज से सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। खरीफ फसलों की सिंचाई के साथ जलाशयों और भूजल स्रोतों के लिए भी इस दौरान होने वाली बारिश अहम होती है। ऐसे में सितंबर में मानसून के कमजोर पड़ने से किसानों के साथ-साथ जल प्रबंधन को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।

सितंबर के शुरुआती नौ दिनों में राज्य में सामान्य 167.1 मिमी बारिश के मुकाबले केवल करीब 12 मिमी बारिश दर्ज की गई। यह सामान्य से लगभग 78 फीसदी कम है। कुछ आकलनों में इसे करीब 80 फीसदी की कमी बताया गया है। बारिश की इस कमी के चलते राज्य के कई हिस्सों में खेतों की मिट्टी में नमी घटने लगी है।

पूरे मानसून सीजन की तस्वीर भी राहत देने वाली नहीं है। 1 जून से 9 सितंबर तक तेलंगाना में करीब 485.9 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि इस अवधि में सामान्य बारिश लगभग 629.4 मिमी होनी चाहिए थी। यानी पूरे मानसून में राज्य सामान्य बारिश से करीब 23 फीसदी पीछे चल रहा है।

बारिश की कमी अगस्त से ही बनी हुई है। अगस्त में राज्य में सामान्य 226.1 मिमी के मुकाबले करीब 130.2 मिमी बारिश हुई थी। इस महीने भी सामान्य से करीब 42 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। अगस्त में राज्य के 33 में से 29 जिलों में सामान्य से कम बारिश रही थी। सितंबर की कमजोर शुरुआत ने पहले से मौजूद बारिश घाटे को और बढ़ा दिया।

जिलों की स्थिति देखें तो कुछ इलाकों में बारिश की कमी ज्यादा गंभीर रही है। नलगोंडा में बारिश का घाटा काफी अधिक दर्ज किया गया। आदिलाबाद, निर्मल और पेड्डापल्ली सहित कई जिलों में भी सामान्य से कम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ाई है। उत्तर और मध्य तेलंगाना के कई हिस्सों में लंबे समय तक बारिश नहीं होने से खेतों में नमी बनाए रखना चुनौती बन रहा है।

सरकार के आंकड़ों के मुताबिक 20 जिलों के 376 मंडलों में बारिश की कमी दर्ज की गई है। बारिश का यह असमान वितरण भी चिंता का कारण है। कुछ स्थानों पर अच्छी बारिश होने के बावजूद कई मंडलों में पर्याप्त वर्षा नहीं हुई है। इससे राज्य के कुल बारिश के आंकड़े और स्थानीय स्तर की स्थिति में अंतर दिखाई देता है।

बारिश की कमी का सीधा असर खरीफ फसलों पर पड़ने की आशंका है। धान, कपास और मक्का जैसी फसलों के लिए इस समय खेतों में पर्याप्त नमी जरूरी है। जिन क्षेत्रों में पहले हुई बारिश से नमी बनी हुई थी, वहां भी लंबे सूखे अंतराल के कारण फसलों पर दबाव बढ़ सकता है। यदि आगे भी बारिश का दौर कमजोर रहा तो उत्पादन लागत बढ़ने और सिंचाई पर निर्भरता बढ़ने की संभावना है।

किसानों की नजर अब अगले बारिश के दौर पर है। सितंबर में होने वाली बारिश खरीफ फसलों के अंतिम चरण के लिए महत्वपूर्ण है। पर्याप्त बारिश होने पर खेतों में नमी लौट सकती है और मौजूदा नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है। ▶8पर

18 से सीधे अड़सठ

मंजूरी मिली तो वारे-न्यारे

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।
आठवें वेतन आयोग की बैठकें जारी हैं। चेन्नई-पुडुचेरी में बैठकों के बाद अब चंडीगढ़ में 16 से 18 सितंबर तक बैठकें होंगी। इस बीच सबसे बड़ी मांग की बात करें तो चेन्नई में भी फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाकर 3.83 करने की मांग उठी है। ज्यादातर कर्मचारी और पेंशनभोगी यूनियनों, केंद्र शासित प्रदेशों के कर्मचारियों तथा अन्य हितधारकों के साथ बातचीत में फिटमेंट फैक्टर बढ़ाने की मांग सबसे ऊपर रही है।

अगर नरेंद्र मोदी सरकार इस मांग को मान लेती है तो करीब 50 लाख से अधिक केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। लेवल-1 के कर्मचारियों के वेतन में ही इस मांग को स्वीकार किए जाने के बाद न्यूनतम मूल वेतन में करीब 51,000 रुपये का उछाल आने का दावा किया जा रहा है। इसी तरह

अलग-अलग वेतन स्तर के कर्मचारियों को भी बड़ा फायदा हो सकता है। वहीं, करीब 69 लाख पेंशनभोगियों को भी इसका लाभ मिलने की संभावना होगी।

चेन्नई में अखिल भारतीय पेंशनभोगी संघ ने यह मांग उठाई है। ऐसा करने वाला यह अकेला कर्मचारी संगठन नहीं है, बल्कि संयुक्त परामर्शदात्री तंत्र की राष्ट्रीय परिषद, अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी संघ और अखिल भारतीय नई पेंशन योजना कर्मचारी संघ ने भी 3.833 फिटमेंट फैक्टर का प्रस्ताव रखा है। ▶8पर

डॉलर मुकाबले ब्रिक्स

ईरानी राष्ट्रपति ने रखा प्लान

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।
ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत पहुंचे ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने एक टीवी चैनल से खास बातचीत में अमेरिका की नीतियों पर तीखा हमला बोला। साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि ब्रिक्स का उद्देश्य अमेरिका की ओर से शुरू किए गए उस चलन का मुकाबला करना है, जिसमें वह अपनी मर्जी से किसी भी देश पर प्रतिबंध लगा देता है।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स का उद्देश्य इस एकतरफावाद को खत्म करना है। उनके मुताबिक, चीन, भारत और रूस जैसे दुनिया के बड़े देशों के साथ इस शिखर सम्मेलन का यही उद्देश्य है। ईरानी राष्ट्रपति ने अमेरिकी प्रतिबंधों पर स्पष्ट कहा कि ब्रिक्स का मकसद अमेरिका की मनमानी और उसके एकतरफा फैसलों का मुकाबला करना है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के सदस्य देश बहुत सारे मुद्दों पर एक-दूसरे का सहयोग कर सकते हैं। उनका

कहना है कि इसका मकसद यह है कि सदस्य देश मिलकर निवेश करें और एक-दूसरे का साथ दें। पेजेश्कियान ने कहा कि मौजूदा समय में अमेरिका ने सभी देशों को अमेरिकी डॉलर पर निर्भर कर रखा है। ऐसे में लगातार कोशिश की जा रही है कि अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता को कम किया जाए और धीरे-धीरे इसे खत्म किया जाए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी आदर्श स्थिति तक पहुंचने में समय लगता है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स सम्मेलन का उद्देश्य यही है कि दुनिया एकध्रुवीय न रहे।

ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने भारत के साथ रिश्तों पर कहा कि दोनों देशों के संबंध लगातार बेहतर हो रहे हैं। उन्होंने ईरान और भारत के वर्षों पुराने सांस्कृतिक जुड़ाव का भी उल्लेख किया। राष्ट्रपति पद संभालने के बाद यह मसूद पेजेश्कियान की भारत की पहली ब्रिक्स शिखर सम्मेलन यात्रा है। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब अगस्त के अधिकांश समय तक चली ▶8पर

माया परिवारमुक्त!

भाई के बेटों को नहीं मिलेगा पद

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।
बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने पार्टी में पीढ़ीगत बदलाव के संकेत देते हुए स्पष्ट किया है कि उनके भाई आनंद कुमार के बेटों को बसपा में किसी भी तरह की राजनीतिक जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बसपा को परिवारवाद से मुक्त रखना बहुत जरूरी है। मायावती ने संगठन में युवाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच ङ्गएक्सफ पर पोस्ट कर कहा कि पार्टी में युवाओं को करीब 50 प्रतिशत तक संगठनात्मक भागीदारी देने की प्रक्रिया लंबे समय से जारी है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब के विधानसभा चुनावों में समाज के युवा चेहरों को प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को पार्टी से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है और इस दौरान जेन-जी तथा जेन-अल्फा की बुनियादी जरूरतों को ध्यान में रखा जा रहा है। मायावती ने अंबेडकरवादी राजनीति और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने की भी बात कही। मायावती ने कहा कि संगठन में महिला और पुरुष दोनों युवा चेहरों को अवसर दिया जाना चाहिए। परिवारवाद के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपने भाई-बहनों और उनके परिवार के युवाओं को सांसद, विधायक, मंत्री अथवा अन्य राजनीतिक पदों से दूर रखती रही हैं। ▶8पर

बनो सार्थक : भागवत

नई दिल्ली, 12 सितंबर (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जीवन में केवल सफलता हासिल करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि एक सार्थक इंसान बनना उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया को ऐसे लोगों की अधिक आवश्यकता है, जो केवल अपनी सफलता के बारे में न सोचें, बल्कि समाज और व्यापक जनहित के लिए भी योगदान दें। मोहन भागवत शनिवार को राजस्थान के नागौर जिले के गोटन में एक निजी शिक्षण संस्थान के वार्षिक समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन में सफल होने के साथ-साथ अपने जीवन को सार्थक बनाने की दिशा में भी प्रयास करने की अपील की। भागवत ने कहा, सफल इंसान बनने से ज्यादा महत्वपूर्ण सार्थक इंसान बनना है। हमारे विद्यार्थी निश्चित रूप से सफल बनेंगे, लेकिन केवल सफल होने से ज्यादा महत्वपूर्ण सार्थक बनना है।

विजय असुर विजय नहीं, धर्म विजय होनी चाहिए

आरएसएस प्रमुख ने स्पष्ट किया कि सार्थक जीवन की बात करने का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति को सफलता की आकांक्षा नहीं रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जीत हासिल करने का प्रयास करना चाहिए और समाज में भी विजय की आकांक्षा होनी चाहिए।भागवत ने कहा, विजय की आकांक्षा होनी चाहिए। हमारा समाज भी विजय की आकांक्षा रखता है, लेकिन वह विजय असुर विजय नहीं, बल्कि धर्म विजय होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज दुनिया में सार्थक जीवन जीने वाले लोगों की ▶8पर

जय बजरंगबली

13 दिन बाद 'लौटे' हनुमान

प्रयागराज, 12 सितंबर (एजेंसियां)।
प्रयागराज के संगम से शनिवार को बड़ी धार्मिक तस्वीर सामने आई। 13 दिनों के लंबे इंतजार के बाद 14वें दिन लेटे बजरंगबली मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। गंगा का पानी कम होने के बाद मंदिर परिसर की विशेष साफ-सफाई और धुलाई कराई गई। इसके बाद मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना शुरू हुई। दरअसल, 30 अगस्त से गंगा का पानी मंदिर परिसर तक पहुंच गया था। बाढ़ के पानी के कारण श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए थे। इस दौरान भक्त मंदिर के बाहर से ही लेटे बजरंगबली के दर्शन करते रहे और वहीं पूजा-अर्चना करते रहे। अब जलस्तर घटने के बाद मंदिर परिसर की साफ-सफाई और धुलाई कराई गई। इसके बाद लेटे बजरंगबली का विधि-विधान से अभिषेक कराया गया और फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया। धार्मिक अनुष्ठान पूरा होने के बाद मंदिर को श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए तैयार किया गया। पूजा-अर्चना के बाद महंत बलवीर गिरि ने बजरंगबली की भव्य आरती की। इस दौरान ढोल-नगाड़ों की गूंज और जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने बजरंगबली और जय श्रीराम के जयकारे लगाए, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सऊदी अरब ने कच्चे तेल की पाइपलाइन ईस्ट-वेस्ट को बंद करने का किया ऐलान

रियाद

सऊदी अरब ने अपनी रणनीतिक ईस्ट-वेस्ट कच्चे तेल की पाइपलाइन को एहतियाती तौर पर बंद कर दिया है। सऊदी ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक, इस पाइपलाइन को एक दिन पहले रियाद और मदीना क्षेत्रों में कई हमलों का निशाना बनाया गया था। हालांकि, मंत्रालय ने हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान नहीं बताई है और न ही पाइपलाइन को हुए नुकसान की जानकारी दी है।

ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी के अनुसार, ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन सऊदी अरब के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसकी क्षमता करीब 70 लाख बैरल प्रतिदिन है। यह देश के तेल क्षेत्रों को लाल सागर स्थित निर्यात टर्मिनलों से जोड़ती है और फारस की खाड़ी से कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए एक वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराती है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव बढ़ने के बाद इस पाइपलाइन की रणनीतिक अहमियत और बढ़ गई है। सऊदी अरामको के सीईओ अमीन नासिर ने पिछले महीने कहा था कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के प्रभाव को कम करने में इस पाइपलाइन ने आपातकालीन तेल भंडार जारी करने की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सऊदी अरब के लाल सागर स्थित तेल निर्यात मार्ग पर भी दबाव बढ़ रहा है। यमन की ओर से सऊदी तेल ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए हमलों और समुद्री नाकेबंदी की घोषणा के बाद क्षेत्र में तेल परिवहन को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। गौरतलब है कि, जुलाई में यमन की सेना ने सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी की घोषणा करते हुए इसे घेराबंदी के बदले घेराबंदी की रणनीति बताया था।

जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाले आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में लाल सागर के रास्ते सऊदी तेल के प्रवाह में भारी गिरावट दर्ज की गई। पश्चिमी शहर यानबू से सऊदी कच्चे तेल और कंडेनसेट की लोडिंग छह महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई।

वहीं, मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफार्म वोर्टेक्सा ने अगस्त में यानबू से लोडिंग करीब 32 लाख बैरल प्रतिदिन आंकी, जबकि केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक यह लगभग 15 लाख बैरल प्रतिदिन रही।

पाइपलाइन बंद करने का फैसला ऐसे समय में आया है जब सऊदी अरब के कच्चे तेल उत्पादन में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन ओपेक के अनुसार, अगस्त में सऊदी अरब का तेल उत्पादन घटकर करीब 62.4 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि जुलाई में यह लगभग 81 लाख बैरल प्रतिदिन था। यह 1990 के बाद सऊदी तेल उत्पादन का सबसे निचला स्तर बताया जा रहा है। यह गिरावट ऐसे समय में हुई है जब सऊदी अरब और ओपेक के अन्य देश तेल उत्पादन बढ़ाने की योजना पर आगे बढ़ रहे थे। क्षेत्रीय तनाव और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति में कमी के कारण तेल बाजार पर भी इसका असर पड़ा है। ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डालर प्रति बैरल के पार पहुंच गई, जबकि सप्ताह के अंत तक तेल की कीमतों में 8 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिका ने जमीन के नीचे छिपा रखा है तेल भंडार

वाशिंगटन। आपात स्थिति से निपटने और अपनी अर्थव्यवस्था को अचानक ऊर्जा झटके से बचाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका कच्चे तेल का एक बड़ा आपातकालीन भंडार रखता है, जिसे रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) के रूप में जाना जाता है। जमीन के ऊपर बड़े टैंकों में लाखों बैरल भंडारण करने के बजाय, अमेरिका इस रणनीतिक भंडार के ज्यादातर हिस्से को टेक्सास और लुइसियाना के तटों के साथ बड़ी नमक गुफाओं में जमीन के नीचे रखता है। एसपीआर की उत्पत्ति 1973-74 के अरब तेल प्रतिबंध से हुई, जब तेल उत्पादक देशों ने अमेरिका और उसके सहयोगियों को निर्यात प्रतिबंधित कर दिया था। इससे गंभीर ऊर्जा कमी और तेल कीमतों में तेजी आई, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था की कमजोरी उजागर हुई। जवाब में, अमेरिका ने 1975 में SPR की स्थापना की, ताकि आपातकाल में तेल आपूर्ति बाधित होने पर इसका उपयोग किया जा सके। अमेरिका ने भूमिगत नमक संरचनाओं को कई फायदों के कारण चुना। नमक की गुफाएं दीर्घकालिक कच्चे तेल के भंडारण के लिए आदर्श हैं क्योंकि नमक कच्चे तेल को आसानी से अवशोषित नहीं करता है, जिससे पेट्रोलियम लंबे समय तक सुरक्षित रहता है। जमीन के नीचे होने से सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत मिलती है। सतह के नीचे गहराई में उनका स्थान चरम मौसम, दुर्घटनाओं और संभावित हमलों के प्रति संवेदनशीलता को कम करता है, जो राष्ट्रीय आपात स्थितियों के लिए डिजाइन किए गए रिजर्व के लिए महत्वपूर्ण है। लागत एक और बड़ा फायदा है।

ईरान में फूटा महंगाई बम, क्या फिर सड़कों पर उतरेगी भूखी जनता

तेहरान। आठ महीने से जारी युद्ध के कारण ईरान गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। देश में महंगाई दर 70 प्रतिशत के आसपास है, जबकि खाने-पीने की चीजों की कीमतें 128 प्रतिशत से भी ऊपर हैं। ईरानी मुद्रा रियाल रिकार्ड निचले स्तर पर है, जिससे लोगों की क्रय शक्ति न के बराबर रह गई है। औसत मासिक वेतन करीब 125 डालर है, जबकि बुनियादी खर्च 450 डालर तक पहुंच जाता है, जिससे पेट्रोल, भोजन और रोजमर्रा की वस्तुएं आम परिवारों की पहुंच से बाहर हो गई हैं। सोशल मीडिया पर लोग रसीदें और पुरानी कीमतों की तुलना करके अपनी परेशानी दिखा रहे हैं। अमेरिका ने आपरेशन इकोनामिक आउटकास्ट शुरू किया है, जिसका लक्ष्य ईरान की अर्थव्यवस्था और खासकर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) के वित्तीय स्रोतों को काटना है, क्योंकि आईआरजीसी देश की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा नियंत्रित करता है। रिपोर्टों के मुताबिक, कई आईआरजीसी सदस्यों को महीनों से वेतन नहीं मिला है और वे परिवार के लिए भोजन मांगने को मजबूर हैं।

चीन खुद उगाता है सोयाबीन फिर भी अमेरिका से खरीदा लाखों टन सोयाबीन

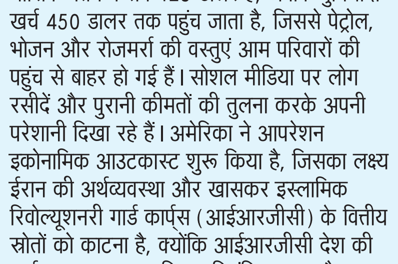

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अमेरिका जाने वाले हैं, उससे पहले चीन अमेरिकी सोयाबीन खरीद रहा है। पिछले दो महीनों में चीन ने लाखों मीट्रिक टन सोयाबीन अमेरिका से खरीदा है। इसी हफ्ते करीब करीब 10 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन बिजिंग पहुंचा। सवाल ये कि जब चीन खुद भारी मात्रा में सोयाबीन उगाता है तो उसे अमेरिकी सोयाबीन की जरूरत क्यों पड़ी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन के अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि सरकारी अनाज खरीदने वाली एजेंसी ने अमेरिका के साथ करीब 14-15 खेप सोयाबीन खरीदने के सौदे किए हैं। इनकी डिलीवरी दिसंबर से फरवरी के बीच गल्फ टर्मिनलों से की जाएगी। इसे लेकर चीन अब तक करीब 1.25 करोड़ टन सोयाबीन खरीद चुका है। चीन ने अमेरिका से वादा किया था कि वह हर साल सिर्फ 2.5 करोड़ टन सोयाबीन खरीदेगा, लेकिन 2-3 महीनों में ही आधे से ज्यादा सोयाबीन चीन खरीद चुका है। माना जा रहा है कि चीन अमेरिका को लुभाने और अपने मन मुताबिक ट्रेड डील के लिए ऐसा कर रहा है।

उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर की ओर दागीं कई बैलिस्टिक मिसाइलें, दक्षिण कोरिया ने बढ़ाई निगरानी

सियोल

उत्तर कोरिया ने ईस्ट सी (पूर्वी सागर) की ओर कई कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया की सेना के मुताबिक, यह लान्च दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के बीच पांच दिवसीय संयुक्त सैन्य अभ्यास फ्रीडम एज के समाप्त होने के एक दिन बाद हुआ।

दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप के मुताबिक दक्षिण कोरिया के जाइंट चीफ्स आफ स्टाफ (जेसीएस) ने बताया कि सुबह करीब 5:20 बजे उत्तर कोरिया के वोनसन इलाके से कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने का पता चला। मिसाइलें समुद्र में गिरने से पहले करीब 250 किलोमीटर तक उड़ीं।

जेसीएस ने कहा कि दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी खुफिया एजेंसियां उत्तर कोरिया की सैन्य गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही हैं। मिसाइल लान्च से जुड़ी जानकारी जापान के साथ भी साझा की गई है।

दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा, हमारी सेना दक्षिण कोरिया-अमेरिका की मजबूत रक्षा स्थिति के तहत उत्तर कोरिया की विभिन्न गतिविधियों पर बारीकी से नजर रख रही है और किसी भी उकसावे का करारा जवाब देने की क्षमता और तैयारी बनाए हुए है।

दक्षिण कोरियाई सैन्य सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती आकलन में ऐसा प्रतीत होता है कि उत्तर कोरिया ने कई बार ह्वासोंग-11 सीरीज की बैलिस्टिक मिसाइलों और 600 मिलीमीटर मल्टीपल राकेट लान्चर से गोले दागे।

जेसीएस ने संभावित अतिरिक्त मिसाइल लान्च को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी है और दक्षिण कोरिया, अमेरिका तथा जापान के बीच सूचना साझा करने के साथ सेना को पूरी तरह अलर्ट रहने का निर्देश दिया है।

यह मिसाइल परीक्षण दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के संयुक्त फ्रीडम एज सैन्य अभ्यास के ठीक बाद हुआ। पांच दिवसीय यह अभ्यास दक्षिण कोरिया के दक्षिणी द्वीप जेजू के पूर्व और दक्षिण में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आयोजित किया गया था। अभ्यास निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरा हुआ। इससे पहले सियोल और वाशिंगटन ने अपना वार्षिक संयुक्त उल्ची फ्रीडम शील्ड (यूएफएस) अभ्यास कम स्तर पर आयोजित किया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने दक्षिण कोरिया-अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यासों में कटौती का आदेश दिया था। ट्रंप ने इन अभ्यासों को महंगा बताते हुए कहा था कि उत्तर कोरिया के लिए ये गतिविधियां अनुचित और शत्रुतापूर्ण संकेत देती हैं।

मिसाइल लान्च से कुछ दिन पहले उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्री किम सोंग-गी ने तीन देशों के संयुक्त सैन्य अभ्यास की आलोचना की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिका और उसके सहयोगी उत्तर कोरिया के साथ नया सैन्य टकराव भड़काने की कोशिश करते हैं, तो प्योंगयांग अपनी ताकत के दम पर कड़े जवाबी कदम उठाएगा।

उत्तर कोरिया लंबे समय से दक्षिण कोरिया और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यासों का विरोध करता रहा है। प्योंगयांग इन अभ्यासों को संभावित हमले की तैयारी के तौर पर देखता है और अक्सर इनके विरोध में मिसाइल व अन्य हथियारों के परीक्षण करता है।

मिसाइल परिक्षण ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच इस महीने के अंत में वाशिंगटन में अहम बैठक होने की उम्मीद है। उम्मीद है कि दोनों नेताओं की बैठक के एजेंडे में उत्तर कोरिया और कोरियाई प्रायद्वीप की सुरक्षा स्थिति से जुड़े मुद्दे भी शामिल हो सकते हैं।

यमन की सेना का दावा- लाल सागर तट के बड़े इलाके पर कब्जा, सैकड़ों सऊदी समर्थित लड़ाके मारे गए

सना

यमन में सऊदी अरब के खिलाफ सैन्य तनाव बढ़ता जा रहा है। यमनी सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने दावा किया है कि सेना ने हुदैदाह और ताइज़ प्रांतों में करीब 5,400 वर्ग किलोमीटर इलाके पर कब्जा कर लिया है और सैकड़ों सऊदी समर्थित लड़ाकों को मार गिराया या घायल किया है। प्रवक्ता ने बाब अल-मंदाब की ओर बढ़ने और सऊदी ठिकानों के खिलाफ हमले तेज करने की भी चेतावनी दी है।

ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी के मुताबिक टेलीविजन पर दिए बयान में सरी ने कहा कि यमनी सेना और पापुलर कमेटियों से जुड़े लड़ाकों ने दोनों प्रांतों के छह जिलों से सऊदी समर्थित बलों को खदेड़ दिया। उन्होंने दावा किया कि अभियान के दौरान सऊदी समर्थित लड़ाकों की सात डिवीजनों और 38 ब्रिगेड को पराजित किया गया।

सरी के अनुसार, लड़ाई में सैकड़ों लड़ाके मारे गए या घायल हुए, जबकि कई अन्य को हिरासत में लिया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि सैन्य बलों ने उन कई कैदियों को मुक्त कराया, जिन्हें कथित तौर पर सऊदी समर्थित बलों द्वारा संचालित हिरासत केंद्रों में रखा गया था।

यमनी सेना के प्रवक्ता ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा इकाइयों ने 32 अभियान चलाए और सऊदी विमानों की घुसपैठ को रोकते हुए नौ विमानों को मार गिराया। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि का तत्काल कोई उल्लेख नहीं किया गया है।

सरी ने कहा कि यमनी सेना लाल सागर में जहाजों की आवाजाही को लेकर अपनी घोषित नीति पर कायम है। उनके मुताबिक, सऊदी अरब से आने वाले जहाजों को छोड़कर अन्य जहाजों के लिए लाल सागर से गुजरने की अनुमति रहेगी।

उन्होंने इसे घेराबंदी के बदले घेराबंदी की नीति बताते हुए कहा कि जब तक यमन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और नाकेबंदी जारी रहेगी, सऊदी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जाता रहेगा।

यमन में संघर्ष वर्ष 2015 में उस समय तेज हुआ, जब सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमनी सरकार के समर्थन में सैन्य अभियान शुरू किया। इस संघर्ष में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है और देश गंभीर मानवीय संकट से गुजरता रहा है।

यमनी सेना के प्रवक्ता के ताजा दावों के बीच क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

पाकिस्तान में बच्चों के आनलाइन यौन शोषण पर यूनिसेफ ने जताई चिंता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में 12 से 17 वर्ष की उम्र के करीब 15 लाख इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले बच्चे एक साल के दौरान तकनीक के जरिए होने वाले यौन शोषण और दुर्व्यवहार का शिकार हुए। इसका मतलब हर 16 में से एक बच्चे ने इस तरह की ज्यादती का सामना किया। यूनिसेफ ने पाकिस्तान में बच्चों के आनलाइन यौन शोषण और दुर्व्यवहार को लेकर गंभीर चिंता जताई है। पाकिस्तान सरकार, कानून लागू करने वाली एजेंसियों, न्यायिक एवं सामाजिक सेवा संस्थानों, समुदायों, स्कूलों, परिवारों और डिजिटल प्लेटफार्म से मिलकर बच्चों के लिए आनलाइन तथा वास्तविक जीवन में सुरक्षित वातावरण तैयार करने और रोकथाम, सुरक्षा एवं प्रतिक्रिया व्यवस्था मजबूत करने का यूनिसेफ ने आह्वान किया है। पाकिस्तान में नुकसान रोकना : टेक्नोलाजी से बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार के मिले प्रमाण नामक रिपोर्ट यूनिसेफ के आफिस आफ स्ट्रैटेजी एंड एविडेंस इनोसेंटी, ईसीपीएटी इंटरनेशनल और इंटरपोल ने संयुक्त रूप से तैयार की है। इसके लिए सेफ आनलाइन से वित्तीय सहयोग मिला। अध्ययन में 12 से 17 वर्ष के बच्चों और उनके माता-पिता तथा देखभाल करने वालों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि घरेलू सर्वेक्षण के साथ फ्रंटलाइन और न्याय क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों के साक्षात्कार शामिल किए गए।

यूएन महासभा में जलवायु न्याय और मुआवजे के लिए पांच मुद्दे उठाएंगे पीएम बालेन्द्र शाह

काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में जलवायु परिवर्तन से हुए नुकसान के मुआवजे का मुद्दा प्रमुखता से उठाने की तैयारी में हैं। न्यूयार्क में आगामी 24 सितंबर को महासभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री शाह जलवायु न्याय और क्षतिपूर्ति से जुड़े पांच प्रमुख एजेंडे प्रस्तुत करेंगे। प्रधानमंत्री 22 सितंबर को न्यूयार्क के लिए रवाना होंगे, जबकि उनसे पहले विदेश मंत्री शिशिर खनाल 20 सितंबर को न्यूयार्क पहुंचेंगे।

विदेश सचिव अमृत बहादुर राई के मुताबिक, प्रधानमंत्री शाह अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान इस ओर आकर्षित करेंगे कि जलवायु परिवर्तन और इससे पैदा होने वाली प्राकृतिक आपदाओं के कारण नेपाल को बार-बार बड़े पैमाने पर जनधन के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। नेपाल का कार्बन उत्सर्जन बेहद कम होने के बावजूद वह जलवायु परिवर्तन के गंभीर दुष्प्रभाव झेल रहा है।

प्रधानमंत्री वैश्विक समुदाय से जलवायु न्याय सुनिश्चित करने का आह्वान करेंगे। नेपाल इस बात पर जोर देगा कि जलवायु परिवर्तन से हुए नुकसान के लिए उसे तत्काल और उचित क्षतिपूर्ति मिलनी चाहिए।

नेपाल सरकार पहले ही जलवायु आपदाओं से हुए नुकसान के लिए 2 करोड़ अमेरिकी डालर के मुआवजे की मांग कर चुकी है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इस मांग पर लास एंड डैमेज फंड की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

इसके अलावा नेपाल विकसित और समृद्ध देशों से जलवायु-अनुकूल बुनियादी ढांचे के निर्माण, क्लाइमेट-स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने और संबंधित पक्षों की क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक तकनीक तथा जलवायु वित्त को आसान और रियायती शर्तों पर उपलब्ध कराने की अपील करेगा। नेपाल अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने पर्यावरण संरक्षण में अपने योगदान को भी प्रस्तुत करेगा। इसमें प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली, 46 प्रतिशत से अधिक वन क्षेत्र, विशाल हिमालयी क्षेत्र और व्यापक नदी प्रणाली के जरिए वैश्विक पर्यावरण संरक्षण में नेपाल की भूमिका को रेखांकित किया जाएगा।

विदेश सचिव अमृत बहादुर राई ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा नेपाल के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने पिछले वर्ष के जेन-जी आंदोलन, उसके बाद हुए सफल चुनाव और बड़े जनादेश के साथ बनी वर्तमान सरकार की प्राथमिकताओं को रखने का महत्वपूर्ण अवसर है। इसके साथ ही नेपाल अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सद्भावना को जारी रखने तथा उसे और बढ़ाने का आह्वान भी करेगा। महासभा के दौरान नेपाल सगरमाथा से समुद्र तक : जलवायु उत्थानशील भविष्य के लिए आह्वान शीर्षक से एक अलग बैठक भी करेगा। इसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक जलवायु परिवर्तन के कारण खासकर हिमालयी क्षेत्रों पर पड़ रहे नकारात्मक प्रभाव और उससे पैदा होने वाली विनाशकारी परिस्थितियों पर चर्चा करना तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान इस गंभीर संकट की ओर आकर्षित करना होगा। इस मंच के जरिए नेपाल यह संदेश देने की तैयारी में है कि जलवायु संकट पैदा करने में उसकी भूमिका बेहद कम होने के बावजूद उसके दुष्परिणामों का बोझ नेपाल जैसे पर्वतीय और विकासशील देशों को उठाना पड़ रहा है।

बाढ़ से 14,455 बच्चों की पढ़ाई प्रभावित, 396 छात्र और 21 शिक्षक अब भी लापता

काठमांडू

नेपाल के विनाशकारी बाढ़ का असर रसुवा, नुवाकोट और धादिंग जिलों की शिक्षा व्यवस्था पर भी पड़ा है। बाढ़ से तीनों जिलों में 14,455 से अधिक बच्चों की पढ़ाई बाधित हुई है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन तीन जिलों के 63 स्कूल बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

मंत्रालय के मुताबिक, बाढ़ के बाद अभी भी 396 विद्यार्थी और 21 शिक्षक लापता हैं, जबकि 20 विद्यार्थियों और दो शिक्षकों के शव बरामद किए जा चुके हैं।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा मौके पर किए गए अध्ययन के आधार पर तैयार शैक्षिक क्षति संबंधी रिपोर्ट के अनुसार प्रभावित 63 स्कूलों में 50 सामुदायिक, 11 निजी और दो धार्मिक विद्यालय शामिल हैं। इन स्कूलों में कुल 14,455 विद्यार्थी पढ़ रहे थे। अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों में अभी तक नियमित रूप से कक्षाएं शुरू नहीं हो सकी हैं।

बाढ़ ने 12 शैक्षणिक संस्थानों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। इनमें आठ सामुदायिक, तीन निजी और एक धार्मिक विद्यालय शामिल हैं। इसके अलावा 11 स्कूलों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इनमें छह सामुदायिक, चार निजी और एक धार्मिक विद्यालय हैं। 25 स्कूलों को होल्डिंग सेंटर के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इन केंद्रों में करीब 2,270 विस्थापित लोगों को रखा गया है। इसके कारण इन स्कूलों में भी फिलहाल पढ़ाई शुरू करना संभव नहीं है।

मंत्रालय के अनुसार, 15 स्कूल भवनों को सीधे तौर पर नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन मानवीय क्षति और अन्य परिस्थितियों के कारण वहां भी शैक्षणिक गतिविधियां संचालित नहीं हो पा रही हैं। शिक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता श्रीप्रसाद भट्टराई ने कहा कि बाढ़ और भूस्खलन से 23 शैक्षणिक संस्थान क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि 25 स्कूलों का इस्तेमाल विस्थापित नागरिकों के आश्रय स्थल के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन स्कूलों में तत्काल पढ़ाई शुरू करने की स्थिति नहीं है। विस्थापितों को दूसरे स्थानों पर स्थानांतरित करने के लिए स्थानीय निकायों के साथ समन्वय शुरू कर दिया गया है। तीनों जिलों में सबसे ज्यादा शैक्षिक नुकसान नुवाकोट में हुआ है। यहां 11 स्कूल बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि 16 स्कूलों को होल्डिंग सेंटर के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। एक अन्य स्कूल में भवन को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन शिक्षक और विद्यार्थियों की अनुपस्थिति के कारण पढ़ाई शुरू नहीं हो सकी है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार नुवाकोट में कुल 6,315 विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। इसी तरह धादिंग में आठ स्कूल बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि दो स्कूलों को होल्डिंग सेंटर बनाया गया है। चार अन्य स्कूल पढ़ाई के लिए तैयार हैं, लेकिन विद्यार्थियों के स्कूल नहीं पहुंचने के कारण वहां भी कक्षाएं शुरू नहीं हो सकी हैं। धादिंग में इन सभी प्रभावित स्कूलों में कुल 5,066 विद्यार्थी अध्ययनरत थे। रसुवा जिले में चार स्कूल बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि सात स्कूलों में विस्थापित लोगों को रखा गया है। इसके अलावा 10 अन्य स्कूलों में भी विद्यार्थी नहीं पहुंच रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, कुल मिलाकर रसुवा में 3,074 विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। बाढ़ से हुई तबाही के बाद इन तीनों जिलों में शिक्षा व्यवस्था को सामान्य करने के लिए स्कूल भवनों की मरम्मत, विस्थापित परिवारों का पुनर्वास और लापता विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की तलाश अब बड़ी चुनौती बनी हुई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन कारोबार के हिसाब से बहतर हैं लाभ होगा रुकावटें दूर होंगी । आप को अपने तरीकें से ही काम करना चाहिए किसी के दिखावे मे नही आना चाहिए । छात्रों के लिए महनत का समय हैं परिणाम सकारात्मक रहेंगे अनजाने व्यक्ति से निवेश मे सलाहमशवरा करना आपके लिए आर्थिक रूप से समस्या खड़ी कर सकता है । सेवक से बहसबाजी न करें आपकी छवि धूमिल हो सकती है। सूर्य को कनेर के पुष्प से अर्घ्य दें , आय बढेगी शरीर स्वस्थ रहेगा आनंद की अनुभूति होगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कार्यालय मे संयम से व्यवहार करना होगा । सरकारी कागजात को सावधानी से पढकर ही काम करना चाहिए । आज नये स्टाफ को जोखिम देने से हानि होगी । मित्रों का व्यवहार आपको पसंद नहीं आएगा आप टेंशन मे आ जाएंगे । पुराने कर्मचारियों से आप खुश होंगे। किसी भी कार्य को अन्तिम रुप देने से पहले बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना चाहिए । अपने खराब प्रदर्शन के लिए किसी दूसरे पर आरोप मत डाले घर–परिवार को भी प्रसन्न रखें माता–पिता का आशीर्वाद मिलेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज कन्स्ट्रक्शन के कारोबार मे निवेश करें लाभदायक रहेगा । कोई नया काम शुरू कर सकते हैं, सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक लाभ भी ठीक–ठाक रहेगा । दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बनेगा समय बहुत मौज मस्ती मे जायेगा । एक ही लक्ष्य लेकर कार्य करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे । कुछ घरेलू मामलों को सुलझाया जा सकता है । किसी भी तरह के नकारात्मक विचार आने से पहले ही कार्य को अन्तिम रुप देदें

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज समय का साथ मिलेगा आप सौभाग्यशाली रहेंगे । भविष्य के संबंध में कोई निर्णय लेना उचित होगा । आप का अथक परिश्रम आप को सफलता की सिढी पर ले जाएगा इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए हर्षोल्लास का समय हैं छात्र पुरस्कृत होंगे । अपने से छोटो को पहले मौका देना आप की पद और प्रतिष्ठा मे बढोत्तरी करेगा । आप को अर्थ का लाभ होगा। मंदिर मे देवमूर्ति को साष्टांग दण्डवत प्रणाम करना चाहिए और लालपुष्प की माला मूर्ति पर अर्पण करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन की शुरुआत धरती को छूकर प्रणाम करके करें । अपने काम की अहमियत को समझना होगा और मजबूती से कदम आगे बढाना होगा । आज सबसे पहले रुके हुए काम पूरे करना चाहिए, जो काफी महत्वपूर्ण है और आप को सरकारी दण्ड से भी बचाएगा । अगर कोई बात उलझ गई हो तो , निःसंकोच बातचीत से ही उसे ठीक करें, तो यह सही होगा । आप को अपना काम बहुत ही समझदारी से करना चाहिए । अपने माता–पिता से किसी को भी बात को गुप्त नही रखना हैं । आप एक अच्छे मित्र के रूप में प्रदर्शित होंगे ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज सबसे पहले अपने घर की जरुरतों को पूरा करें तत्पश्चात अपने व्यवसाय मे निवेश करें वर्तमान सुखमय बितेगा भविष्य के लिए चिंता मुक्त होंगे । विरोधियों से सावधान रहना होगा आप के होते हुए काम बिगाडेंगे । आने वाला समय आप का होगा आप को मित्रों का पूरा समर्थक रहेगा । शिक्षा क्षेत्र मे बाधा आ सकती है। आप एक्सपर्ट के साथ संवाद कर सकते हैं। अपने लक्ष्य को सुनिश्चित करें आप के पूर्व का निवेश भविष्य को फायदा देगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज सद्ग्रन्थों का अनुसरण करें दिनचर्या मे बदलाव की जरुरत हैं । कारोबार के हिसाब से समय सकारात्मक हैं अपने स्टाफ पर भरोसा रखना होगा आप को बेफिक्री रहेगी । कामर्स के छात्रों को विशेष सफलता मिलेगी महनत का सही परिणाम आएगा । बिगडे हुए काम आने वाले समय मे बनेंगे बस आप को निरंतर प्रयास करते रहना होगा ऑफिस पर ओवर टाइम होगा । किसी से हाथ पैसा लेना पडेगा परन्तु जल्दी ही आप चुका भी देंगे । कबूतर को दाना डालें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन आप के लिए सौभाग्यशाली है। आज नया कारोबार चालू करने सही समय हैं । कुछ पुराने कामों मे दिक्कतें जरूर आ सकती हैं उस को अच्छी तरह से समझकर सुलझा लें। आज शिक्षकों को छात्रों पर महनत करनी पडेगी तभी परिणाम अच्छे आंएगे । अपने निवेश का लेखाजोखा आप को ही रखना होगा नये और अपरिचित स्टाफ पर पूरा भरोसा करना नुकसानदेह साबित होगा । आप किसी भी तरह की यात्रा का योग बन रहा हैं गुड का सेवन करके प्रस्थान करें । मित्रो के साथ लम्बी बातचीत हो सकती हैं । आज नंदी महाराज को गुड खिलाए रोगमुक्त रहेंगें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप बैंकिंग मे कार्यरत है तो आप का पदोन्नति के साथ ट्रासफर हो सकता हैं आप के बैलेंस शिट में सुधार होगा मुनाफे के साथ स्थाई धन बढेगा । धार्मिक माहौल का आनंद मिलेगा बच्चों के स्वभाव मे अच्छे संस्कार का बदलाव देखने को मिलेगा । आज सामाजिक काम व्यस्तता रहेगी आप अपनी चतुराई से घरेलू समस्याओं को हल निकालने मे सक्षम होंगे । कुछ जातक नौकरीपेशे मे ही अपनी जीविका तलाशेंगे और रिस्क लेने से दूर ही रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

कपडे का व्यवसाय करने वालो के लिए समय मध्यम हैं न लाभ होगा और न हानि बनेगी । नौकरीपेशे से जुडे हुए हैं तो आप को संयम रखने की बहुत जरूरत हैं आप के भाई और बहन के रिश्तों मे कुछ अनबन हो सकती हैं परन्तु आप को अपने पर नियंत्रण रखना पडेगा और रिश्तों को सुधारते हुए साथ चलना होगा आज स्वास्थ्य दिक्कतें आ सकती हैं कमर के भाग मे कुछ तकलीफे बन सकती हैं डीनर के बाद कुछ कदम चलें हाजमा मजबूत होगा और तंदरुस्ती बरकरार रहेगी ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप लिखने का शौक रखते हैं तो आप को नये आफर मिल सकते हैं आप कोई कम्पनी के साथ अनुबंध भी कर सकते हैं आप की प्रतिष्ठा भी बढेगी । परिवार में बनी सुख शान्ति आप को बरकरार रखनी होगी । आप को सबका साथ लेकर चलना होगा । आप के बच्चे परीक्षा मे अच्छे परिणाम लाएंगे आप को गर्व का एहसास होगा । कर्ज लेने से पहले अपनी आय का स्त्रोत भलीभांति देखले और समझले। रोज गाय और कुत्ते को रोटी खिलाए आमदनी का जरीया बढेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन सफल बनाना है तो गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए । छोटी कन्या के चरण छूकर आशीर्वाद ले और कुछ उपचार दें आप कर्ज मुक्त होंगे । घर की साफ सफाई मे दिन गुजरेगा । लैव मैरेज के पूरे चांस बन रहे हैं अपने मन की बात घर वालो को बताने मे आप घबराएंगे नही आत्मविश्वास पूरा जोरों पर हैं । व्यापार मे भी समय साथ रहेगा आप निडर होकर निर्णय लेंगे । रिश्तेदारी मे कोई दावत का निमंत्रण मिलेगा आप पूरे परिवार के साथ शिरकत करेंगे पूरा लुत्फ लेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 सितंबर 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया प्रातः 07:09 तक
नक्षत्र : हस्त दोपहर 01:07 तक
योग : शुक्ल दोपहर 01:43 तक
करण : कौलव प्रातः 07:09 तक
चन्द्रराशि : कन्या रात्रि 01:26 तक
सूर्योदय : 06:03 ,सूर्यास्त 06:20 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:22 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:15 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:11 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रामदेवजी बीज 641 वी , मन्वादि तिथि , वराह जयंती , सामवेदी श्रावणी , उत्तराफाल्गुनी में रवि रात्रि 09:37 से , रवि हस्त अमृत सिद्धि योग प्रातः 06:03 से दोपहर 01:07 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अमेरिका के बे एरिया में भव्य रूप से मनाया गया तेलंगाना भाषा दिवस

अमेरिका में तेलुगु संगठन तेलंगाना की सांस्कृतिक चेतना को व्यापक भारतीय समुदाय तक पहुंचा रहे हैं : मडिपल्ली दक्षिणामूर्ति

बे एरिया, अमेरिका, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रजाकवि कालोजी नारायण राव की जयंती के अवसर पर प्रत्येक वर्ष 9 सितंबर को मनाए जाने वाले तेलंगाना भाषा दिवस का अमेरिका के बे एरिया में तेलंगाना कल्चरल एसोसिएशन (टीसीए) के तत्वावधान में भव्य आयोजन किया गया।

हैदराबाद से पधारे सुप्रसिद्ध उद्घोषक, सरकारी कार्यक्रमों के मंच संचालक तथा तेलंगाना आधिकारिक भाषा आयोग के ओएसडी श्री मडिपल्ली दक्षिणामूर्ति समारोह के मुख्य अतिथि रहे। कैलिफोर्निया के डबलिन में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न तेलुगु संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ कन्नड़, हिंदी, पंजाबी, तमिल, मलयालम तथा अन्य भारतीय भाषाओं के संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

कार्यक्रम की परिकल्पना श्री विजय चावा के मार्गदर्शन में की गई। आयोजन में टीसीए के अध्यक्ष श्री महिपाल रेड्डी, कोषाध्यक्ष श्री सागर कोठा एवं अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अपने संबोधन में श्री दक्षिणामूर्ति ने तेलंगाना भाषा के इतिहास, विशिष्टता और समृद्धि पर प्रकाश डाला। उन्होंने आकाशवाणी के कडपा, वारंगल और हैदराबाद केंद्रों में भाषा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जुड़े अपने अनुभव भी साझा किए।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि तेलंगाना के लोगों की जीवनशैली, संस्कृति, इतिहास, भावनाओं और अपनी मिट्टी की सुगंध का प्रतिबिंब है। अमेरिका में रहने वाली युवा पीढ़ी को मातृभाषा, संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराना तथा आने वाली पीढ़ियों तक तेलंगाना की भाषाई एवं सांस्कृतिक विरासत पहुंचाना सभी की निरंतर जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि तेलंगाना भाषा दिवस जैसे आयोजन सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने के साथ भाषा के इतिहास को समझने तथा उसके संरक्षण, संवर्धन और प्रसार के लिए समाज को प्रेरित करते हैं।

बाद में अमेरिकन इंडियन एसोसिएशन (एआईए) द्वारा आयोजित सामुदायिक बैठक में श्री मडिपल्ली दक्षिणामूर्ति एवं उनकी पत्नी श्रीमती राधिका का आत्मीय सम्मान किया गया।श्री दक्षिणामूर्ति ने बताया कि वर्ष 1987 में आकाशवाणी कडपा केंद्र से जुड़ने के बाद उन्हें राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के हजारों कार्यक्रमों को अपनी वाणी एवं मंच–संचालन से जोड़ने का अवसर मिला। उन्होंने अपने मार्गदर्शकों और शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि प्रभावी मंच–संचालन केवल शब्दों का प्रयोग नहीं, बल्कि समय की समझ, संवेदनशीलता, जिम्मेदारी, रचनात्मकता और प्रभावशाली वाणी–कौशल का समन्वय है। उन्होंने युवाओं से इस क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया।

श्री दक्षिणामूर्ति ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा शिक्षा, भाषा और संस्कृति के प्रति दिखाई जा रही विशेष रुचि की सराहना की तथा तेलंगाना भाषा की सेवा का अवसर देने के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने सुझाव दिया कि बे एरिया में लगभग पचास भारतीय संगठनों द्वारा सामूहिक रूप से मनाए जाने वाले विनायक चविथि जैसे त्योहारों में तेलंगाना की कला एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को भी प्रमुख स्थान दिया जाए।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री के ङ्कमन की बातफ के तेलुगु रूपांतरण ङ्कमनसुलो माटाफ का उद्घोष भी सुनाया गया, जिसे विभिन्न भाषाई समुदायों के उपस्थित लोगों ने सराहा।

बैठक में कल्याण कट्टमूरी, वीरु उप्पला, प्रसाद मंगिना, रमेश कोंडा और चंद्रशेखर आजाद सहित टीसीए अध्यक्ष महिपाल रेड्डी एवं कोषाध्यक्ष सागर कोठा उपस्थित रहे।

समारोह में वक्ताओं ने प्रजाकवि कालोजी नारायण राव के भाषा, साहित्य और जनचेतना के क्षेत्र में योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

सुभाष अग्रवालसेवा के एक निवाले से जग रही मानवता अन्नदान से समाज को मिल रहा संवेदना का संदेश

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क स्थित वाटर टैंक पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा और सामाजिक सरोकार का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष अग्रवाल ने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता के प्रति सच्ची संवेदना और जिम्मेदारी का परिचायक है। सेवा का वास्तविक आनंद तब मिलता है, जब किसी जरूरतमंद के चेहरे पर भोजन प्राप्त करने के बाद संतोष और मुस्कान दिखाई देती है।

उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान सहित विभिन्न सेवा कार्य समाज में सेवा और संस्कार की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं। यह सेवा किसी एक व्यक्ति या वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों की सहायता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर आगे बढ़ रही है।

सुभाष अग्रवाल ने कहा कि आज समाज को भौतिक विकास के साथ–साथ मानवीय संवेदनाओं की भी आवश्यकता है। यदि सक्षम व्यक्ति अपने आसपास जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं, तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। सेवा के लिए बड़ी संपत्ति नहीं, बल्कि बड़ा हृदय और निस्वार्थ भावना आवश्यक है।

उन्होंने राधे–राधे ग्रुप के सेवा संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि नियमित अन्नदान के माध्यम से मानव सेवा ही ईश्वर सेवा की भावना को साकार किया जा रहा है। इस प्रकार के सेवा कार्य समाज के अन्य लोगों को भी प्रेरणा देते हैं और सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाते हैं।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल सहित राधे–राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने उत्साहपूर्वक अन्नदान सेवा में सहयोग किया और सेवा के इस संकल्प को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

पिठोरी अमावस्या पर पारंपरिक उत्साह से मनाया गया बैल पोला पर्व

किनवट, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिठोरी अमावस्या के पावन अवसर पर कृषि संस्कृति से जुड़े बैल पोला पर्व को धार्मिक श्रद्धा और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। हालांकि इस बार कई किसानों के घर पोला पर्व तो आया, लेकिन चेहरों पर खुशी से ज्यादा चिंता दिखाई दी। किसानों ने वर्षभर खेती में साथ देने वाले बैलों को स्नान कराकर आकर्षक ढंग से सजाया और विधिवत पूजा–अर्चना की। इसके बाद बैलों को मारुति मंदिर की प्रदक्षिणा कराई गई और किसानों ने ङ्कहर–हर महादेवफ के जयघोष लगाए।

किनवट शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों ने सुबह ैलों को स्नान कराया और उन्हें रंग–बिरंगे कासरे, झूल, घुंघरू एवं बाशिंग से सजाया। इसके बाद सजे–धजे बैलों को मारुति मंदिर ले जाया गया। महिलाओं ने बैलों की आरती एवं पूजा कर उन्हें पुरणप–ोली का नैवेद्य अर्पित किया। मंदिर की परिक्रमा के बाद ज बैल घर–घर पहुंचे तो वहां भी पारंपरिक रीति–रिवाज के साथ उनकी पूजा–अर्चना की गई।

शहर में बैल पोला पर्व का मान गिरीश नेमानीवार, साई दीपक नारलावार एवं मुकुंद नेमानीवार का रहा। उन्होंने मारुति मंदिर में विधिवत पूजा–अर्चना की। इस अवसर पर भाजपा नेता सुधाकर भोयर, पूर्व नगराध्यक्ष सुनील पाटील, सतीश नेमानीवार, श्रीनिवास नेमानीवार सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

इसके अलावा कनकी गांव में भी बैल पोला पर्व के अवसर पर सजे–धजे बैलों की रैली निकाली गई, जो मारुति मंदिर पहुंची। वहां सदनशील किसान सी. व्यंकट रेड्डी ने विधिवत पूजा–अर्चना की। इस अवसर पर कांग्रेस तहसील अध्यक्ष के. सूर्यकांत रेड्डी, व्यंकट रेड्डी, प्रशांत रेड्डी, वाडगुरे समेत गांव के प्रमुख नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पोला किसान का अपना त्योहार है। कभी इस दिन गांवों में बैलों के गले की घंटियां गूंजती थीं। किसान उन्हें नहलाकर सजाता था और पूरे परिवार में उत्साह का माहौल रहता था। लेकिन इस बार कई किसानों के घर पोला आया तो चेहरों पर खुशी से ज्यादा चिंता दिखाई दी। खेती की लागत नहीं निकल रही है, कर्ज बढ़ रहा है और अगली फसल का भरोसा भी मौसम पर टिका हुआ है। ऐसे में अन्नदाता ने अपना त्योहार भी मानो खून के घूंट पीकर मनाया।

राष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता में स्नैप इंडिया के दो पत्रकारों को पुरस्कार

हैदराबाद/विजयवाड़ा, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
फोटोग्राफी अकादमी ऑफ इंडिया ने स्वतंत्रता दिवस–2026 के तहत आयोजित राष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए। ङ्कमेरा भारत लोकतंत्र और स्वतंत्रता के 80 वर्षफ विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में 20 राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रत्येक विजेता को 5,000 रुपये नकद, स्वर्ण पदक और प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

स्नैप इंडिया इंटरनेशनल न्यूज एंड फोटो एजेंसी के संपादक मोहम्मद शम्सुद्दीन और एसोसिएट एडिटर बजरंग शाह को भी राष्ट्रीय सम्मान के लिए चुना गया है। दोनों ने पहली बार प्रतियोगिता में भाग लिया था। पुरस्कार 2 अक्टूबर 2026 को विजयवाड़ा में आयोजित समारोह में आंध्र प्रदेश सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री द्वारा प्रदान किए जाएंगे। इस उपलब्धि पर शम्स–ुद्दीन ने आयोजन समिति, सैलून चेयरमैन तम्मा श्रीनिवास रेड्डी, एफआरपीएस और निर्णायक मंडल के प्रति आभार जताया।

मजदूरों की सुरक्षा से समझौता न करे सिंगरेनी प्रबंधन : वमसी कृष्णा

रामागुंडम, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली के सांसद गड्डम वमसी कृष्णा ने सिंगरेनी प्रबंधन से कोयला खदानों में कार्यरत मजदूरों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की। सिंगरेनी–11 इनक्लाइन, आरजी–1 में हाल ही में हुए हादसे का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार बड़ा हादसा टल गया, लेकिन ऐसी घटनाओं को नजरअंदाज करना भविष्य में जानलेवा साबित हो सकता है।

उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की कड़ाई से समीक्षा करने तथा खतरनाक भूमिगत क्षेत्रों एवं ढहने की आशंका वाले स्थानों पर सुरक्षा उपाय मजबूत करने की मांग की। सांसद ने कहा कि नई तकनीक का इस्तेमाल केवल उत्पादन बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि मजदूरों की जान बचाने के लिए भी किया जाना चाहिए। उन्होंने बेल्लमपल्ली में हुए हादसे का भी उल्लेख करते हुए सिंगरेनी प्रबंधन से सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करने को कहा।

जिला अस्पताल में तीन जटिल सर्जरी सफल

पेद्दापल्ली, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला अस्पताल में तीन जटिल मामलों की सफल सर्जरी कर उन्नत चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई। 75 वर्षीय मरीज के गंभीर घुटने के संक्रमण का उपचार करने के बाद त्वचा प्रत्यारोपण किया गया। वहीं, 50 वर्षीय मरीज के लिवर में फोड़े का जिले में पहली बार अल्ट्रासाउंड निर्देशित पिगटेल कैथीटेराइजेशन के माध्यम से सफल उपचार किया गया।इसके अलावा, मधुमेह से पीड़ित 75 वर्षीय मरीज के पैर के अंगूठे में गंभीर संक्रमण एवं ऊतक क्षति का उपचार करते हुए क्षतिग्रस्त ऊतक तथा संक्रमित पहली मेटाटार्सल हड्डी को सफलतापूर्वक हटाया गया।प्लास्टिक सर्जन डॉ. अशोक रेड्डी, इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट डॉ. मोइनुद्दीन, आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. कुमार गौड़ सहित चिकित्सकों, एनेस्थेटिस्ट, नर्सिंग एवं ऑपरेशन थिएटर स्टाफ की टीम ने इन सर्जरी को सफल बनाया। अस्पताल अधीक्षक डॉ. के. श्रीधर ने पूरी टीम को बधाई दी।

शिक्षकों की समस्याओं के समाधान की मांग

कामारेड्डी, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य कार्यकारिणी की बैठक में कामारेड्डी जिला अध्यक्ष बोनेकर संतोष ने शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को उठाते हुए सरकार से समाधान की मांग की। उन्होंने प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों से संबंधित जीओ–25 में संशोधन कर प्रत्येक कक्षा के लिए एक शिक्षक नियुक्त करने, जीओ–190 लागू करने तथा जीओ–317 से प्रभावित शिक्षकों के साथ न्याय करने की मांग की।उन्होंने पीआरसी लागू करने, लंबित महंगाई भत्ते का भुगतान, सीपीएस नीति रद्द करने तथा केजीबीवी, मॉडल स्कूल एवं गुरुकुल विद्यालयों के शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया। बैठक में राज्य उपाध्यक्ष रविंद्रनाथ आर्य, राघव रेड्डी एवं सत्यनारायण सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कविता ने की गणेश उत्सव गीत की सराहना

बांसवाड़ा, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणेश चतुर्थी के अवसर पर गणेश प्रोडक्शंस एवं चाय बैच क्रिएशन्स द्वारा तैयार गीत गली दोस्तू लुगलम गणेश फेस्टिवल की तेलंगाना डिफेंस फोर्स की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता ने सराहना की। गीत के विमोचन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं कविताक्का ने गीत की ऊर्जा, संगीत, बोल एवं छायांकन की प्रशंसा करते हुए पूरी टीम को बधाई दी।

गीत में गणेश उत्सव की उमंग, युवाओं के उत्साह एवं पारंपरिक त्योहार के माहौल को दर्शाया गया है। गीत को वेंकी ने स्वर दिया, संगीत वेंकट अजामीरा, बोल साई कुमार बलभद्र तथा निर्देशन पावर राम ने किया। मेदा किरण सह–निर्देशक रहे।

मंचेरियाल में एसआईआर जांच में बीएलओ और मतदाताओं को परेशानी

मंचेरियाल, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
विशेष समग्र पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मतदाता विवरण एवं गैर–मैपिंग की जांच में बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) और चुनाव अधिकारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नोटिस जारी करने से लेकर सुनवाई तक की प्रक्रिया में देरी हो रही है।

आवश्यक प्रमाणपत्र या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने वाले मतदाताओं को बार–बार सुनवाई के लिए बुलाया जा रहा है, जबकि निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होने पर कई मामलों में सुनवाई की तिथियां समाप्त हो रही हैं।

बीएलओ को प्रत्येक मतदाता का फोटो लेकर मोबाइल ऐप पर अपलोड करना अनिवार्य किए जाने से भी प्रक्रिया धीमी हुई है। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में लंबित नोटिसों की संख्या चेन्नूर में 43,445, बेल्लंपल्ली में 39,629 और मंचेरियाल में 43,481 बताई गई है।

प्रारूप मतदाता सूची पर प्राप्त आपत्तियों एवं शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों ने मतदाताओं से निर्धारित अंतिम तिथि से पहले आवश्यक दस्तावेज जमा करने की अपील की है। दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर मतदाता सूची में नाम प्रभावित होने के साथ मतदान के अधिकार पर भी असर पड़ सकता है।

गुरु किसे कहते हैं , क्या जीवन में गुरु का होना इतना आवश्यक है

वास्तव में गुरु की महिमा का पूरा वर्णन कोई कर सकता ही नहीं । गुरु की महिमा भगवान से भी अधिक है । इसलिये शास्त्रों में गुरु की बहुत महिमा आयी है । परंतु वह महिमा सच्चाई की है, दम्भ-पाखण्ड की नहीं । आजकल भारत में सांसारिक अथवा पारमार्थिक ज्ञान देने वाले व्यक्ति को गुरु कहा जाता है। इनकी पांच श्रेणिया हैं। शिक्षक - जो स्कूलों में शिक्षा देता है। आचार्य - जो अपने आचरण से शिक्षा देता है। कुलगुरु - जो वर्णाश्रम धर्म के अनुसार संस्कार ज्ञान देता है। दीक्षा गुरु - जो परम्परा का अनुसरण करते हुए अपने गुरु के आदेश पर आध्यात्मिक उन्नति के लिए मंत्र दीक्षा देते हैं। गुरु -वास्तव में यह शब्द समर्थ गुरु अथवा परम गुरु के लिए आया है। गुरु का अर्थ है भारी. ज्ञान सभी से भारी है अर्थात महान है अतः पूर्ण ज्ञानी चेतन्य रूप पुरुष के लिए गुरु शब्द प्रयुक्त होता है, उसकी ही स्तुति की जाती है। नानक देव, त्रेलंग स्वामी, तोतापुरी, रामकृष्ण परमहंस, महर्षि रमण, स्वामी समर्थ, साईं बाबा, महावातर बाबा, लाहडी महाशय, हैडाखान बाबा, सोमबार गिरी महाराज, स्वामी शिवानन्द, आनंदमई माँ, स्वामी बिमलानंदजी, मेहर बाबा आदि सच्चे गुरु रहे हैं। किसी भी क्षेत्र में मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु शिक्षक का होना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है । यही सूत्र अध्यात्म के क्षेत्र में भी लागू होता है । 'अध्यात्म' सूक्ष्म-स्तरीय विषय है, अर्थात बुद्धि की समझ से परे है । इसलिए आध्यात्मिक दृष्टि से उन्नत मार्गदर्शक अथवा गुरु कौन हैं, यह निश्चित रूप से पहचानना असंभव होता है । किसी शिक्षक अथवा प्रवचनकार की तुलना में गुरु पूर्णतः भिन्न होते हैं । हमारे इस विश्व में वे आध्यात्मिक प्रतिभा से परिपूर्ण दीपस्तंभ-समान होते हैं । वे हमें सभी धर्म तथा संस्कृतियों के मूलभूत आध्यात्मिक सिद्धान्त सिखाते हैं ।

यदि बच्चों से कहा जाए कि वे आधुनिक विज्ञान की शिक्षा किसी शिक्षक के बिना अथवा पिछले कई दशकों में प्राप्त ज्ञान के बिना ही ग्रहण करें तो क्या होगा यदि हमें जीवन में बार-बार पहिए का शोध करना पडे, तो क्या होगा हमें संपूर्ण जीवन स्वयं को शिक्षित करने में बिताना पडेगा । हम जीवन में आगे नहीं बढ पाएंगे और हो सकता है कि किसी अनुचित मार्ग पर चल पडें । जिस प्रकार ईश्वरद्वारा निर्मित मनुष्य, प्राणी आदि को मन एवं बुद्धि होती है, उसी प्रकार ईश्वरद्वारा निर्मित संपूर्ण विश्वके विश्वमन और विश्वबुद्धि होते हैं हमारी आध्यात्मिक यात्रा में भी मार्गदर्शक की आवश्यकता होती है ।

किसी भी क्षेत्र के मार्गदर्शक को उस क्षेत्र का प्रभुत्व होना आवश्यक है । अध्यात्म शास्त्र के अनुसार जिस व्यक्ति का अध्यात्म शास्त्र में अधिकार (प्रभुत्व) होता है, उसे गुरु कहते हैं । एक उक्ति है कि अंधों के राज्य में देख पाने वाले को राजा माना जाता है । आध्यात्मिक दृष्टि से दृष्टिहीन और अज्ञानी समाज में, प्रगत छठवीं ज्ञानेंद्रिय से संपन्न गुरु ही वास्तविक अर्थों से दृष्टि युक्त हैं । गुरु वे हैं, जो अपने मार्गदर्शक की शिक्षा के अनुसार आध्यात्मिक पथ पर चलकर विश्व मन और विश्व बुद्धि से ज्ञान प्राप्त कर चुके हैं । आध्यात्मिक मार्गदर्शक अथवा गुरु किसे कह सकते हैं और उनके लक्षण कौन से हैं । जिस प्रकार किसी देश की सरकार के अंतर्गत संपूर्ण देश का प्रशासनिक कार्य सुचारू रूप से चलने हेतु विविध विभाग होते हैं, ठीक उसी प्रकार सर्वोच्च ईश्वरीय तत्त्व के विविध अंग होते हैं । ईश्वर के ये विविध अंग ब्रहमांड में विशिष्ट कार्य करते हैं । जिस प्रकार किसी सरकार के अंतर्गत शिक्षा विभाग होता है, जो पूरे देश में आधुनिक विज्ञान सिखाने में सहायता करता है, उसी प्रकार ईश्वर का वह अंग जो विश्व को आध्यात्मिक विकास तथा आध्यात्मिक शिक्षा की ओर ले जाता है, उसे गुरु कहते हैं । इसे अदृश्य अथवा अप्रकट (निर्गुण) गुरु (तत्त्व) अथवा ईश्वर का शिक्षा प्रदान करने वाला तत्त्व कहते हैं । यह अप्रकट गुरु तत्त्व पूरे विश्व में विद्यमान है तथा जीवन में और मृत्यु के पश्चात भी हमारे साथ होता है । इस अप्रकट गुरु की विशेषता यह है कि वह संपूर्ण जीवन हमारे साथ रहकर धीरे-धीरे हमें सांसारिक जीवन से साधना पथ की ओर मोडता है । गुरु हमें अपने आध्यात्मिक स्तर के अनुसार अर्थात ज्ञान ग्रहण करने की हमारी क्षमता के अनुसार (चाहे वह हमें ज्ञात हो या ना हो) मार्गदर्शन करते हैं और हममें लगन, समर्पण भाव, जिज्ञासा, दृढता, अनुकंपा (दया) जैसे गुण (कौशल) विकसित करने में जीवन भर सहायता करते हैं । ये सभी गुण विशेष (कौशल) अच्छा साधक बनने के लिए और हमारी आध्यात्मिक यात्रा में टिके रहनेकी दृष्टि से मूलभूत और महत्त्वपूर्ण हैं । जिनमें आध्यात्मिक उन्नति की तीव्र लगन है, उनके लिए गुरुतत्त्व अधिक कार्यरत होता है और उन्हें अप्रकट रूप में उनकी आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करता है । गुरु शब्द की व्युत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुई है और इसका गहन आध्यात्मिक अर्थ है । इसके दो व्यंजन (अक्षर) गु और रु के अर्थ इस प्रकार से हैं :गु शब्द का अर्थ है अज्ञान, जो कि अधिकांश मनुष्यों में होता है । रु शब्द का अर्थ है, आध्यात्मिक ज्ञान का तेज, जो आध्यात्मिक अज्ञान का नाश करता (मिटाता) है । संक्षेप में, गुरु वे हैं, जो मानव जाति के आध्यात्मिक अज्ञान रूपी अं:धकार को मिटाते हैं और उसे आध्यात्मिक अनुभूतियां और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करते हैं ।

खड़े हनुमान जी मंदिर, उज्जैन

आस्था और शक्ति के प्रतीक

भारत के सबसे प्राचीन और पवित्र नगरों में से एक मध्य प्रदेश का उज्जैन भगवान श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग सहित अनेक प्रसिद्ध तीर्थस्थलों का केंद्र है। इन्हीं में खड़े हनुमान जी मंदिर का विशेष स्थान है। आमतौर पर भगवान हनुमान की प्रतिमाएँ बैठी हुई, घुटनों के बल या उड़ते हुए स्वरूप में दिखाई देती हैं, लेकिन इस मंदिर में हनुमान जी खड़े हुए स्वरूप में विराजमान हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार यह मंदिर लगभग 170 वर्ष पुराना है और इसका संबंध लगभग 1857 के कालखंड से माना जाता है। पीढ़ियों से यह प्राचीन उज्जैन का एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र रहा है।

लगभग 8 फीट ऊँची हनुमान जी की प्रतिमा चमकीले सिंदूर, सुंदर मुकुट, पवित्र तिलक और अलंकृत वस्त्रों से सुसज्जित है। यह प्रतिमा शक्ति, साहस, सुरक्षा और अटूट भक्ति की प्रतीक मानी जाती है। स्थानीय श्रद्धालु प्रेमपूर्वक हनुमान जी को डॉक्टर हनुमान भी कहते हैं। ऐसी लंबे समय से चली आ रही मान्यता है कि इस मंदिर में प्रार्थना करने से बीमार बच्चों तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को राहत मिलती है।

अडिग हनुमान जी की प्रतिमा

सिंहस्थ कुंभ मेला 2028 की तैयारियों के बीच यह मंदिर हाल ही में देशभर में चर्चा का विषय बना। कंठाल से छत्री चौक तक सड़क चौड़ीकरण कार्य के तहत सरकारी अधिकारियों द्वारा मंदिर के आसपास के ढाँचे को हटा दिया गया। लेकिन लगभग 8 फीट ऊँची हनुमान जी की प्रतिमा को भारी मशीनरी की मदद से कई बार स्थानांतरित करने के प्रयास किए गए, जो लगभग 40 घंटे के प्रयास के बाद भी सफल नहीं हो सके।

अधिकारियों और विशेषज्ञों के लिए यह मामला एक इंजीनियरिंग एवं संरचनात्मक चुनौती है, जिसके तहत प्रतिमा और उसकी नींव का सावधानीपूर्वक परीक्षण आवश्यक माना जा रहा है। वहीं, श्रद्धालु प्रतिमा के अपने स्थान पर अडिग रहने को दैवीय संकेत मान रहे हैं। उनका विश्वास है कि यह हनुमान जी की अद्भुत शक्ति और अटूट संकल्प का प्रतीक है।

खड़े हनुमान जी मंदिर की यह कथा आस्था, विरासत और उज्जैन की आध्यात्मिक परंपराओं के बीच सदियों पुराने संबंध को दर्शाती है। भव्य सिंहस्थ 2028 के लिए उज्जैन तैयार हो रहा है, ऐसे समय में अडिग खड़े हनुमान जी एक बार फिर भक्ति और विश्वास के शक्तिशाली प्रतीक बनकर सामने आए हैं।

जहाँ आस्था अडिग रहती है, वहाँ दैवीय शक्ति भी कभी विचलित नहीं होती।

–कैलास नागेश

मनुष्य दुखों से कैसे मुक्त हो

वर्तमान में संसार के लगभग सभी विचारक इस बात को लेकर चिंताग्रस्त हैं कि मनुष्य को दुखों से कैसे मुक्त किया जाए। सभी लोग केवल यही चिंता कर रहे हैं कि मनुष्य दुखों से कैसे मुक्त हो, लेकिन मुक्त होने का प्रयास कोई नहीं कर रहा है।

महर्षि पतंजलि जैसे संतों ने जिन मार्गों को बताया उसका भी अनुसरण कोई नहीं कर रहा है। पूरी मनुष्य जाति असहाय बनकर विकारों के सामने हाथ जोडकर खडी है। हमें अब अपनी ओर से इस महाविनाश को रोकने के लिए थोडा प्रयास करना है। मेरा मानना है कि प्रत्येक मनुष्य जब अपना कल्याण करने लगेगा तो देश में एक ऐसा समाज बनेगा जिसे सर्वात्म कल्याण कहा जाएगा। ऐसे समाज में कोई दुखी, अशांत और बीमार नहीं होगा, क्योंकि दुख हमारे कारण ही हमें घेरता है। दुखी होने में हमारी कोई सहायता नहीं करता। दुख और सुख दोनों के हम स्वयं कारण होते हैं।

प्रत्येक मनुष्य का मूल स्वरूप स्वस्थ और प्रसन्न रहना है। यही उसकी मूल प्रकृति है, लेकिन हम स्वयं अपने विकारों से ग्रस्त होकर बीमार पड जाते हैं या मर जाते हैं। मारने के लिए कोई यमराज डंडा लेकर नहीं आता। हमारा दुष्कर्म ही डंडा लेकर हमें धीरे-धीरे मारता रहता है। ऐसा नहीं होता तो लोग शराब पीकर या अन्य मादक पदार्थ खाकर कैसे मरते। यमराज को तो ऐसे लोगों का नाम पता भी मालूम नहीं है, लेकिन लोग मरे चले जा रहे हैं। इन सबके पीछे प्रबल कारण है 'अज्ञान'। अज्ञान का अर्थ है जागरूकता का अभाव। ऐसा संतों का मानना है। जागरूक व्यक्ति अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होता। भगवान बुद्ध कहते हैं, 'जो भी करते हो होशपूर्वक करो'। होशपूर्वक किया गया कोई भी काम अनैतिक नहीं होता। इसलिए मनुष्य अगर दुखी है, चिंताग्रस्त और उदास है तो उसका कारण वह स्वयं है। ऐसा इसलिए, क्योंकि किसी ने भी उसे दुखी, चिंताग्रस्त और उदास होने के लिए नहीं कहा है कि वह दुखी होना चाहता है इसलिए वह दुखी है।

जो सुखी रहना चाहता है वह सुखी है। बीमार भी वही पडता है जो बीमार होना चाहता है। कुछ लोगों को तो बीमार होने पर दूसरों की सहानुभूति पाने में सुख मिलता है। ऐसे लोग अपनी छोटी बीमारी को भी बडी बीमारी बताते हैं। ऐसे बहुत से लोग हमारे समाज में हैं, जो अपने छोटे दुखों को बढा-चढाकर दूसरों की सहानुभूति प्राप्त करना चाहते हैं।

प्रेम एक दैवीय शक्ति है जो हमें ईश्वर के करीब ले जाती है

प्रेम बहती नदी है, बंद तालाब नहीं। इसे परमार्थ के महानद में मिलने दें। स्वार्थ के संपुट में प्रेम को बंद मत करें। 'लोकधर्म' ही 'प्रेमधर्म' है। शिवलिंग में शिव को मत देखें। प्रेम के रस में पगी भक्ति की नजर से देखने पर ही सर्वत्र शिव की छवि दिखाई देती है।

प्रेम ऊपर चढे तो भक्ति है और नीचे गिरे तो आसक्ति। परमात्मा को धर्मालयों में बंद मत करें। आखिर सभी के हदय में प्रेम की ही ज्योति दीप्तिमान है। एक समान भाव ही प्रेम का धर्म है, जिसकी सर्वोत्तम अभिव्यक्ति एकता के आनंद में होती है। यही प्रेम असीम-ससीम का, निर्गुण-सगुण का, शक्ति-सौंदर्य का और रूप-रस का मंजुल समन्वय है। प्रेम निश्छल होना चाहिए। वह चाहे संसारी प्रेम हो या परमार्थी। 'अनासक्ति' ही प्रेम का धर्म है, जहां प्रतिदान की तनिक भी गुंजाइश नहीं है। प्रेम में केवल देना है, लेना कुछ भी नहीं। प्रेम करते समय यह अहंकार भी नहीं होना चाहिए कि वह प्रेम कर रहा है। प्रेम को तिजारत न बनने दें।

ध्यान रहे कि फूल खिलता है दूसरों को आनंद देने के लिए और स्वयं मुरझाने के लिए। एक आप हो कि बिना मतलब के प्रेम करना ही नहीं जानते। प्रेम आकर्षण है और द्वेष विकर्षण। प्रेम आनंद है और द्वेष दुख। प्रेम अद्वैत है और द्वेष द्वैत। प्रेम सहकार है और द्वेष विखराव। जहां प्रेम है वहां विकास है और जहां द्वेष है वहां पतन। हदय में प्रेम का उदय होते ही भीतर दैवी परिवर्तन होने लगता है और जीवन-धारा ही बदल जाती है। तुच्छ, अशिव और असुंदर को विराट, शिव और सुंदर बनाने के लिए सृष्टि में प्रेम का अवतरण हुआ है।

वासनात्मक प्रेम वस्तुतः दैवी प्रेम की सतह पर गंदी काई की तरह है, जिसके आवरण में दिव्य प्रेम का पावन जल छिपा हुआ है। प्रेम आनंद है और जीवन इस आनंद का अविराम अनुसंधान है।

हमारा सारा प्रेम शुभ के लिए है। हम वस्तु से प्रेम नहीं करते, उसमें निहित शुभ से प्रेम करते हैं। प्रेम जीवन का आधार है। इसके बिना हमारा समाज नहीं चल सकता। प्रेम ही मानवता का सबसे बडा गुण है।

प्रेम जब सच्च और सकारात्मक भाव लिए हो तो उससे प्रबल भावना कोई और नहीं हो सकती। प्रेम ही हमें एक-दूसरे के प्रति समर्पित होने का अवसर देता है। प्रेम एक दैवीय शक्ति है जो हमें ईश्वर के करीब ले जाती है।

कौन है नायक

कुछ साल पहले की बात है। न्यूयॉर्क के मैनहटन स्टेशन पर वेस्ली ऑट्री अपनी क्रमशः चार और छह वर्ष की बेटियों के साथ ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे थे। जब उन्होंने देखा कि ट्रेन सामने से आ रही है, तभी उनके पास खडा एक मुसाफिर अचानक गश खाकर रेलवे ट्रैक पर गिर पडा। वेस्ली ने आव देखा न ताव, इंजन के सामने छलांग लगा दी और उस मुसाफिर को ट्रैक के बीच बनी गहरी नाली में खींच लिया।

ट्रेन के अचानक ब्रेक लगे, लेकिन वह रुक नहीं पाई। पांच डब्बे उनके सिरों को छूते हुए ऊपर से गुजर गए। मिट्टी से लथपथ अपनी टोपी उतारते हुए वेस्ली ने तेज आवाज में कहा, 'मेरी दोनों बेटियों को बता दो कि उनके पापा ठीक हैं'। भीड में सभी हैरानी और खुशी जता रहे थे और वेस्ली की सराहना कर रहे थे।

गश खाकर गिरने वाला मुसाफिर न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी का छात्र था और उसे दौरे पडने की शिकायत थी। उसे अस्पताल ले जाया गया, उसे मामूली चोट और खरोंचें ही आई थीं।

जब उस छात्र ने वेस्ली का आभार जताया, तो उन्होंने कहा, 'मैंने कोई बडा कारनामा नहीं कर दिखाया है। तुम्हें उस समय मदद की जरूरत थी और मैं जो कर सकता था, वह किया।' कथा-मर्म : नायक वही है, जो किसी की भलाई के लिए जितना कर सकता हो, उतना जी-जान से करे।

क्या है सिक्स्थ सेंस, क्या यह एक नयी दुनिया से संपर्क करवाती है

यह सिक्स्थ सेंस ही है, जो समय-समय पर आपको आगाह करता है। कई बार तो हम विर्श्वास करते हैं और कभी हम उसकी परवाह नहीं करते। यही है सिक्स्थ सेंस, जिसकी व्याख्या पांचों इंद्रियां भी नहीं कर सकतीं। भविष्य में घटने वाली अच्छी या बुरी घटनाओं के प्रति सचेत करने वाला सिक्स्थ सेंस है।

हर व्यक्ति को अपने जीवन-काल में ऐसा अनुभव अवश्य होता है, लेकिन कभी अज्ञानता, तो कभी अंधविर्श्वास समझते हुए, वह इस पर यकीन नहीं करता। व्यक्ति अपनी पाँच इंद्रियों के प्रति जागरूक रहता है, क्योंकि ये इंद्रियां प्रत्यक्ष रूप से शरीर से संबंधित हैं, लेकिन सिक्स्थ सेंस की जानकारी बहुत कम लोगों को होती है, जबकि यह सेंस संवेदनाओं को समझने में पांच इंद्रियों से ज्यादा समर्थ है। इस सेंस के जरिए व्यक्ति एक ऐसी दुनिया में प्रवेश करता है, जो अनदेखी है, ऐसी दुनिया से संवाद स्थापित करता है, जो अनसुनी है। यह आत्मिक दुनिया विज्ञान की कसौटी पर पूरी तरह परखी नहीं गई है, लेकिन इस पर विर्श्वास करने वाले मानते हैं कि छठी इंद्रिय आपको सचेत करती है और एक नयी दुनिया से संपर्क करवाती है।

सेंस से क्या डरनाः सिक्स्थ सेंस हर व्यक्ति के पास होता है। यह मनुष्य की मानसिक अवस्था की एक सामान्य प्रिाया है। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ स्पेशल या गिफ्टेड लोगों के पास होता है। इसे गलत तरीके से प्रचारित किया गया है, इसलिए लोग इससे घबराते हैं।

वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारितः व्यक्ति में जन्म से ही यह शक्ति होती है कि वह आत्मिक दुनिया से संवाद स्थापित कर सके। सिक्स्थ सेंस भी उसी वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित है, जिस वैज्ञानिक पद्धति के तहत रेडियो और टेलीविजन के ट्रांसमिशन कार्य करते हैं।

जिस तरह जरूरत पडने पर आप प्रोग्राम सुनने या देखने के लिए किसी फ्रीक्वेंसी या बैंड पर टी.वी. या रेडियो को ट्यून कर लेते हैं, उसी तरह सिक्स्थ सेंस को भी आप दूसरे व्यक्ति की फ्रीक्वेंसी या आध्यात्मिक दुनिया के किसी व्यक्ति की फ्रीक्वेंसी के अनुसार ट्यून कर सकते हैं। इलेक्ट्रानिक ट्यूनिंग बिजली के माध्यम से काम करती है, लेकिन आत्मिक ट्यूनिंग मस्तिष्क के माध्यम से संपर्क स्थापित करती है। इसके साधन हैं मानसिक एकाग्रता और इच्छाशक्ति।

मेंटल साइट और सिक्स्थ सेंसः कोलंबिया ब्रिटिश यूनिवर्सिटी के साइकोलॉजिस्ट रोनाल्ड रेनसिंक ने सिक्स्थ सेंस को प्रमाणित करने के लिए 40 लोगों को कंप्यूटर सीन पर कुछ आस्थर इमेज दिखाए। प्रत्येक इमेज को एक सेकेंड से भी कम समय के लिए हर व्यक्ति को दिखाया गया।

इसके बाद लोगों को एक ग्रे सीन दिखाई गई। ग्रे सीन पर भी कुछ लोगों को वही चित्र नजर आया। कुछ समय बाद उन्हें इन तस्वीरों में कुछ बदलाव करके दिखाया गया। लोगों को पता चल गया कि चित्र में कुछ बदलाव किया गया है।

हालांकि वे यह नहीं बता सके कि किस हिस्से में बदलाव किया गया है। रोनाल्ड इसे मेंटल साइट कहते हैं, जो यह बताती है कि चित्र में कुछ न कुछ जरूर बदल दिया गया है। उनका मानना है कि मेंटल साइट और सिक्स्थ सेंस में गहरा संबंध है।

मेंटल ट्यूनिंगः इलेक्ट्रानिक ट्यूनिंग विर्श्वसनीय और तर्कसंगत है, जबकि मानसिक एकाग्रता से ट्यूनिंग करना मुश्किल है, क्योंकि यह स्थिर नहीं है। इस पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहा जा सकता। फिर भी इसे पूरी तरह से अवैज्ञानिक मानकर खारिज भी नहीं किया जा सकता।

इलेक्ट्रिकल ट्यूनिंग और मेंटल ट्यूनिंग में फर्क सिर्फइतना है कि मेंटल ट्यूनिंग अभी शोध के प्रारंभिक दौर में है। इस दिशा में अभी काफी कुछ किया जाना है।

जहां तक भविष्य में इसकी प्रगति का सवाल है तो हमें यह समझना होगा कि आज विज्ञान ने इतनी प्रगति कर ली है कि सिक्स्थ सेंस की प्रमाणिकता को भी वैज्ञानिक आधार पर परखा जा सकता है।

सिक्स्थ सेंस का आत्मिक दुनिया से संबंध स्थापित करने संबंधी शोध प्रारंभिक अवस्था में होने के कारण इस पर से पूरी तरह से पर्दा नहीं उठ सका है।

हर व्यक्ति को होता है ऐसा अनुभवः जागृत अवस्था में या सपने में हर व्यक्ति कभी न कभी सिक्स्थ सेंस जैसे अनुभव से गुजरा है।

जो लोग ऐसे अनुभव को याद नहीं कर पाते, वे इसके संकेतों से अनभिज्ञ रहते हैं। कई बार अंधविर्श्वास या मन का वहम समझते हुए भी लोग इन बातों को दूसरों को बताने से डरते हैं। अध्यात्म से जुडे लोग इस बात को स्वीकार करते हैं कि कभी न कभी आत्मिक दुनिया से उनका सम्पर्क हुआ है।

भगवान शिव का प्रिय रुद्राक्ष से कई रोगों का निदान भी संभव है

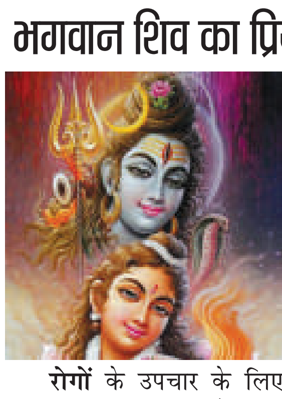

रोगों के उपचार के लिए चिकित्सा शास्त्र में कई औषधियों का वर्णन मिलता है। इनमें से एक है रुद्राक्ष। रुद्राक्ष वैसे तो भगवान शिव के लिए प्रिय है, लेकिन ये बात बहुत कम लोगों को पता होगी कि इससे कई रोगों का निदान भी संभव है। रुद्राक्ष से रोगों का उपचार करने के तरीके हमारे धर्मग्रंथों और चिकित्सा आधारित ग्रंथों में उल्लेखित हैं। उन्हीं में से कुछ उपाय यहां दिए जा रहे हैं। इन्हें आजमाकर आप स्वास्थ्य लाभ ले सकते हैं। हालांकि इसके साथ चिकित्सकीय जांच भी जरूर करवाते रहें। चारमुखी रुद्राक्ष को दूध में उबालकर सुबह खाली पेट पीने से स्मरण शक्ति तेज होती है। सोमवार के दिन त्रिशूल के आकार का लॉकेट धारण करने से बुद्धि और स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। यदि आपके आमाशय में किसी तरह का विकार हो तो तांबे के किसी पात्र में जल भरकर सिरहाने रखें और उसमें पंचमुखी रुद्राक्ष के पांच दाने डाल दें। सुबह उठकर उस जल को पी लें और अगले दिन पुनः यह करें। जब तक रोग ठीक न हों करते रहें। रक्तचाप यानी ब्लडप्रेशर की रोगियों को पांचमुखी रुद्राक्ष की माला गले में धारण करना चाहिए। ध्यान रखें यह माला हदय के पास तक जानी चाहिए। किसी भी रोग की औषधि आरंभ करने से पहले उसे पहली बार शिव मंदिर में अर्पित करके भगवान आशुतोष से शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना करें। इससे औषधि रोग का शीघ्र निदान करती है।

अपंग बच्चों की ऐसे करें देखभाल
भरें उनमें आत्मविश्वास

घरपरिवार और समाज विशेष बच्चों के प्रति सकारात्मक रवैया अपनाएं व उन में आत्मविश्वास जगाएं तो वे भी सामान्य लोगों की तरह कामयाबी की मंजिल पा सकते हैं. बस, जरूरत है उन की उचित देखभाल किए जाने की.

शारीरिक रूप से विकलांग न जाने कितने लोग आज अपनेअपने क्षेत्रों में अगर कामयाब हैं तो इस के पीछे उन के मातापिता और परिवार वालों की मेहनत व कोशिशें हैं. उन्होंने उन में आत्मविश्वास भरा और जीवन के प्रति उन की सोच को सकारात्मक बनाए रखा. सच है कि बच्चे पालना कोई बच्चों का खेल नहीं. जन्म से ले कर युवावस्था तक मातापिता अपने बच्चों की देखरेख में जरा सी भी कसर बाकी नहीं रखते. बच्चे तो गीली मिट्टी के समान होते हैं, मातापिता जैसा आकार दें, वे वैसा हो जाते हैं.

जब बात आती है शारीरिक या मानसिक रूप से विशेष बच्चों की देखभाल की तो मातापिता की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं. ऐसे बच्चे को न सिर्फ मानसिक रूप से सकारात्मक रखने की बल्कि शारीरिक रूप से भी मजबूत बनाए रखने की जरूरत होती है. ऐसे में यदि मातापिता जरा सी भी लापरवाही दिखाते हैं तो बच्चे पर बुरा असर पड़ सकता है और वह खुद को समाज के अन्य बच्चों की तुलना में हीन समझने लगता है.

मानसिक रूप से अपंग बच्चों के पालनपोषण में न सिर्फ उन को शारीरिक रूप से सहयोग देने की जरूरत होती है बल्कि उन के अधूरे मानसिक विकास के कारण हर समय उन के साथ रहने की जरूरत होती है, जो बेहद ही जिम्मेदारी भरा काम है. विकलांगता 2 प्रकार की हो सकती है, शारीरिक और मानसिक. दोनों ही स्थितियों में विकलांग बच्चे की देखरेख में विशेष लालनपालन करने की जरूरत होती है.

आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाएं

शारीरिक रूप से अपंग बच्चे को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास आप बचपन से ही शुरू कर दें. बच्चे को किसी के ऊपर निर्भर रहने का आदी बनाने के बजाय उस को अपने काम खुद करने की आदत डलवाएं.

ऐसे करने से उस में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और वह परिवार वालों पर खुद को बोझ समझने की जगह अपने सारे काम खुद करने में सक्षम होगा. इस के लिए आप को छोटी उम्र से ही उस में आत्मनिर्भरता के गुण भरने की कोशिश शुरू कर देनी चाहिए. बच्चे को धीरेधीरे अपने सभी काम खुद करना सिखाएं व उस में जिम्मेदारी की भावना भरें.

सामान्य बच्चों में अंतर न करें

यदि घर में एक बच्चा अपंग हो और बाकी सामान्य हों तो ऐसी स्थिति में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है. कई बार भाईबहन भी नादानी या शैतानी के चलते अपंग भाई या बहन को उसी की शारीरिक कमजोरी को ले कर टिप्पणी करते हैं. इस से अपंग बच्चे के मन को आघात पहुंचता है. इसलिए मातापिता का यह दायित्व बनता है कि वे अपने सभी बच्चों को आपस में मिलजुल कर रहने की सीख दें. साथ ही, उसे यह भी एहसास न होने दें कि विकलांग होने की वजह से उस की देखभाल ज्यादा हो रही है. यदि आप हर कदम पर अपने अपंग बच्चे की मदद के लिए खड़े रहेंगे तो इस से उसे अपनी शारीरिक कमी का एहसास होगा और वह इस से चिड़चिड़ा हो सकता है. इसलिए उस के अधिकांश काम उस को खुद करने दें.

क्षमता के अनुरूप ही आशाएं रखें

बच्चों की क्षमताओं से ज्यादा की उम्मीद रखने से निराशा हाथ लगती है. इसलिए यह जांच लें कि आप के बच्चे में कितनी क्षमता है, इसी के आधार पर यह निर्णय लें कि वह कहां तक सफल हो सकता है. ज्यादा उम्मीदें लगाना या बच्चे पर उस की क्षमता से अधिक करने का दबाव डालने से आप का बच्चा डिप्रैशन का शिकार हो सकता है.

सहानुभूति वालों को दूर रखें

भोपाल में रहने वाली कविता का कहना है कि 21 वर्षीय मेरा बड़ा बेटा एक पैर से अपाहिज है. पढ़नेलिखने में हमेशा वह अव्वल रहता है. हम ने उस को कभी इस बात का एहसास नहीं होने दिया कि वह शारीरिक रूप से पूर्ण नहीं है.

एक दिन मेरी पड़ोसिन हमेशा की तरह मेरे घर आई और बोली कि मैं आप के बेटे के लिए एक बहुत अच्छा रिश्ता लाई हूं. मेरे दोनों बेटे उस दिन घर में ही मौजूद थे. पड़ोसिन ने छोटे बेटे की तरफ देखते हुए कहा कि इसे तो वे देखते ही पसंद कर लेंगे. इस पर मेरे बड़े बेटे ने सिर झुका लिया और अपने कमरे में चला गया. इस तरह कई बार रिश्तेदार या पड़ोसी आदि कुछ इस तरह की बातें बोल देते हैं जिस से बच्चे के दिल को ठेस पहुंचती है. इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि यदि आप किसी के घर जा रहे हैं या कोई आप के घर आ रहा है तो इस तरह की कोई बात न हो जिस का संबंध बच्चे की शारीरिक कमियों से हो.

हीनभावना न पनपने दें

सुषमा के 5 बच्चों में सब से बड़े के एक पैर में पोलियो और छोटी बेटी के दोनों पैरों में पोलियो के कारण वे चलनेफिरने में असमर्थ हैं. सुषमा का कहना है कि घर में बड़ी संतान होने के नाते मेरे बेटे ने बिना इस बात की परवा किए कि वह एक पैर से लाचार है, अपने सारे कर्तव्य पूरे किए. उस ने न सिर्फ एमए तक पढ़ाई कर के अच्छी नौकरी हासिल की बल्कि अपनी अपंग बहन को रोजाना स्कूल और कालेज लाने, ले जाने का काम भी उस ने पूरा किया.

नतीजा यह हुआ कि मेरी बेटी बेशक अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो सकती, लेकिन उस ने बीएड तक पढ़ाई पूरी की और एक हैंडीकैप्ट बच्चों के स्कूल में अध्यापिका के पद पर सेवारत है. आज ये जिस मुकाम पर हैं वहां पहुंचने में इन बच्चों को अन्य सामान्य बच्चों की तुलना में कई गुणा ज्यादा मेहनत करनी पड़ी, लेकिन इन्होंने हार नहीं मानी. इस के पीछे वजह थी कि हम ने उन में कभी हीनभावना नहीं पनपने दी.

किसी से तुलना करना ठीक नहीं

शारीरिक और मानसिक रूप से अविकसित या कमजोर बच्चों को अकसर दया का पात्र व मुख्यधारा से कटा हुआ माना जाता है. जबकि सचाई यह है कि उन को किसी की दया की नहीं, बल्कि आप के सहयोग व प्रेम की जरूरत होती है. इस में पेरैंट्स व परिवार के सदस्यों की अहम भूमिका होती है. अपंग बच्चे की तुलना न तो सामान्य बच्चों से करें और न किसी अन्य बच्चे से. यदि आप का बच्चा वह काम करने के लिए कदम बढ़ाना चाहता है जो उस के साथी बच्चे करते हैं तो उस को रोकें नहीं. दूसरे बच्चों से तुलना करने की जगह उस की आंतरिक क्षमताओं को पहचान कर उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा दें क्योंकि हर व्यक्ति में कोई न कोई विशेष गुण होता है. उस के इसी गुण को उभारें और उसे हतोत्साहित करने के बजाय उस के प्रयासों की सराहना करें.

हर समय देखरेख की जरूरत होती है

रोहिणी निवासी काजल का 15 वर्षीय बेटा जन्म से ही विकलांग है. काजल का कहना है कि जब उस का बेटा पैदा हुआ था उसी समय डाक्टरों ने बताया कि इस के दिमाग का एक हिस्सा काम नहीं कर रहा है. इस के कारण वह बोल पाने में तो असमर्थ है ही, चलफिर भी नहीं सकता. हमारे बच्चे में ये सब दोष हैं, यह सोच कर दुख तो हुआ लेकिन हम ने अपने बेटे के लालनपालन व उस की देखभाल में कोई कमी नहीं छोड़ी.

मुझे और मेरे पति को हर समय अपनी सभी इंद्रियां खुली रखनी पड़ती हैं, पलपल अपने बच्चे का ध्यान रखना पड़ता है. उस को रोजाना स्पीच थैरेपी के लिए और मनोचिकित्सक के पास ले कर जाते हैं. वहीं, घर में उस से बात करने की कोशिश करते हैं. दरअसल, वह सुनता और समझता तो सबकुछ है लेकिन बोलने में असमर्थ है. इसलिए हम उस की हर तरह से देखभाल करते हैं.

मनोचिकित्सक डा. आर सी जिलोहा इस बारे में बताते हैं कि अपंगता 2 तरह से होती है, एक मानसिक विकलांगता और दूसरी शारीरिक. दोनों ही परिस्थितियों में विकलांग बच्चे की जरूरतें अलगअलग होती हैं. उसी आधार पर मातापिता को देखना चाहिए कि उन के बच्चे को किस तरह की देखभाल की जरूरत है. मसलन, बच्चा मानसिक रूप से विकलांग है तो उस की क्या जरूरतें हैं और उस की किस तरह से देखभाल करनी है और शारीरिक रूप से विकलांग है तो उस की क्या जरूरतें हैं.

मानसिक रूप से विकलांग बच्चों की समझ थोड़ी कमजोर होती है. ऐसे बच्चों को छोटी से छोटी बातें भी पेरैंट्स को सिखानी पड़ती हैं, जैसे उन को किस तरह से साफसुथरे रहना है, किस तरह से खाना खाना है, किस तरह से अपने सामान को रखना चाहिए आदि. ये हर रोज की जिम्मेदारियां होती हैं मातापिता के कंधों पर.

डा. जिलोहा आगे बताते हैं कि शारीरिक रूप से विकलांग बच्चों की जरूरतें अलग होती हैं. शारीरिक रूप से विकलांगता कई तरह से हो सकती है जैसे पैरों से अपाहिज होना या देखनेसुनने व बोलने में असमर्थ होना आदि. इन बच्चों में हालांकि सामान्य बच्चों जैसी सारी बातें होती हैं लेकिन वे किसी न किसी रूप में शारीरिक तौर पर अपंग होते हैं. ऐसे बच्चे हीनभावना के शिकार बहुत जल्दी हो जाते हैं.

पेरैंट्स को इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि वे विशेष बच्चों को आम बच्चों की तरह से ही ट्रीट करें और उन को आगे बढ़ने का हौसला देते रहें. साथ ही, विशेष बच्चों की सीमा से ज्यादा उन से उम्मीदें लगाना ठीक नहीं है. जितना वे कर रहे हैं या कर सकते हैं उसी में मातापिता संतुष्ट रहें. उन में जो गुण मौजूद है उन को वे पहचानें और उसी आधार पर उन का कैरियर बनाने में उन की मदद करें.

सलाह

इन कामो से दूर करे पेट की गैस

पेट में गैस, यह तो एक आम समस्या है जो बिना उम्र देखे किसी को भी हो जाती है। खासकर, ऐसा तब होता है जब आप कुछ गलत आदतों को अपना लेते हैं। जैसे-देर रात तक जागना, लगातर बैठे रहना या फिर गलत खान-पान आदि। इसलिए आपको सबसे पहले अपनी कुछ आदतों और अपने खान-पान पर ध्यान देना होगा कि आपको क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

जल्दबाजी में न खाएं

कई लोग ऐसे होते हैं जो खाना जल्दबाजी में खा लेते है और जल्दबाजी में खाया हुआ खाना वे अच्छे से चबा नहीं पाते। इससे खाना डाइजेस्ट होने में समय लगाता है और पेट में एसिड बनना शुरू हो जाता है, जिससे कि पेट में गैस की समस्या पैदा होने लगती हैं।

देर रात तक जागना

अगर आपकी देर रात तक जागने की आदत है । तो सबसे पहले अपनी इस आदत को बदल लें। क्योंकि देर रात तक जागने से इंड्रिहाइजेशन की प्रॉब्लम पैदा होती हैं, जिससे कि पेट में गैस बनने लगती है।

लगातार बैठे न रहे

कई बार क्या होता है कि लोग खाना खाने के बाद एक जगह टीक कर बैठे रहते हैं जिससे खाना सही तरीके से डाइजेस्ट नहीं हो पाता और फिर गैस की प्रॉबल्म बनने लगती हैं।

मीठा ना खाएं

ज्यादा मीठा खाने से भी गैस की प्रॉबल्म बनने लगती हैं। इसलिए जितना हो सके आप मीठा कम ही खाइए।

कोल्ड-ड्रिंक

कोल्ड-ड्रिंक के अंदर ज्यादा मात्रा में कार्बन डाई-ऑक्साइड बबल्स पाए जाते हैं । जो पेट के अंदर जाकर एसिड पैदा करते हैं, जिससे कि पेट में गैस की समस्या पैदा होने लगती हैं।। इसलिए बेहतर होगा कि आप कोल्ड-ड्रिंक का सेवन कम करें।

जानिए घर पर गुलाब जल बनाने की विधि

मार्केट में अच्छे ब्रांड के गुलाब जल बहुत महंगे होते है और आसानी से मिल ही जाते है लेकिन आज कल गुलाबजल में सुगंध और पानी का घोल मिला देते हैं, जिससे खरीदने वाला बेवकूफ बन जाता है। अच्छा होगा कि आप बेवकूफ न बन कर अपने घर पर खुद ही गुलाब की पंखुडियों से गुलाब जल तैयार कर लें। महंगे गुलाब जल खरीदने के बाद भी मन में एक संदेह रह जाता है की क्या यह असली है या नकली, तो सब बातों को छोडो और आज गुलाबजल बनना सीखो। हम आपको यहां पर एक आसान सा तरीका बता रहे है जिसकी सहायता से आप गुलाब जल तैयार कर सकती हैं।

आइये जानते हैं गुलाब जल बनाने का तरीका

» अच्छा होगा कि आप ताजी गुलाब की उन पंखुडियों का प्रयोग करें, जिन पर कीटनाशकों या रसायनों का छिड़काव न किया गया हो। अपने घर पर ही गुलाब उगाएं और उसका प्रयोग करें।
» सूरज उगने के दो या तीन घंटे के बाद ही गुलाब तोड़ लें।
» गुलाब की केवल पंखुडियों का प्रयोग करें न कि उसके तने और पत्तियों का।
» गुलाब को धोएं जिससे कीड़े और धूल साफ हो जाए और फिर उसे फिल्टर किये हुए पानी में डालें।
» पंखुडियों को पूरी तरह से पानी में डुबो दें और पानी को ढंक कर हल्की आंच पर चढ़ा दें।
» अब पानी को भाप बन कर उठने दें और धीरे धीरे उसे वैसे ही छोड़ दें।
» आप देखेंगी कि पंखुडियों का रंग उतर चुका है और पानी का रंग पंखुडियों का रंग ले चुका है। पंखुडियां पानी में तैरना शुरु हो जाएंगी।
» बचा हुआ पानी छान लें और उसे एक शीशी में डाल कर फ्रिज में रख दें।

आपकी नाभि में छुपा है
चेहरे की खूबसूरती का राज़

चेहरे की खूबसूरती और निखार बनाए रखने के लिए आप कॉस्मेटिक्स पर और पार्लर में जेब ढीली करती हैं। इससे जेब को चूना तो लगता ही है लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि इतना पैसा खर्च करने के बावजूद चेहरे पर निखार नहीं आता। अब जेब भी ढीली हुई..समय भी बेकार हुआ.. लेकिन हाथ कुछ नहीं लगा। लेकिन क्या हो अगर पता चले कि बिना ज्यादा खर्च किए, समय गंवाए आप चेहरे की रंगत निखार सकती हैं। जी हां, आज हम आपको ऐसा ही एक नायाब फॉर्मूला बताएंगे जो बेहद आसान और असरदार है। क्या आप जानती हैं नाभि पर तेल की बूंदें लगाकर चेहरे पर निखार पाना संभव है। सुनकर अजीब लगेगा कि चेहरे का नाभि से क्या ताल्लुक? इस फॉर्मूले को हल्के में ना लें। हमारी नाभि का सीधा संबंध हमारे चेहरे से होता है। जिस तरह हम अपने चेहरे, हाथ-पैर पर ध्यान देते हैं, ठीक उसी तरह नाभि की भी देखभाल जरूरी है... क्योंकि नाभि पर ध्यान देकर आप अपनी खूबसूरती बढ़ा सकती हैं। नाभि की देखभाल करने से आपको त्वचा से जुड़ी कई दिक्कतों से राहत मिल सकती है।

नाभि की देखभाल से आपको मिलेंगे ये ब्यूटी सीक्रेट्स

1. मुहांसों की समस्या से निपटने के लिए रात को सोने से पहले नाभि में नीम का तेल लगाएं।
2. चेहरे पर ग्लो के लिए रोज रात बादाम का तेल नाभि में लगाएं।
3. चेहरे पर पिंग्मेंटेशन की छुट्टी करने के लिए नींबू का तेल नाभि में लगाने से फायदा मिलेगा।
4. रुखी और बेजान त्वचा की परेशानी से निपटने के लिए नहाने से पहले नारियल तेल या ऑलिव ऑयल नाभि में लगाएं।
5. चेहरे पर व्हाइट स्पॉट्स मौजूद हैं तो नाभि पर नीम का तेल लगाना असरदारी होगा।
6. मुलायम त्वचा पाने के लिए नाभि पर देसी घी का इस्तेमाल करें।
7. फटे होंठों से छुटकारा पाने के लिए सरसों का तेल नाभि में लगाना लाभदायक होगा।
8. नाभि पर नारियल और जैतून का तेल हर रोज लगाने से प्रजनन शक्ति बढ़ती है।

रेसिपी

भांग पकौड़ा

सामग्री

250 ग्राम आलू, 150 ग्राम प्याज
200 ग्राम बेसन, 40 ग्राम भंग
1 टी स्पून जीरा, 1/2 टी स्पून अमचूर
1/4 टी स्पून अनार, 1 टी स्पून लाल मिर्च
1 टी स्पून नमक, 1 टेबल स्पून धनिया
200 मिलीलीटर पानी
चाट मसाला सजाने के लिए

विधि

एक बाउल में सारी सामग्री को अच्छी तरह से मिक्स करें। एक भारी कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें इस मिश्रण के पकौड़े सुनहरे ब्राउन होने तक तल लें। फिर इन्हें एक नैपकिन पेपर पर निकाल लें। चाट मसाला ऊपर से छिड़कें। गर्म-गर्म परोसें।

पनीर पॉपकोर्न

सामग्री

पनीर 200 ग्राम
नमक 1/2 टीस्पून
ओर्गेनो-1 टीस्पून
चिली फ्लेक्स 1 टीस्पून
घोल के लिए
मैदा 30 ग्राम
पानी 80 मि.ली
ब्रैड का चूरा, तेल

विधि

1. एक बाउल में पनीर,नमक,ओर्गेनो,चिली फ्लेक्स को डालकर इसे मिक्स कर लें।
2. अब दूसरा बाउल लें इसमें मैदा और पानी डालकर घोल तैयार कर लीजिए।
3. इसके बाद पनीर को मैदे के पेस्ट में डालकर निकाल लें और इसे ब्रैड के चूरे में लपेट लें।
4. एक कड़ाही में तेल गर्म करें और इसमें पनीर को तल लें।
5. इसे सॉस के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें।

कुछ क्रिएटिव हो जाए!

गर्मियों में शारीरिक गतिविधियां कम होने लगती हैं। बच्चे घर में बैठकर बोर होते हैं। आइए कुछ ऐसा इनडोर करें जिससे बाद में भी फायदा उठाया जा सके...

कॉलम- इनडोर गेम्स

न स्कूल जाने का टेंशन, न ही होमवर्क की फिक्र। बस दिनभर मस्ती और खेल। क्या ?...धूप की वजह से आप नहीं जा पाते खेलने। अरे! कोई नहीं, हम हैं तो क्या गम है। इनडोर गेम्स का ये कॉलम आप सब के लिए ही तो है। जानिए इन रोचक खेलों के बारे में जिन्हें आप घर में बैठे-बैठे खेल सकते हैं। फिर देखिए क्या है खास इस बार... !

कहानी पढ़ना आपको अच्छा लगता है न और कई विज्ञापन भी ऐसे होते होंगे, जिन्हें देखकर हंसना बंद ही नहीं होता। आप सोचते होंगे न कि ये तो कोई खास लोग ही होंगे, जो इतनी अच्छी कहानियां लिख लेते होंगे या फिर इतना मजेदार विज्ञापन बना लेते होंगे। आपको लगता होगा कि काश हममें भी ये खास हुनर होते। हो स न इनडोर गेम्स की मदद लीजिए।

कहानी बुनो

कहानी बुनना, एक अनोखी कला है। हो सकता है ये आपके भीतर हो या फिर आपके किसी दोस्त के पास ये खूबी मौजूद हो। इस खेल के जरिए आप उसकी इस खूबी का पता लगा सकते हैं।

कितने खिलाड़ी :

इस खेल के लिए कम से कम दस खिलाड़ी चाहिएं। ताकि दो टीम में बांटे जा सकें।

क्या चाहिए

पेन या पेन्सिल छोटे-छोटे कार्ड या काग़ ।

यूं खेलें इसे

अब जितने भी खिलाड़ी हैं, उनकी दो टीम बना लीजिए। अब एक टीम के सदस्य दूसरी टीम के सदस्यों को कागज के टुकड़ें देंगे और पेन्सिल पर उनसे एक शब्द लिखने को कहेंगे। अब सभी से कागज की वो पर्चियां लेकर उसी टीम के एक सदस्य को बुलाकर उस देंगे। पर्चियों पर लिखे शब्दों को एक कहानी में पिरोने के लिए कहें। कहानी को गढ़ने के लिए एक मिनट का समय दें और सुनाने के लिए दो मिनट का। यही प्रक्रिया दूसरी टीम के सदस्य भी करें। जिस टीम की कहानी सबसे ज्यादा मजेदार होगी, वो टीम इस खेल की विजेता होगी। बुन लीजिए, अपनी कहानी भी।

एड गुरु बनते हैं!

किसी को अपनी बात समझाने में आप कितने माहिर हैं, ये परखने के लिए इस खेल से बेहतर और कुछ भी नहीं। आइए जानते हैं कैसे खेलें इसे।

कितने खिलाड़ी

इस खेल को खेलने के लिए आठ से दस खिलाड़ियों की आवश्यकता होगी।

क्या चाहिए : दो बैग

कुछ समान, जैसे- पेन्सिल, पेन, रबर, हेयर क्लिप...आदि।(घर में ऐसे सामान जो आसानी से मिल जाते हैं और जिन्हें उस बैग में रखा जा सकता है।)

यूं खेलें

इस खेल में शामिल खिलाड़ियों की दो टीम बना लीजिए। समान से भरे बैग भी दोनों टीम में एक-एक दे दीजिए। पहली टीम दूसरी को अपने पास रखे बैग में से एक समान निकाल देगी। दूसरी टीम को मिले समान को बतौर उत्पाद लेना है। इस उत्पाद के लिए मजेदार विज्ञापन तैयार कीजिए। सभी टीम से एक-एक सदस्य को बुलाइए और उसके द्वारा तैयार किए विज्ञापन को सुनाने के लिए कहिए।

अगर आपके पास वीडियोकैम है तो इसे रिकॉर्ड भी कर सकते हैं। इस विज्ञापन के लिए एक समय सीमा भी निर्धारित कीजिए। आप इसके लिए हर खिलाड़ी को 10-15 मिनट का समय दे सकते हैं। अब जिस भी टीम के सबसे ज्यादा खिलाड़ियों ने अच्छे विज्ञापन बनाए हैं, वो होगी विजेता।

उड़ जाए ये पंख

कभी कागज का कोई टुकड़ा फूंक मार कर उड़ाया है। बस यही तो करना है इसमें, पर कागज की जगह है यहां एक पंख।

कितने खिलाड़ी

इसमें चार से पांच खिलाड़ियों की आवश्यकता होगी।

क्या चाहिए : जितने खिलाड़ी उतने पंख।

यूं खेलें : इस खेल में शामिल सभी खिलाड़ियों को एक-एक पंख दें। अब एक खिलाड़ी को बोले कि अपनी फूंक के सहारे पंख को हवा में ही रखे। पांच मिनट पंख को हवा में रखने वाला खिलाड़ी विजेता होगा, वहीं अगर एक स्थान से दूसरे स्थान पर यानी एक कमरे से दूसरे कमरे तक ले जाने वाले खिलाड़ी को अतिरिक्त अंक मिलेंगे। है न एक्साइटिंग। तो कीजिए मौज ही मौज में सीखने की तैयारी...

कविता

रसीले आम

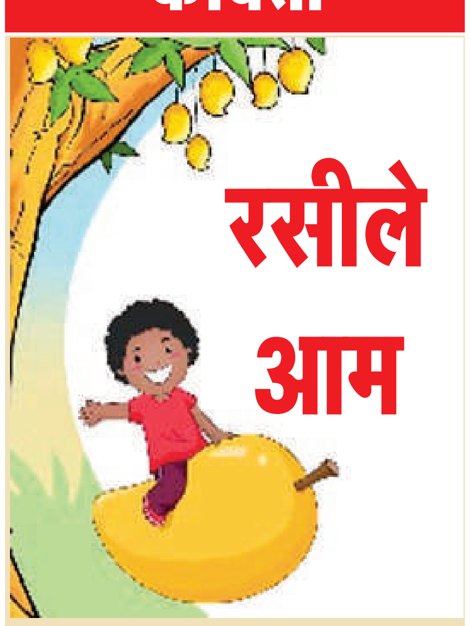

भाते हमें रसीले आम।
लम्बे, गोल, गठीले आम।

फजली, नीलम, कलमी, हापुस,
तोतापरी, दशहरी, लंगड़ा।
कोई भी कम नहीं किसी से,
डाल-डाल पर करते भंगड़ा।

कहीं छिपे शर्मीले आम।
भाते हमें रसीले आम।

केसरिया कपड़ों में कोई,
कोई हरा-हरा अलबेला।
गाल किसी के लाल टमाटर,
कोई पीला छैल-छबीला।

कैसे रंग-रंगीले आम।
भाते हमें रसीले आम।

ऊधम करते अमराई में,
सब्जीमंडी में मुस्काते।
अलग-अलग ढेरों में बैठे,
सबको अपने पास बुलाते।

खुशबूदार सजीले आम,
भाते हमें रसीले आम।

इनको खाते पप्पू-गप्पू,
सलमा-सीता, दादा-नानी।
एक नजर से जो भी देखे,
उसके मुंह में आए पानी।

आओ हम भी छीलें आम,
भाते हमें रसीले आम।

जैसे को तैसा

दीनू ने धीनू को दस हजार रुपए लौटाए, पर धीनू ने दीनू से एक लाख रुपयों की मांग कर दी। दस हजार कैसे बन गए एक लाख? है न आश्चर्य की बात! ...तो क्या मिले धीनू को एक लाख रुपए?

दीनू और धीनू दो भाई थे। दीनू बड़ा ही सज्जन और ईमानदार था। वहीं उसका बड़ा भाई, धीनू चालाक और मक्कार किस्म का था।

पुस्तैनी जमीन को बेचकर कुछ रुपए आए, जिन्हें दोनों भाइयों ने आपस में बांट लिए। धीनू ने अपने पैसे कुछ दिनों में उड़ा दिए, पर दीनू ने अपने हिस्से की रक़म संभाल ली।

साल भर बाद दीनू ने उन पैसों को निकालकर गिना और हिसाब लगाया, तो समझ में आया कि हिसाब के मुताबिक दस हजार धीनू के भी उसके पास हैं। दीनू उन पैसों को लौटाने धीनू के पास गया और बोला, 'भइया, यह पैसे आपके हैं, जो गलती से मेरे पास रह गए थे।'

रुपए देखकर धीनू खुश हो गया। पर वह लालची जो ठहरा, तपाक से बोला, 'तूने इन्हें देने में इतनी देर लगाई। अब तक इस पर मुझे बीस प्रतिशत ब्याज मिल जाता। मेरे नुकसान की भरपाई कौन करेगा?' दीनू ने कहा, 'ठीक है भइया, आपको शाम को मैं दो हजार रुपए दे जाऊंगा।' पर धीनू के मन में लालच घर कर गया था।

इसलिए और भी फायदा लेने के लिए उसने धीनू को रोका और कहा, 'अगर मैं इसे व्यापार में लगाता, तो दस ह ाार का मुनाफा होता।' दीनू बेचारा कुछ समझ ही नहीं पा रहा था, उसने लाचार होते हुए कहा, 'ठीक है भइया, मैं शाम को दस हजार रुपए आपको दे जाऊंगा।' धीनू ने पलटते हुए कहा, 'अरे, इसे मैं लॉटरी में लगाता, तो लखपति हो जाता।'

दीनू की आंखों के सामने अंधेरा छा गया और वह बोला, 'भइया इतने रुपए कहां से लाऊं? मुझे माफ कर दो, आगे से ऐसी गलती नहीं होगी।' शैतान धीनू नहीं माना,'मैं नहीं जानता, तुमको इतने तो देने ही होंगे।' दीनू रोते घर गया और अपनी पत्नी को सारी बात बताई। पत्नी ने सारा मामला पंचायत में रखने का फैसला किया। दूसरे दिन पंचायत बैठी और सारा किस्सा दीनू ने पंचायत के सामने रखा।

सरपंच ने गांव वालों से पूछा, 'क्या कोई बता सकता है कि धीनू ने अपने पैसे कभी लॉटरी में लगाए हैं?' एक बुजुर्ग ने कहा, 'नहीं, वो सिर्फ जुआ ही खेलता है।' सरपंच ने धीनू से कहा, 'अब बताओ, कैसे मानें कि तुम पैसे लॉटरी में लगाते? इसलिए तुम्हारा दावा गलत है।' धीनू ने कहा, 'ठीक है। पर मैं इन रुपयों को व्यापार में जरूर लगाता।'

यह सुनकर दूसरे बुजुर्ग बोले, 'धीनू तो निठल्ला है, यहां-वहां फिरता है, इसे व्यापार के बारे में क्या मालूम है?'

अब सरपंच ने धीनू की ओर देख कर कहा, 'तुम्हें तो व्यापार भी नहीं आता, तो मुनाफा कैसा?'

अब धीनू ने कहा, 'पर मैंने इन्हें ब्याज पर दिए ही होते।'

तब सरपंच ने सबसे पूछा, 'क्या धीनू ने किसी को ब्याज पर पैसे दिए हैं?'

गांव वाले एक दूसरे का मुंह ताकने लगे, तभी एक बुजुर्ग उठ खड़े हुए और बोले, 'अपने खर्चे पूरे होते नहीं, किसी और को क्या देगा?' सरपंच बोले, 'सुना तुमने धीनू।' धीनू वहां से जाने लगा। तभी सरपंच ने उसे रोकते हुए कहा, 'बात अभी खत्म नहीं हुई।' धीनू बोला, 'अब क्या बाकी है?'

'सारा गांव जानता है कि तुम गलत आदतों में फंसे हुए हो। वह पैसे यदि दीनू ने तुम्हें पहले दे दिए होते, तो तुमने कब के उड़ा दिए होते। अब तक उसने तुम्हें पैसे न देकर, तुम्हारे धन की सुरक्षा की है। इसका मतलब यह है कि उसे 'धन्यवाद' दोगे तुम्हारे धन की रक्षा करने के लिए।' धीनू ने बड़े भारी मन से दीनू को 'धन्यवाद' कहा और जाने लगा। फिर सरपंच ने उसे टोका और कहा, 'रुको! अभी अंतिम न्याय बाकी है।' अबकी बार धीनू झल्ला ही उठा, 'अब और क्या बच गया है?' सरपंच ने कहा, 'यदि उन दस हजार रुपयों की तुम शराब पीते तो निश्चित ही कोई न कोई बीमारी होती ही। जिसके इला ा में दस हजार खर्च हो जाते। इसलिए वह पैसे जो दीनू ने तुम्हें दिए हैं, उसे वापस कर दो।'

पंचायत के फैसले के आगे झुकने के सिवा धीनू के पास और कोई चारा नहीं था। उसने दीनू को पैसे लौटाए। दीनू ने बड़ी उदारता से उन पैसों को वापस करते हुए कहा, 'भइया यह तो आपके ही हैं और आप ही इन्हें रखिए।' धीनू की आंखें भर आईं। उसने दीनू को गले से लगा लिया। पंचायत तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठी।

विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप : डुप्लांटिस ने करालिस को पछाड़कर पोल वाल्ट का खिताब जीता

बुडापेस्ट

विश्व और ओलंपिक चैंपियन आर्मंड मोंडो डुप्लांटिस ने विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए पोल वाल्ट का खिताब अपने नाम किया। डुप्लांटिस ने 6.20 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर ग्रीस के अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी इमैनुअल करालिस को पीछे छोड़ा।

अमेरिका में जन्मे स्वीडिश खिलाड़ी डुप्लांटिस चोट की चिंता के बीच हंगरी पहुंचे थे। पैर में खिंचाव दोबारा उभरने के बाद उन्होंने एहतियात के तौर पर ब्रसेल्स डायमंड लीग फाइनल से नाम वापस ले लिया था। उनकी अनुपस्थिति में करालिस ने वहां खिताब जीता था, लेकिन बुडापेस्ट में डुप्लांटिस ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम किया।

डुप्लांटिस और करालिस ने 5.60 मीटर की ऊंचाई से शुरुआत की और दोनों ने इसे आसानी से पार किया। डुप्लांटिस ने 5.80 मीटर को छोड़ दिया, जबकि करालिस ने यह ऊंचाई पार कर ली। इसके बाद 5.95 मीटर की ऊंचाई भी डुप्लांटिस, करालिस, नार्वे के सोंद्रे गुट्टोर्मसेन, आस्ट्रेलिया के कर्टिस मार्शल और अमेरिका के जैकेरी ब्रैडफोर्ड ने पार की।

डुप्लांटिस 6.05 मीटर पार करने वाले पहले खिलाड़ी बने, लेकिन करालिस ने तीसरे प्रयास में इस ऊंचाई को पार कर मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा। इसके बाद 6.15 मीटर की ऊंचाई पर करालिस ने पहले प्रयास में सफलता हासिल कर डुप्लांटिस पर दबाव बनाया। हालांकि स्वीडिश खिलाड़ी ने भी इसे पार कर लिया।

इसके बाद बार को 6.20 मीटर तक बढ़ाया गया। करालिस इस ऊंचाई को पार नहीं कर सके, जबकि डुप्लांटिस ने इसे सफलतापूर्वक पार कर खिताब अपने नाम कर लिया। करालिस ने 6.20 मीटर को छोड़ दिया और 6.25 मीटर पर प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं रहे।

डुप्लांटिस ने इसके बाद 6.32 मीटर की ऊंचाई पर तीन प्रयास किए, लेकिन तीनों में असफल रहे। यह ऊंचाई पार करने पर वह अपना ही विश्व रिकार्ड एक सेंटीमीटर बेहतर कर सकते थे। उन्होंने इस सत्र में अपना विश्व रिकार्ड 6.31 मीटर तक पहुंचाया है।

खिताबी जीत के बाद डुप्लांटिस ने कहा, यह शानदार था। मुझे बुडापेस्ट में प्रतिस्पर्धा करना बहुत पसंद है। पूरा शो शानदार था। मुकाबला बहुत मजेदार रहा। थोड़ी ठंड थी, लेकिन मैंने इसका भरपूर आनंद लिया। आप सभी ने जो ऊर्जा दी, उसके लिए धन्यवाद। यह हम सभी के लिए लंबा सत्र रहा है। बुडापेस्ट के 20 हजार दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में डुप्लांटिस ने एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता साबित की।

न्यूज ब्रीफ

डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिपः भक्ति शर्मा ने 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता कांस्य, जूनियर विश्व रिकार्ड भी बनाया

चांगवोन। भारत की भक्ति शर्मा ने डब्ल्यूएसपीएस विश्व चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 स्पर्धा के फाइनल में 213.1 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। ईरान की नासरीन शाही समाखौन ने भक्ति को पीछे छोड़कर रजत पदक हासिल किया, जबकि उनकी हमवतन फैजेह अहमदी ने 238.3 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। फाइनल में भारत की एक अन्य निशानेबाज सृष्टि अरोड़ा भी शामिल थीं, जिन्होंने पांचवां स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालीफिकेशन में भक्ति छठे स्थान पर रही थीं और सृष्टि से एक स्थान पीछे थीं। हालांकि, 565 अंक के स्कोर के साथ उन्होंने नया जूनियर विश्व रिकार्ड कायम किया। सृष्टि ने क्वालीफिकेशन में 566 अंक हासिल किए। भारत की सुमेधा पाठक केवल एक अंक से शीर्ष आठ में जगह बनाने से चूक गईं। वहीं, 2024 पैरालंपिक की कांस्य पदक विजेता रुबीना फ्रांसिस 554 अंक के साथ 18वें स्थान पर रहीं। भारत ने टीम स्पर्धा में भी रजत पदक जीता। सृष्टि, भक्ति और सुमेधा के तीन सर्वश्रेष्ठ स्कोर के संयुक्त 1690 अंक भारत के खाते में रहे।

महिला एशिया कपः श्रीलंका ने पाकिस्तान को चार विकेट से हराया, फाइनल में भारत से होगी भिड़ंत

दुबई। श्रीलंका ने दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए 2026 महिला एशिया कप के दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को चार विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ गत चैंपियन श्रीलंका ने अपने खिताब के बचाव की उम्मीद कायम रखी और अब फाइनल में उसका सामना भारत से होगा। श्रीलंका और भारत के बीच फाइनल मुकाबला 2024 के खिताबी मुकाबले की पुनरावृत्ति होगा। पिछले संस्करण में श्रीलंका ने भारत को हराकर पहली बार महिला एशिया कप का खिताब जीता था। 131 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पारी की नींव हर्षिता समरविक्रमा और कविशा दिलहारी ने 69 रन की साझेदारी कर रखी। हर्षिता ने 31 गेंदों पर 36 रन, जबकि कविशा ने 33 गेंदों पर 33 रन बनाए। इसके बाद नीलाक्षी डी सिल्वा (नाबाद 18) और कौशानी नुथ्यांगना (नाबाद 10) ने अंत तक टिककर टीम को जीत दिलाई। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट लिए और एक समय अपनी टीम को मुकाबले में वापस ला दिया। हालांकि, श्रीलंका ने आठ गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। इससे पहले फातिमा सना ने बल्ले से भी अहम योगदान दिया। उन्होंने नाबाद 47 रन की पारी खेलकर पाकिस्तान को 20 ओवर में पांच विकेट पर 130 रन तक पहुंचाया। हालांकि, पाकिस्तान का यह स्कोर श्रीलंका को रोकने के लिए पर्याप्त साबित नहीं हुआ। फातिमा को उनके शानदार आलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

फिन एलन बीबीएल में सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बने

सिडनी। न्यूजीलैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज फिन एलन को आस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेटट लीग (बीबीएल) में टीम मेलबर्न स्टार्स ने सबसे महंगे दामों में खरीदा है। इससे अब एलन का लक्ष्य अपनी ओर से सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन कर क्लब के फैसले को सही करार देना होगा। मेलबर्न स्टार्स ने फिन के साथ ही तीन साल का एक अनुबंध किया है। 27 वर्षीय इस आक्रामक बल्लेबाज को पहले साल के लिए 600,000 आस्ट्रेलियन डालर (लगभग 4 करोड़ 10 लाख रुपये) दिये जाएंगे। ये बीबीएल में किसी विदेशी खिलाड़ी को मिलने वाली सबसे अधिक रकम है। एलन को इतनी रकम इसलिए मिली क्योंकि उनकी लोकप्रियता बढ़ती रही है। पिछले सत्र में उन्होंने पर्थ स्कार्चर्स को खिताब जीत दिलायी थी। वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। फिन एलन दुनिया भर की फ्रेंचाइजी लीग में सबसे पसंदीदा पावर-हिटर्स में से एक हैं। बीबीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद, उन्होंने टी20 प्रारूप में कई प्रभावशाली पारियां खेली हैं, जिनमें कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए एक आईपीएल शतक भी शामिल है, जिसने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनकी विध्वंसक क्षमता को साबित किया है। उनकी यह क्षमता ही उन्हें दुनिया भर की टी-20 लीगों में एक बहुमूल्य संपत्ति बनाती है। एलन पिछले दो मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) सत्र से सैन फ्रांसिस्को यूनिकार्न्स के लिए खेल रहे थे, यह टीम क्रिकेट विक्टोरिया के हाई-परफारमेंस डिपार्टमेंट द्वारा चलाई जाती है।

जिला रैंकिंग टेबल टेनिस : अनिका की खिताबी हैट्रिक, आराध्या-मृदुल की भी दोहरी चुनौती

इंदौर

यशवंत क्लब में चल रही चतुर्थ इंदौर जिला रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा में अनिका माहेश्वरी ने दो दिन में तीन खिताब जीतकर अपना दबदबा कायम किया। अंडर-11 और अंडर-13 की चैंपियन बनीं अनिका ने अंडर-15 का खिताब भी अपने नाम किया। बालक अंडर-15 में रक्षत चावड़ा, बालिका अंडर-17 में आराध्या राजपूत और बालक अंडर-17 में मृदुल जोशी भी चैंपियन बने। आराध्या और मृदुल ने अंडर-17 का खिताब जीतने के बाद अंडर-19 के सेमीफाइनल में भी जगह बनाई।

बालिका अंडर-15 के फाइनल में अनिका ने सानवी सिंघल को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। सेमीफाइनल में अनिका ने नेहल नाहर को 3-0 और सानवी ने आरवी जैन को 3-0 से शिकस्त दी। बालक अंडर-15 के फाइनल में रक्षत चावड़ा ने पूणयांश जैन को 3-1 से पराजित किया। रक्षत ने सेमीफाइनल में अर्णव शेलगांवकर को 3-2 और पूणयांश ने दक्ष माहेश्वरी को 3-2 से हराया।

अंडर-17 में आराध्या-मृदुल चैंपियन - बालिका अंडर-17 के फाइनल में आराध्या राजपूत ने रीत इंगले को 3-0 से हराकर खिताब जीता। सेमीफाइनल में आराध्या ने अनिका माहेश्वरी को 3-0 से पराजित किया था। बालक अंडर-17 के फाइनल में मृदुल जोशी ने मित मिमरोट को 3-0 से शिकस्त दी। सेमीफाइनल में मृदुल ने पूणयांश जैन को 3-0 से हराया।

अंडर-19 में भी आराध्या-मृदुल अंतिम चार में - बालक अंडर-19 में मृदुल जोशी, अबु बकर, अभी जैन और अर्थव जैन ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। मृदुल ने क्वार्टर फाइनल में द्वियुमानी दत्ता को 3-1 से हराया। बालिका अंडर-19 में आराध्या राजपूत, आराना उपाध्याय, भाग्यश्री दवे और हिया पटेल अंतिम चार में पहुंचीं। आराध्या ने क्वार्टर फाइनल में सिद्धी भदोरिया को 3-0 से शिकस्त दी।

महिला वर्ग में अनिका की खिताबी चुनौती थमी - महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल में आराध्या राजपूत ने आद्या पारासर को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भाग्यश्री दवे ने भूतिका साहुकार को 3-0, आराना उपाध्याय ने आरवी जैन को 3-1 और हिया पटेल ने अनिका माहेश्वरी को 3-2 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

नेहरा अभी गुजरात टाइटंस में ही रहेंगे

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर और गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा ने कहा है कि अभी वह आईपीएल में ही रहेंगे। नेहरा के अनुसार अगर भविष्य में उन्हें भारतीय टीम का कोच बनने का प्रस्ताव मिला तो वह उसपर विचार करेंगे। नेहरा के इस बयान से साफ है कि उनका पूरा ध्यान इस समय गुजरात टाइटंस के साथ अपनी मौजूदा भूमिका पर केंद्रित है। हालांकि, नेहरा ने यह भी बताया कि अगर भविष्य में उन्हें भारतीय टीम को कोचिंग देने का प्रस्ताव मिलता है, तो वह इस फैसले पर परिवार से बात कर ही विचार करेंगे। इसकी सबसे बड़ी वजह राष्ट्रीय टीम के कोच की व्यस्तता और लगातार यात्रा करना है। नेहरा के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कोच की भूमिका के लिए आठ से नौ महीने तक देश से बाहर यात्रा करनी पड़ सकती है। उन्होंने संकेत दिया कि इस तरह की बड़ी जिम्मेदारी लेने से पहले वह परिवार के साथ इसकी व्यावहारिकता पर विचार-विमर्श करेंगे। उन्होंने स्वीकार किया कि अंतरराष्ट्रीय कोचिंग में काफी यात्रा और कई प्रकार की चुनौतियां शामिल होती हैं। हरा ने आईपीएल में बतौर कोच अपनी एक मजबूत पहचान स्थापित की है। गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच बनने के बाद उन्होंने टीम को पहले सत्र में ही विजेता बना दिया। 2022 में ही आईपीएल चैंपियन बनाया। इसके अगले सत्र में टीम उपविजेता रही। इस तरह नेहरा ने बतौर कोच अपने शुरुआती वर्षों में ही आईपीएल में अपनी रणनीतिक क्षमता और नेतृत्व कौशल को सिद्ध कर दिया है। नेहरा भारतीय क्रिकेट टीम के लिए लंबे समय तक एक प्रभावी तेज गेंदबाज की भूमिका निभा चुके हैं। वह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थे, जिसने 2003 वनडे विश्व कप में उपविजेता के रूप में अपना अभियान समाप्त किया था। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कोचिंग में कदम रखा और गुजरात टाइटंस के साथ उनकी सफलता ने उन्हें आईपीएल के सबसे प्रमुख और सम्मानित कोचों में शामिल कर दिया है। उनके इन बयानों से फिलहाल यही निष्कर्ष निकलता है कि वह राष्ट्रीय टीम की कोचिंग को लेकर कोई सक्रिय योजना नहीं बना रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह गुजरात टाइटंस के साथ अपनी मौजूदा भूमिका में संतुष्ट और खुश हैं, पर अगर भविष्य में यदि टीम इंडिया की कोचिंग का कोई प्रस्ताव उनके सामने आता है, तो वह इसे सम्मान के साथ स्वीकार करने की संभावना पर परिवार के साथ विचार करेंगे।

यूएस ओपन

सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने जीता महिला युगल का खिताब

न्यूयार्क

शीर्ष वरीयता प्राप्त कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड ने अमेरिकी वाइल्ड कार्ड जोड़ी एशलिन क्रूगर और राबिन मोंटगोमरी को हराकर यूएस ओपन महिला युगल खिताब जीत लिया। सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने फाइनल में 5-7, 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की और इसके साथ ही टीम के रूप में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया।

इस जीत के साथ सिनियाकोवा के ग्रैंड स्लैम महिला युगल खिताबों की संख्या 12 हो गई। वह दो अलग-अलग खिलाड़ियों के साथ करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने इससे पहले अपनी हमवतन बारबोरा क्रेजिकोवा के साथ यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं, टाउनसेंड महिला युगल में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाली मौजूदा खिलाड़ियों में छठी खिलाड़ी बन गईं। सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने 2024 में विंबलडन, 2025 में आस्ट्रेलियन ओपन और इस साल फ्रेंच ओपन का महिला युगल खिताब भी जीता था। फाइनल में सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने धीमी शुरुआत की और पहला सेट 5-7 से गंवा दिया। हालांकि दूसरे सेट में दोनों ने शानदार वापसी की। शुरुआती गेम में 40-30 से पिछड़ने के बाद उन्होंने अगले 27 में से 23 अंक जीतकर दूसरा सेट 6-0 से अपने नाम किया और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया।

निर्णायक सेट में शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने शुरुआती ब्रेक हासिल किया और सिनियाकोवा ने अपनी सर्विस बिना कोई अंक गंवाए बरकरार रखते हुए 3-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद टाउनसेंड ने भी चार अंकों वाला सर्विस गेम जीतकर बढ़त 4-2 कर दी। अंततः दोनों ने निर्णायक सेट 6-2 से जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। पहले सेट में सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने लगातार 13 अंक जीतकर स्कोर 4-4 कर दिया था। इसके बाद सिनियाकोवा ने टाईब्रेक की ओर बढ़ने के प्रयास में सर्विस करते हुए तीन डबल फाल्ट किए, जिसमें सेट प्वाइंट पर किया गया डबल फाल्ट भी शामिल था। ट्राफी समारोह में सिनियाकोवा ने कहा, बहुत नर्वस थी, कई फाइनल खेले हैं, लेकिन अंत में हम इसे हासिल करने में सफल रहे।

प्रीमियर लीग फुटबाल में होगी पेड्रो की असली परीक्षा

लंदन। ब्राजील के स्टार फारवर्ड जोआओ पेड्रो साल 2034 तक चेल्सी में ही रहेंगे। ऐसे में उनका लक्ष्य अब क्लब को अधिक से अधिक सफलता दिलाना है। उनकी असली परीक्षा 13 सितंबर से शुरु हो रही प्रीमियर लीग फुटबाल में होगी। इसमें देखना होगा कि पेड्रो चेल्सी के लिए कितने फायदेमंद होते हैं। इस फारवर्ड ने जुलाई 2025 में ब्राइटन एंड होव एल्बियन को छोड़कर चेल्सी में प्रवेश किया था। उन्होंने क्लब को फीफा क्लब विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। पेड्रो ने सेमीफाइनल में अपने पूर्व क्लब फ्लुमिनेंस के खिलाफ दो शानदार गोल किए थे और फिर पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के खिलाफ हुए फाइनल में भी गोल किया था। चेल्सी में अपने पहले पूरे सत्र में पेड्रो ने अपनी शानदार फार्म जारी रखी। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में कुल 20 गोल किये, जिसके चलते उन्हें समर्थकों द्वारा क्लब का प्लेयर आफ द सत्र चुना गया। उन्होंने 2025/26 सत्र में चेल्सी का पहला गोल वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ एक अवे गेम में किया था। इसके बाद उन्होंने टोटेनहम हाटस्पर के खिलाफ भी जीत दर्ज की थी।

यूएस ओपन : बेन शेल्टन ने टियाफोए को हराकर पहली बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में बनाई जगह

न्यूयार्क

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन ने हमवतन फ्रांसेस टियाफोए को चार सेटों में हराकर यूएस ओपन 2026 के फाइनल में जगह बना ली। आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल में 4-6, 6-3, 6-3, 7-5 से जीत दर्ज की। यह उनके करियर का पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल होगा। 23 वर्षीय शेल्टन ने मुकाबले में 20 ऐस लगाए और अब खिताबी मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव का सामना करेंगे। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह आल-अमेरिकन सेमीफाइनल था और दोनों पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। शेल्टन ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

टियाफोए ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। उन्होंने 4-5 के स्कोर पर शेल्टन की डबल फाल्ट का फायदा उठाकर सर्विस ब्रेक हासिल किया और फिर अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया।

हालांकि, दूसरे सेट में शेल्टन ने जोरदार वापसी की। शुरुआती ब्रेक के साथ उन्होंने 2-0 की बढ़त बनाई, लेकिन टियाफोए ने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर 2-2 कर दिया। टियाफोए की सर्विस में लगातार आती अस्थिरता का शेल्टन ने फायदा उठाया और आठवें गेम में फिर ब्रेक हासिल कर सेट 6-3 से जीत लिया।

तीसरे सेट में भी शेल्टन का दबदबा कायम रहा। उन्होंने पांचवें गेम में सर्विस ब्रेक हासिल कर 3-2 की बढ़त बनाई। टियाफोए ने नौवें गेम में तीन

ब्रेक और सेट प्वाइंट बचाकर मुकाबला लंबा खींचने की कोशिश की, लेकिन शेल्टन ने अगली बार मौके का फायदा उठाते हुए टियाफोए की दूसरी सर्विस पर शानदार बैकहैंड रिटर्न लगाया। टियाफोए के फोरहैंड नेट में जाने के साथ शेल्टन ने सेट 6-3 से जीत लिया।

चौथे सेट में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी सर्विस बरकरार रखी और मुकाबला निर्णायक मोड़ तक पहुंचा। 12वें गेम में शेल्टन ने अहम सर्विस ब्रेक हासिल कर सेट 7-5 से अपने नाम किया और पहली बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में प्रवेश कर लिया।

शेल्टन की एक सर्विस की शुरुआती गति 158 मील प्रति घंटा दर्ज की गई थी, जिसे बाद में संशोधित कर 144 मील प्रति घंटा किया गया। अब उनके पास 2003 में एंडी रोडिक के यूएस ओपन जीतने के बाद ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले पहले अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी बनने का मौका है।

अभिषेक को रैना ने लाल गेंद क्रिकेट खेलने की सलाह दी

नई दिल्ली

भारतीय टी20 टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से अपनी लय में नहीं दिखे हैं। उनकी बल्लेबाजी की जो चमक शुरुआत में नजर आयी थी वह अब नहीं दिख रही। निरंतरता की कमी से वे रैंकिंग में भी तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। इसी को देखते हुए पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने अभिषेक को समय मिलने पर लाल गेंद क्रिकेट खेलने की सलाह दी है।

गौरतलब है कि अभिषेक ने अपने करियर में कुल 206 टी20 मैचों में 32.40 की औसत से 5995 रन बनाए हैं, लेकिन जब बात प्रथम श्रेणी क्रिकेट की आती है, तो उनके आंकड़े उतने प्रभावशाली नहीं हैं। उन्होंने अपना आखिरी फर्स्ट-क्लास मैच 2024 में खेला था और अब तक खेले केवल 24 मैचों में एक शतक और पांच अर्धशतक सहित 30.60 की

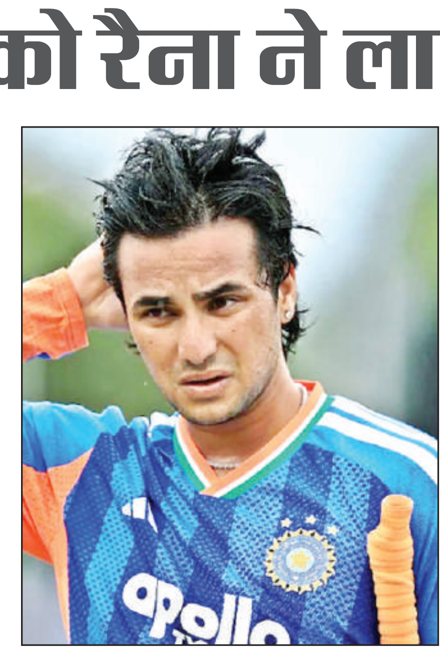

औसत से 1071 रन ही बना सके हैं। ये बल्लेबाज पिछले डेढ़ साल से लाल गेंद के क्रिकेट से दूर रहा है, ऐसे में रैना की टेस्ट क्रिकेट खेलने की सलाह कई सवाल खड़े करती है।

एक शो में रैना ने कहा कि क्रिकेट की मांग बदल गई है और अब अलग-अलग प्रारूपों के लिए अलग-अलग टीमें बनाई जा रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या आज की पीढ़ी टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए तैयार है, क्योंकि इसके लिए कड़ी मेहनत और समर्पण की आवश्यकता होती है। रैना ने सीधे तौर पर कहा, मुझे लगता है कि अभिषेक को टेस्ट खेलना चाहिए। उन्होंने कोचों द्वारा प्रतिभाओं को निखारने और मार्गदर्शन देने की भूमिका पर भी जोर दिया, साथ ही मानव सुथार जैसे युवा खिलाड़ियों का भी जिक्र किया कि क्या वे अगले रवींद्र जडेजा बन सकते हैं और तीनों प्रारूपों में खेलने के लिए तैयार हैं।

13 सितंबर को एंजो फर्नांडीज मैनचेस्टर सिटी की ओर से प्रीमियर लीग में उतरेंगे

लंदन। अर्जेंटीनी मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज अब इंग्लैंड के फुटबाल क्लब मैनचेस्टर सिटी की ओर से प्रीमियर लीग फुटबाल में बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। फर्नांडीज को हाल ही में मैनचेस्टर सिटी ने अनुबंधित किया है1 वह आगामी 13 सितंबर को होने वाले मुकाबले में मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ उतरेंगे। इस मुकाबले को लेकर वह उत्साहित हैं। चेल्सी से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए फर्नांडीज ने कहा कि वह अपने नए क्लब में बेहद खुश हैं और उसे अच्छी शुरुआत चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वह टीम को बड़ी सफलता दिलाने में सहायता करने के लिए पूरे प्रयास करेंगे। फर्नांडीज ने कहा, इस क्लब में आकर मुझे बेहद खुशी हुई है। साथ ही कहा कि मैंने हमेशा मैनचेस्टर सिटी जैसे बड़े क्लब में जाने की इच्छा रखी थी जो सफल हुई है। इसलिए मैं इस अवसर के लिए आभारी हू। मेरे और मेरे परिवार के लिए यह बहुत भावुक पल है कि मैं 25 साल की उम्र में अपने फुटबाल करियर में यह कदम उठा रहा हूं, जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था। इस खिलाड़ी ने कहा कि सिटी में उनका आना करियर का एक बड़ा कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रीमियर लीग में उनके पिछले अनुभव ने उन्हें शीर्ष स्तर पर खेलने की चुनौतियों के लिए तैयार किया है। फर्नांडीज ने साझा किया, मुझे अर्जेंटीना फुटबाल और पुर्तगाल में कई अनुभव मिले हैं, और अब मैं प्रीमियर लीग में आ रहा हूं। अपने पिछले अनुभवों का प्रयोग में यहां करुंगा। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने मैनचेस्टर सिटी में नंबर 17 की जर्सी पहनने के अपने फैसले का कारण भी बताया। उन्होंने बताया कि उनकी गहरी आस्था और आध्यात्मिक प्रेरणा के कारण वह इस नंबर की जर्सी पहनते हैं।

बीमा व्यवसाय में सहानुभूति को मुख्य विषय बनाना होगा: अजय सेठ

आईआईआरएम ने पीजीडीएम बैच 2024–26 का दीक्षांत समारोह मनाया

हैदराबाद, 12 सितंबर 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंस्टिट्यूट ऑफ इंश्योरेंस एंड रिस्क मैनेजमेंट (आईआईआरएम)जो भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) तथा तेलंगाना सरकार की एक संयुक्त पहल हैने पीजीडीएम बैच 2024–26 के लिए शेरेटन होटल, गाचीबोवली में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। समारोह में स्नातक होने वाले विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का जश्न मनाया गया।

मुख्य अतिथि एवं भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अजय सेठ ने स्नातक होने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और भारत के बीमा एवं जोखिम प्रबंधन क्षेत्र में बढ़ते करियर अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते उद्योग में पेशेवरों की सफलता के लिए ईमानदारी, तकनीक, नवाचार और निरंतर सीखना महत्वपूर्ण होगा।

बीमा के मानवीय पहलू पर प्रकाश डालते हुए श्री अजय सेठ ने कहा कि बीमा पारिस्थितिकी तंत्र में सहानुभूति को केंद्र में रखना होगा। यह सभी के लिए बीमा के लक्ष्य को प्राप्त करने और ङ्गविकसित भारतफ के विजन में योगदान देने के लिए आवश्यक होगा।

आईआईआईटी हैदराबाद के निदेशक और विशिष्ट अतिथि प्रो. संदीप कुमार शुक्ला ने स्नातक होने वाले विद्यार्थियों को अंतर–विषयक शिक्षा, तकनीकी प्रगति और जीवनभर नए कौशल सीखने को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

तकनीक और मानवीय क्षमताओं के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उपकरणों और तकनीक के साथ मानवीय समझ का होना भी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, तकनीक का लाभ उठाएं, लेकिन मानवीय समझ को न छोड़ें।

दीक्षांत समारोह में आईआरडीएआई, बीमा उद्योग, शिक्षा जगत, अतनु के. दास, डॉ. माधवी तथा अन्य संगठनों के गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिनिधियों के साथ–साथ संकाय सदस्य, विद्यार्थी और उनके परिवार शामिल हुए।

गणमान्य व्यक्तियों ने स्नातक होने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। वहीं, विशेष पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को योग्यता प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

समारोह ने भारत के विकसित हो रहे बीमा और जोखिम प्रबंधन पारिस्थितिकी तंत्र के लिए नैतिक, तकनीकी रूप से सक्षम और उद्योग के लिए तैयार पेशेवर तैयार करने की आईआईआरएम की प्रतिबद्धता को दोहराया।

जैविक कृषि से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटाने और आर्थिक बचत का आह्वान

हैदराबाद, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो):

कृषि जैविक उत्पादों (एग्रीकल्चरल बायोलॉजिक्स) के लिए समर्पित दुनिया की सबसे पुरानी ट्रेड बॉडी मबायो–एग्री इनपुट प्रोड्यूसर्स एसोसिएशनफने जैविक इनपुट्स के वैज्ञानिक एकीकरण के माध्यम से रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग में चरणबद्ध तरीके से 25% की कमी करने का आह्वान किया है। संगठन का अनुमान है कि इससे आयात पर निर्भरता कम करने, कृषि लागत घटाने, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करने और भारतीय कृषि निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के साथ–साथ राष्ट्रीय खजाने को सालाना लगभग 40,000 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। यह प्रस्ताव 7 और 8 अक्टूबर को रामोजी फिल्म सिटी, हैदराबाद में आयोजित होने वाले छठे वार्षिक बायो–एग्री इंडस्ट्री समिट बायो–एग्री 2026 का मुख्य केंद्र रहेगा। इस बार सम्मेलन का विषय बायोलॉजिकल इंटेलिजेंस एंड स्मार्ट एग्रीकल्चर रखा गया है। इस शिखर सम्मेलन में उद्योग जगत के नेताओं, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, स्टार्टअप्स, नीति निर्माताओं और नियामकों सहित 250 से अधिक प्रतिनिधियों, 35 वक्ताओं और 50 प्रदर्शकों के भाग लेने की उम्मीद है।

नेकलेस रोड स्थित एक होटल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के पदाधिकारियोंअध्यक्ष डॉ. ए. जॉन पीटर, महासचिव डॉ. वेंकटेश देवनूर, उपाध्यक्ष प्रहारराजू लक्ष्मीनारायण और संयुक्त कोषाध्यक्ष सी.एच.वी. श्रीनिवास ने इस सम्मेलन की घोषणा की और अपनी प्राथमिकताओं को रेखांकित किया।

एसोसिएशन ने कहा कि जैव–उर्वरक (बायो–फर्टिलाइजर्स), बायो–स्टिमुलेंट्स और जैव–कीटनाशकों जैसे जैविक इनपुट्स को केवल रासायनिक इनपुट्स के विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि मौजूदा कृषि प्रणाली में वैज्ञानिक रूप से एकीकृत किया जाना चाहिए। सही चुनाव और उपयोग से ये उत्पाद उत्पादकता से समझौता किए बिना किसानों की रासायनिक निर्भरता को धीरे–धीरे कम कर सकते हैं।

डॉ. ए. जॉन पीटर ने कहा, ङ्गभारत को रासायनिक–निर्भर मॉडल से एक एकीकृत प्रणाली की ओर बढ़ने की आवश्यकता है, जहाँ बायोलॉजिक्स और रसायन वैज्ञानिक व जिम्मेदार तरीके से मिलकर काम करें।ङ्ग

भारत सालाना लगभग 35 मिलियन टन यूरिया की खपत करता है और डीएपी व पोटाश के लिए आयातित कच्चे माल पर निर्भर है। वार्षिक उर्वरक सब्सिडी बिल 1.75 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने के कारण, रासायनिक निर्भरता कम करने से सब्सिडी खर्च और विदेशी मुद्रा के बहिर्वाह को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

मिट्टी के जैविक कार्बन में सुधार के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम विकसित करने का आग्रह किया है। डॉ. वेंकटेश देवनूर ने कहा कि ध्यान अल्पकालिक फसल उत्पादकता से हटाकर कृषि मृदा के जैविक स्वास्थ्य की बहाली पर केंद्रित करने की आवश्यकता है।

प्रेरणा फाउंडेशन ने नि:शुल्क मिट्टी के गणेश प्रतिमाओं का वितरण आज

हैदराबाद, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण–अनुकूल गणेश–ोत्सव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रेरणा फाउंडेशन द्वारा रविवार दि. 13 सितंबर को नि:शुल्क मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं का वितरण किया जाएगा।

फाउंडेशन की संस्थापिका एवं अध्यक्षा श्रीमती पूजा गुप्ता ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी लोगों को मिट्टी की पर्यावरण–अनुकूल गणेश प्रतिमाएं उपलब्ध कराने की पहल की गई है। उन्होंने लोगों से प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाओं के स्थान पर मिट्टी की प्रतिमा अपनाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की।

प्रतिमाओं का वितरण 13 सितंबर को सुबह 10 से 11 बजे तक शीतल ग्रैंड बाजार के सामने, अशोकनगर के समीप किया जाएगा।

वरिष्ठ स्वयंसेवक राम कुलकर्णी का निधन

मुंबई, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ स्वयंसेवक एवं भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता राम कुलकर्णी का 91 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया। वे संघ एवं जनसंघ के समय से ही संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय रहे।

उनका अंतिम संस्कार रविवार को किया गया। सुबह 8 बजे गोरेगांव स्थित गोगटे वाड़ी स्थित उनके निवास से अंतिम यात्रा निकाली गई। राम कुलकर्णी ने मुंबई के बोरीवली क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व रेल मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाईक के साथ करीब 20 वर्षों तक रहकर समाज एवं जनता की निरंतर सेवा की।

जीएसआई एससी–एसटी कर्मचारी कल्याण संघ के अ. भारतीय अध्यक्ष बने अडार्ला महेश

हैदराबाद, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) एससी–एसटी कर्मचारी कल्याण संघ की केंद्रीय कार्यकारी समिति (सीईसी) के अखिल भारतीय अध्यक्ष पद पर अडार्ला महेश निर्वाचित हुए हैं।

जीएसआई के दक्षिणी क्षेत्र में गुरुवार को एससी–एसटी कर्मचारी कल्याण संघ की केंद्रीय कार्यकारी समिति की वार्षिक आमसभा आयोजित की गई। इस दौरान हुए चुनाव में अडार्ला महेश को समिति का अखिल भारतीय अध्यक्ष चुना गया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि जीएसआई संगठन में कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए वे अपनी ओर से हरसंभव प्रयास करेंगे।

खुले सत्र को जीएसआई दक्षिणी क्षेत्र के अपर महानिदेशक विजय विष्णुपंत मुगल ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एससी–एसटी कर्मचारी कल्याण संघ द्वारा अखिल भारतीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है और सम्मेलन को सुचारु एवं सफल बनाने के लिए संघ के सदस्यों को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में उप महानिदेशक सत्यनारायण महापात्रो, दीपक हजरा, वी.वी. शेषा साई, दीपक एम.एन., प्रवीण, अजय निरवान, के.वी. मारुति, शैलेंद्र कुमार सिंह, निदेशक एवं कार्यालयाध्यक्ष सी.के. राजा, संपर्क अधिकारी एस. बनर्जी, निदेशक पीएसएस एस. हरा मोहन मिश्रा, निदेशक (पीएंडए) एस्टेट्स, अखिल भारतीय महासचिव हेमंत दास, क्षेत्रीय सचिव जे. राजशेखर, उपाध्यक्ष बी. लिंगैया, आर. अरुण कुमार, बी. श्रीनिवास, संयुक्त सचिव ए. मेघराज, बी. प्रभाकर, ए. शिवशंकर, सुनील कुमार, जी. प्रकाश, कोषाध्यक्ष बी. आनंद कुमार, एम. चक्रेश्वर, रविंदर, बी. नरेश, संगमनेनी नायडू सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

हिन्दी–चीनी...

ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मध्य–पूर्व में जारी युद्ध को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि मध्य–पूर्व में जारी युद्ध से इस क्षेत्र के लोगों को गंभीर नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साझा हितों के अनुरूप नहीं है।

2027 में चीन करेगा 19वें ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी

शनिवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घोषणा की कि चीन 2027 में ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा और 19वें ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी करेगा। शी जिनपिंग ने नई दिल्ली में चल रहे ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान यह घोषणा की। 2027 का ब्रिक्स सम्मेलन चीन की मेजबानी में होगा। शी जिनपिंग ने कहा कि चीन ब्रिक्स के सदस्य देशों के साथ मिलकर मध्य–पूर्व और खाड़ी क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता कायम करने में अपनी भूमिका निभाएगा।

स्थानीय मुद्रा और डिजिटल मुद्रा से सीमा–पार भुगतान पर जोर

ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान सीमा–पार भुगतान प्रणाली को तेज, सुरक्षित और आसान बनाने के लिए स्थानीय मुद्रा और डिजिटल मुद्रा के इस्तेमाल पर जोर दिया गया।

बहुपक्षवाद को मजबूत करने पर जोर

ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में समापन संबोधन में समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत करने पर जोर दिया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर सहयोग बढ़ाने की पहल

नई दिल्ली घोषणापत्र में वैश्विक दक्षिण की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास पर जोर दिया गया। इसके साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुरक्षित, भरोसेमंद, समावेशी और कुशल बनाने की बात पर भी जोर दिया गया।

ब्रिक्स नेताओं के लिए आयोजित हुआ रात्रिभोज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शनिवार को ब्रिक्स नेताओं के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया गया। जानकारी के मुताबिक, इस दौरान पारंपरिक भारतीय व्यंजनों के साथ श्री अन्न (मोटे अनाज) से बने स्वादिष्ट व्यंजन मेहमानों को परोसे गए।

आसमान...

वहीं बारिश नहीं होने पर वर्षा आधारित खेती वाले क्षेत्रों में स्थिति और कठिन हो सकती है।हालांकि, राज्य के कुछ हिस्सों में बीच–बीच में बारिश दर्ज की गई है। मंचेरियल और कुमरम भीम आसिफाबाद जैसे जिलों में हुई बारिश से किसानों को अस्थायी राहत मिली है। लेकिन इन इलाकों में हुई बारिश पूरे राज्य की कमी को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं मानी जा सकती।

मौसम विभाग की नजर भी अब सितंबर के शेष दिनों की गतिविधियों पर है। यदि बंगाल की खाड़ी में बनने वाली मौसम प्रणालियां तेलंगाना की ओर सक्रिय होती हैं और राज्य में व्यापक बारिश होती है तो सितंबर के बारिश घाटे में सुधार की गुंजाइश रहेगी। लेकिन मानसून की गतिविधियां कमजोर बनी रहीं तो मौसमी बारिश की कमी और बढ़ सकती है।

तेलंगाना में इस समय सबसे बड़ी चुनौती बारिश के वितरण की है। केवल एक–दो दौर की तेज बारिश से राज्य की कुल कमी पूरी होना मुश्किल है। किसानों को राहत के लिए लगातार और व्यापक बारिश की जरूरत है। आने वाले कुछ दिन इसलिए महत्वपूर्ण हैं कि सितंबर की बारिश न केवल खरीफ फसलों की स्थिति तय करेगी, बल्कि पूरे मानसून सीजन के अंतिम बारिश आंकड़ों पर भी इसका असर पड़ेगा।

फिलहाल राज्य में मानसून की कमजोर स्थिति ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। 20 जिलों और 376 मंडलों में बारिश की कमी के बीच अब उम्मीद सितंबर के बाकी दिनों में होने वाली बारिश पर टिकी है।

18 से सीधे...

अगर इस मांग को मान लिया जाता है तो लेवल–1 से लेकर लेवल–10 तक के केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है।लेवल–1 की न्यूनतम मूल सैलरी करीब 69,000 रुपये हो जाएगी। फिटमेंट फैक्टर के अलावा वेतन मैट्रिक्स, महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता और अन्य लाभों एवं भत्तों से जुड़ी मांगें भी सामने आ रही हैं। हालांकि, इस पर आधिकारिक अंतिम फैसला लिए जाने में अभी समय बाकी है।दरअसल, न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली आठवें वेतन आयोग की समिति की अंतिम रिपोर्ट मई–जून 2027 में पेश किए जाने की संभावना है।

फिटमेंट फैक्टर की भूमिका क्या है?

जिस फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाने की मांग की जा रही है, वह ऐसा आंकड़ा होता है, जिसका इस्तेमाल वेतन आयोग द्वारा किसी कर्मचारी के पूर्व–संशोधित मूल वेतन या सेवानिवृत्त कर्मचारी के पेंशन भुगतान को नए संशोधित मूल वेतन में बदलने के लिए किया जाता है।इसका आकलन इस सूत्र के आधार पर किया जाता हैवर्तमान मूल वेतन ÷ फिटमेंट फैक्टर = नया मूल वेतन।सातवें वेतन आयोग में 2.57 फिटमेंट फैक्टर लागू किया गया था। इसके लागू होने से न्यूनतम मूल वेतन 7,000 रुपये से बढ़कर सीधे 18,000 रुपये हो गया था। अब आठवें वेतन आयोग में इसे 3.833 करने की मांग की जा रही है, जो मौजूदा 2.57 के मुकाबले करीब 1.26 गुना अधिक है।

न्यूनतम मूल वेतन में 50,940 रुपये की बढ़ोतरी का दावा

फिटमेंट फैक्टर के सूत्र के अनुसार नया मूल वेतन = वर्तमान मूल वेतन ÷ फिटमेंट फैक्टर होता है। सातवें वेतन आयोग के तहत केंद्रीय कर्मचारियों के लिए अभी 2.57 फिटमेंट फैक्टर लागू है। इसके चलते कर्मचारियों का न्यूनतम मूल वेतन छठे वेतन आयोग के 7,000 रुपये से बढ़कर 18,000 रुपये हुआ था।

अब अगर इसे बढ़ाकर 3.83 किया जाता है तो 18,000 रुपये का न्यूनतम मूल वेतन 18,000 ÷ 3.83 = 68,940 रुपये हो जाएगा। यानी कर्मचारियों के न्यूनतम मूल वेतन में सीधे 50,940 रुपये की बढ़ोतरी होगी।

लेवल–2 से 10 तक के वेतन में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। लेवल–2 के कर्मचारी का 19,900 रुपये का मूल वेतन बढ़कर 76,217 रुपये, जबकि लेवल–3 में 21,700 रुपये से बढ़कर 83,111 रुपये हो जाएगा।

इसके बाद लेवल–4 कर्मचारी का न्यूनतम वेतन 25,500 रुपये से बढ़कर 97,665 रुपये, लेवल–5 में 29,200 रुपये से बढ़कर 1,11,836 रुपये और लेवल–6 में 35,400 रुपये से बढ़कर 1,35,582 रुपये हो जाएगा।

लेवल–10 के कर्मचारी के लिए 56,100 रुपये के मूल वेतन के मुकाबले 3.83 फिटमेंट फैक्टर के आधार पर यह राशि 2,14,863 रुपये होगी।

डॉलर...

लड़ाई में थोड़े समय के विराम के बाद अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर एक–दूसरे के खिलाफ हमले शुरू हो गए हैं। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान ने बड़ा संकेत दिया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा है कि अगर अमेरिका ईरान के खिलाफ अपनी नाकेबंदी और दूसरी कार्रवाइयां बंद करता है, तो होर्मुज को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तय नियमों के तहत खोलने की दिशा में काम किया जा सकता है।

इसी मुद्दे पर पेजेश्कियान से पूछा गया कि क्या भारत को भरोसा दिया गया है कि होर्मुज से गुजरने वाले भारतीय जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। एक टीवी चैनल को दिए विशेष साक्षात्कार में राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने बताया कि ईरान इस रणनीतिक समुद्री रास्ते को लेकर ओमान के साथ बातचीत कर रहा है। दोनों देश एक विशेष समुद्री व्यवस्था तैयार करने पर चर्चा कर रहे हैं।

राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने स्पष्ट किया कि होर्मुज को खोलने का फैसला अमेरिका के कदमों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका अपनी नाकेबंदी और ईरान पर लगाए गए प्रतिबंध खत्म करता है तो हालात बदल सकते हैं। उन्होंने प्रतिबंधों के असर को लेकर कहा कि इसका नुकसान आम लोगों को होता है। उनके मुताबिक, प्रतिबंधों की वजह से मरीजों को दिक्कत होती है, लोगों की नौकरियां जाती हैं, गरीबी और असंतोष बढ़ता है तथा कई दूसरी परेशानियां पैदा होती हैं।पेजेश्कियान ने कहा कि अमेरिका युद्ध के जरिए अपने लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया और अब आर्थिक दबाव के जरिए ईरान पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन उनका दावा है कि अमेरिका इसमें भी सफल नहीं होगा।

ओमान के साथ चल रही बातचीत

होर्मुज को खोलने के रास्ते पर ईरान और ओमान के बीच बातचीत चल रही है। पेजेश्कियान ने कहा कि इस मामले में एक विशेष समुद्री व्यवस्था बनाने पर चर्चा हो रही है। उन्होंने बताया कि सोमवार को अरब देशों के विदेश मंत्री भी ओमान के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर किसी तरह के समझौते पर बातचीत होगी। ईरानी राष्ट्रपति के मुताबिक, अगर इस पर समझौता होता है तो अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन की ओर से इस स्थिति का ऐलान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहले से तय नियमों के तहत होर्मुज को खोला जा सकता है। लेकिन इसके लिए अमेरिका को अपनी नाकेबंदी और ईरान के खिलाफ दूसरी कार्रवाइयां बंद करनी होंगी।

भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है होर्मुज

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है। फारस की खाड़ी से निकलने वाले तेल और गैस का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर दुनिया के अलग–अलग देशों तक पहुंचता है। भारत के लिए भी यह रास्ता बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि खाड़ी क्षेत्र से आने वाली उसकी ऊर्जा आपूर्ति इससे जुड़ी हुई है।मौजूदा युद्ध और तनाव के बाद होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है। इसी वजह से भारत समेत कई देशों को अपनी ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता है।

हम जिंदा हैं तो जवाब देंगे

होर्मुज को लेकर ईरान के रुख पर सवाल पूछे जाने पर पेजेश्कियान ने ईरान और हिज्बुल्लाह पर लगाए जा रहे आरोपों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि न तो ईरान और न ही हिज्बुल्लाह ने इस संघर्ष की शुरुआत की। उनके मुताबिक, ये सभी समूह अपने बचाव में कार्रवाई कर रहे हैं।

राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने सवाल उठाया कि अगर अमेरिका और उसके सहयोगी इलाके में हमला कर रहे हैं और समुद्री रास्तों को रोक रहे हैं, तो ईरान से चुप रहने की उम्मीद क्यों की जा रही है। उन्होंने कहा, अगर हम जिंदा हैं तो हमें जवाब देना होगा। जब हम मर जाएंगे, तब जवाब नहीं दे पाएंगे। इसलिए हम जिंदा हैं और जवाब देंगे।

अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकेंगे

ब्रिक्स सम्मेलन में आए ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने एक टीवी चैनल से बातचीत में यह भी स्पष्ट किया कि ईरान अमेरिकी प्रतिबंधों और नाकेबंदी के दबाव में झुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि समुद्री रास्ते बंद करना आसान हो सकता है, लेकिन यह ईरान के लिए एकमात्र रास्ता नहीं है। अगर अमेरिका इन्हें रोकता भी है तो ईरान आत्मसमर्पण नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका लंबे समय से यह सोचता रहा है कि प्रतिबंध और नाकेबंदी लगाकर ईरान को झुकाया जा सकता है, लेकिन ऐसा नहीं होगा।

मोदी से मुलाकात, चाबहार पर भी चर्चा

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत आए हुए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की है। दोनों नेताओं के बीच भारत और ईरान के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

इस दौरान ईरान के चाबहार बंदरगाह में भारत के निवेश और दोनों देशों की साझेदारी को और मजबूत करने पर भी बात हुई।

माया ...

उन्होंने कहा कि अविवाहित होने और सुरक्षा की जरूरत के कारण उन्होंने अपने छोटे भाई आनंद कुमार को अपने साथ रखा। आनंद कुमार लंबे समय से मायावती की निगरानी में पार्टी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। मायावती ने स्पष्ट किया कि आनंद कुमार के किसी भी बेटे को बसपा में छोटे या बड़े किसी राजनीतिक पद पर काम करने का अवसर नहीं दिया जाएगा।

हालांकि, उन्होंने कहा कि भविष्य में आनंद कुमार को किसी तरह की मदद की जरूरत होने पर उनकी बेटी कुमारी दीपिका आनंद उनकी मदद कर सकती हैं।

आनंद कुमार की बेटी दीपिका आनंद फिलहाल वकालत की पढ़ाई कर रही हैं। मायावती ने कहा कि ईमानदारी, वफादारी और कार्यक्षमता के आधार पर उन्हें पार्टी में जिम्मेदारी दी जा सकती है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आनंद कुमार अपने दोनों बेटों या आगे उनके बच्चों को यह जिम्मेदारी नहीं सौंपेंगे। हालांकि, यदि दीपिका यह जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार नहीं होती हैं तो पार्टी की सहमति से दलित समाज के किसी मिशनरी कार्यकर्ता को यह जिम्मेदारी दी जा सकती है।

मायावती ने कहा कि वह कांशीराम की तरह ही परिवारवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ी हैं। उन्होंने दोहराया कि बसपा को परिवारवाद से मुक्त रखना बेहद जरूरी है, ताकि समाज के लोग आंदोलन से जुड़ सकें।

मायावती ने गिनाईं बसपा सरकार की उपलब्धियां

मायावती ने बसपा की चार बार की सरकार का भी जिक्र किया। उन्होंने कानून का राज, जनकल्याण और विकास को अपनी सरकार की प्रमुख उपलब्धियां बताया।

उन्होंने अपने कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि बसपा सरकार के दौरान सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा ग्रामीण और शहरी विकास के क्षेत्र में काम किया गया। इसके अलावा स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, छात्रावास, प्रशिक्षण केंद्र और पार्क भी स्थापित किए गए।

मायावती ने दावा किया कि राज्य में बसपा सरकार की नीतियों के कारण पलायन रोकने में काफी मदद मिली थी। उन्होंने वर्ष 2012 में पार्टी की हार के लिए विरोधी दलों के जातिवादी रवैये को जिम्मेदार बताया।

बसपा सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि बसपा सरकार के बाद प्रदेश में कानून का राज कमजोर हुआ और सरकारी विकास के दावे लोगों की समस्याओं को दूर नहीं कर पा रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में बसपा को सरकार बनाने से रोकने के लिए साम, दाम, दंड और भेद का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी ताकत के साथ अंबेडकरवादी मिशन में जुटे रहने की अपील की।मायावती ने सोशल मीडिया पर बसपा से निष्कासित नेताओं की वापसी से संबंधित खबरों को फर्जी बताया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण निष्कासित किए गए लोगों को बसपा में वापस नहीं लिया जाएगा।

बनो...

अधिक आवश्यकता है। संघ सहित विभिन्न व्यक्ति और संगठन अपने–अपने तरीके से ऐसे लोगों को तैयार करने तथा इस दिशा में काम करने का प्रयास कर रहे हैं।

शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका कमाना नहीं

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने शिक्षा के उद्देश्य पर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि इंसान के पास अच्छा या बुरा बनने का विकल्प होता है और सही रास्ता चुनने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

भागवत ने कहा, मनुष्य ईश्वर जैसा भी बन सकता है और शैतान भी बन सकता है। उसे यह चुनने की स्वतंत्रता दी गई है कि वह क्या बनना चाहता है। सही विकल्प चुनने में मदद के लिए शिक्षा आवश्यक है।उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी हासिल करना या आजीविका कमाना नहीं होना चाहिए। शिक्षा व्यक्ति को सही और गलत के बीच अंतर समझने, उचित विकल्प चुनने और अपने जीवन को सार्थक बनाने में भी मदद करती है।

जय...

कपाट खुलने का 14 दिनों से इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं के लिए यह दिन बेहद खास रहा। जैसे ही मंदिर के पट खुले, भक्तों ने पहुंचकर लेटे बजरंगबली के दर्शन किए और पूजा–अर्चना की। लंबे अंतराल के बाद मंदिर में एक बार फिर श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई।

संगम स्थित लेटे बजरंगबली मंदिर की विशेष धार्मिक मान्यता है। यहां हनुमान जी लेटी हुई अवस्था में भक्तों को दर्शन देते हैं। इसी वजह से यह मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

बाढ़ के बाद फिर भक्तिमय हुआ मंदिर परिसर

गंगा के बढ़े जलस्तर के कारण 13 दिनों तक बंद रहे मंदिर में अब फिर से भक्ति का माहौल दिखाई दिया। बाढ़ का पानी कम होने के बाद सफाई, धुलाई, अभिषेक और श्रृंगार की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद धार्मिक विधि के अनुसार आरती के साथ कपाट खोले गए।

कपाट खुलने के बाद संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं की चहल–पहल बढ़ गई। भक्तों ने लेटे बजरंगबली के दर्शन कर पूजा की और आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में जयकारों और ढोल–नगाड़ों की आवाज से माहौल पूरी तरह भक्तिमय नजर आया। इस तरह 13 दिनों तक बाढ़ के कारण बंद रहा लेटे बजरंगबली का दरबार अब फिर श्रद्धालुओं के लिए खुल गया है। गंगा का पानी घटने के साथ ही मंदिर में एक बार फिर आस्था और भक्ति का सैलाब नजर आया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एनएमडीसी ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम से सतर्कता जागरूकता को किया मजबूत

हैदराबाद, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सतर्कता जागरूकता अभियान के अग्रदूत के रूप में एनएमडीसी के सतर्कता विभाग ने केंद्रीय सतर्कता आयोग के मार्गदर्शन में पहचाने गए प्रमुख फोकस क्षेत्रों को शामिल करते हुए 10 और 11 सितंबर 2026 को हैदराबाद में दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। एनएमडीसी की विभिन्न परियोजनाओं और प्रधान कार्यालय के लगभग 55 अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम में प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने सार्वजनिक खरीद, अनुबंध प्रबंधन और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर व्यावहारिक एवं संवादात्मक सत्र आयोजित किए।उद्घाटन कार्यक्रम में एनएमडीसी के निदेशक (उत्पादन) श्री जॉयदीप दास गुप्ता और एनएमडीसी के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री सी. नीलकंठ रेड्डी उपस्थित रहे।

10 सितंबर 2026 को श्री कंवलप्रीत, भारतीय रेलवे लेखा सेवा, अपर मुख्य सतर्कता अधिकारी, सरकारी ई-मार्केटप्लेस ने सरकारी ई-मार्केटप्लेसनई विशेषताएं और कार्यक्षमताएं विषय पर सत्र आयोजित किया। उन्होंने सरकारी ई-मार्केटप्लेस मंच के नवीनतम विकास और कार्यक्षमताओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

इसके बाद श्री एम. के. सिंह, पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, इरकॉन तथा राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान में प्रोफेसर एस.एस. द्वारा सार्वजनिक खरीद पर सत्र आयोजित किया गया। उन्होंने समकालीन सार्वजनिक खरीद प्रक्रियाओं पर अपने व्यापक अनुभव और व्यावहारिक दृष्टिकोण साझा किए।

कार्यक्रम दूसरे दिन भी दो ज्ञानवर्धक एवं संवादात्मक सत्रों के साथ जारी रहा। श्री एम. के. सिंह ने प्रासंगिक मामले के अध्ययन और अपने व्यापक व्यावसायिक अनुभव के माध्यम से सार्वजनिक खरीद तथा पुरस्कारोत्तर अनुबंध प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर मूल्यवान व्यावहारिक जानकारी दी।

सी-डैक के वैज्ञानिक-सी श्री हरीश आर. ने साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता पर जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित किया। उन्होंने साइबर जागरूकता के महत्व तथा डिजिटल कार्यस्थल में सुरक्षित कार्यप्रणालियों को अपनाने पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में एनएमडीसी की विभिन्न परियोजनाओं और प्रधान कार्यालय से नामांकित अधिकारियों ने उत्साहपूर्ण भागीदारी की। संवादात्मक चर्चाओं, व्यावहारिक मामले के अध्ययन और अनुभव-साझाकरण सत्रों ने प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण सीखने के अवसर प्रदान किए। इससे समकालीन खरीद प्रक्रियाओं, प्रभावी अनुबंध प्रबंधन और साइबर सुरक्षा के संबंध में प्रतिभागियों की समझ और मजबूत हुई।दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम एनएमडीसी के सतर्कता विभाग द्वारा संगठन में जागरूकता बढ़ाने, क्षमता को मजबूत करने तथा पारदर्शिता, अखंडता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा था।

यह अभियान सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 तथा पूरे अभियान की अवधि के दौरान विभिन्न जागरूकता और क्षमता निर्माण पहलों के साथ जारी रहेगा।

अग्रवाल केअर फाउंडेशन ने की गौ पूजा, गौ आहार व दवाइयों की सेवा

हैदराबाद, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल केअर फाउंडेशन द्वारा भादवा बदी अमावस के उपलक्ष्य में गौ पूजा, गौ आहार सेवा तथा गौ माता के उपचार हेतु दवाइयों की सेवा शिवालयम, चिन्ना अनंत गिरी मंदिर, रामबाग, अत्तापुर में की गई।

एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि फाउंडेशन द्वारा प्रतिमाह गौ सेवा की जाती है, जिसमें घास, सवाली और रोटी का आहार गौ माता को खिलाया जाता है। इसके अतिरिक्त सबसे महत्वपूर्ण सेवा के रूप में गौ माता के उपचार हेतु विभिन्न गौशालाओं में दवाइयों की सेवा भी निरंतर की जा रही है।उन्होंने बताया कि माह में दो रविवार को बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने, अत्तापुर में अन्न प्रसाद की सेवा वहां के निवासियों तथा राहगीरों के लिए निरंतर की जाती है।इस अवसर पर फाउंडेशन के सदस्य किरण कुमार का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया।आज की सेवा में फाउंडेशन के सदस्यों ओम प्रकाश अग्रवाल, संजय पसारी, मनीष अग्रवाल, संजय भालवाले, मुकुंद लाल अग्रवाल, अंकुर बंसल, सत्यनारायण फोगला, लोकेश पित्ती, श्याम अग्रवाल, सुनील संघी, सुनील भूत, विकास, गोविंद राज, विनय अग्रवाल, वासु, राजेंद्र, रितेश, संजय गुप्ता, त्रियोगी नारायण राठी, किरण कुमार, मल्लेश, मल्ला रेड्डी, श्याम बजाज, श्रीमती प्रेमलता, नंदा, ज्योति शर्मा, रीना, सुनीता, लक्ष्मी, नीता, शीला, पुष्पा, संगीता, लता, रानी, प्रियंका, संतोष, सरिता, शिल्पा, शांता, सीमा, शीतल, चंदा आदि उपस्थित रहे और सेवा कार्य में हाथ बंटाया।

मलकपेट शाखा ने कराया अन्नप्रसादम

हैदराबाद, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मलकपेट गंज स्थित अग्रसेन हॉल में अग्रवाल समाज तेलंगाना की मलकपेट शाखा, महिला शाखा एवं युवा मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में मासिक अन्नप्रसादम सेवा का आयोजन किया गया। इस दौरान करीब 700 लोगों ने अन्नप्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष हरगोविंद प्रसाद अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष राजगोपाल अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। शाखा पदाधिकारियों ने दोनों अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। इस अवसर पर अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, संयुक्त सचिव शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी सहित समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

पर्युषण के तीसरे दिन श्रद्धाभाव से हुआ कल्पसूत्रजी का मंगल आगमन

हैदराबाद, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन समाज के पवित्र एवं महत्वपूर्ण पर्वाधिराज पर्युषण के तीसरे दिन धार्मिक ग्रंथ कल्पसूत्रजी का श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मंगल आगमन हुआ। जैन रत्न रमेश पी. तातेड के अनुसार, रसूलपुरा जैन मंदिर से कल्पसूत्रजी को श्रीमती रोहिणीबेन प्रकाशमल सूरजमलजी भंडारी के निवास स्थान पर ले जाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं एवं समाजजनों में विशेष उत्साह और भक्ति का वातावरण रहा।

जैन भवन के कल्पसूत्रजी का भी रसूलपुरा स्थित नीता एन्क्लेव में उर्मिलाबेन सुरेशजी मोतीलालजी गोलेचा परिवार के निवास पर मंगल आगमन हुआ। इस प्रकार दोनों परिवारों ने प्रभावना का लाभ लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वीरसैनेक जी अंजन विनोदजी व उनके दो बाल वीरसैनेक कल्प संतोषजी और मोक्ष कैलाशजी के निश्रा में अध्यक्ष निर्मल कोठारी, मंत्रीगण सुधीर कोठारी सहित अन्य सभी ट्रस्टीगण तथा श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ जैन मंडल के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण तथा समाज के पदाधिकारियों का विशेष सहयोग रहा। कल्पसूत्रजी की पांच ज्ञान पूजा के लाभार्थी शालीन दोषी परिवार, रमेश पी. तातेड परिवार, अर्पन जैन परिवार, मनोज अलीज़ार परिवार और इन्द्रमल दांतेवाडिया परिवार रहे।

कल्पसूत्रजी की वास्केप पूजा और भव्य आरती के साथ कल्पसूत्र प्रवचन की शुरुआत हुई। इस अवसर पर सभी तपस्वियों के साता में रहने की मंगलकामना की गई।

अमावस्या के पावन अवसर पर रानी सती दादी मंदिर, घाँसीबाज़ार में अग्रवाल मानव सेवा संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल एवं धर्मपत्नी श्रीमती संतोष अग्रवाल ने पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किए।

सेवा के संस्कारों से समाज में जग रही मानवता की नई ज्योति : सुमन अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सेवा कार्य के दौरान अपने भावपूर्ण विचार व्यक्त करते हुए सुमन अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा जिस निस्वार्थ भावना और निरंतरता के साथ सेवा की जा रही है, वह समाज के लिए अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सेवा का वास्तविक भाव राधे-राधे ग्रुप के कार्यों में देखने को मिलता है।

सुमन अग्रवाल ने कहा कि भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है। जब किसी जरूरतमंद के चेहरे पर भोजन मिलने से संतोष और खुशी दिखाई देती है, तो उससे बड़ा सेवा का प्रतिफल और कुछ नहीं हो सकता।

राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान से सेवा के साथ-साथ समाज में सहयोग, करुणा और अपनत्व की भावना भी मजबूत हो रही है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे एक परिवार की भावना के साथ सदस्य तन-मन-धन से सेवा में जुटे हुए हैं। बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने की यह पहल वास्तव में समाज को मानवता का संदेश दे रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्यों से नई पीढ़ी को भी संस्कार मिलते हैं और दूसरों की पीड़ा को समझने तथा उनके सहयोग के लिए आगे आने की प्रेरणा मिलती है।

राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि सेवा का यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा। मानव सेवा ही ईश्वर आराधना की भावना के साथ ग्रुप द्वारा जरूरतमंदों की सेवा को अपना सामाजिक दायित्व मानकर आगे बढ़ाया जा रहा है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, जगन गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, भगत राम गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, भाकर राम कुमावत एवं कमला कुमावत सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सिकंदराबाद में पर्युषण महापर्व के अंतर्गत व्रत चेतना दिवस आयोजित

व्रत धारण करने वाला ही सच्चा धार्मिक : मुनि दीप कुमार

हैदराबाद, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के डायमण्ड पॉइंट स्थित राजा राजेश्वरी गार्डन में युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी ठाणा-2 के सान्निध्य में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के अंतर्गत पांचवें दिन को व्रत चेतना दिवस के रूप में मनाया गया। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा आयोजित इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्माराधना का लाभ लिया।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार पर्युषण महापर्व के प्रत्येक दिन श्रद्धालुओं की उपस्थिति निरंतर बढ़ती जा रही है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं के पहुंचने से राजा राजेश्वरी गार्डन में धर्म, साधना और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना हुआ है। पर्युषण के इन पावन दिनों में श्रद्धालुओं में तप, त्याग, स्वाध्याय, सामायिक एवं आत्मचिंतन के प्रति विशेष जागरूकता देखने को मिल रही है।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि व्रत धारण करने वाला ही सच्चा धार्मिक कहलाने का अधिकारी होता है। उन्होंने कहा कि धर्म केवल पूजा-पाठ, दर्शन या धार्मिक क्रियाओं तक सीमित नहीं है। धर्म का वास्तविक स्वरूप तब प्रकट होता है, जब व्यक्ति अपने जीवन में संयम और मर्यादा को स्वीकार करता है।

मुनिश्री ने कहा कि समाज में दो प्रकार के वर्ग दिखाई देते हैंअनुयायी और श्रावक। अनुयायी का अर्थ हैपीछे चलने वाला, जबकि श्रावक वह है जो धर्म के साथ बराबर चलता है और अपने जीवन में व्रतों को धारण करता है। इसलिए श्रावक की सबसे बड़ी पहचान ही व्रती होना है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने अपने जीवन में मर्यादा की सीमा निर्धारित कर ली, वही वास्तव में धर्म की दिशा में आगे बढ़ता है। व्रत व्यक्ति को केवल कुछ कार्यों से रोकते नहीं हैं, बल्कि वे जीवन को एक नई दिशा, नई दृष्टि और नई शक्ति प्रदान करते हैं।

मुनिश्री ने श्रावक के व्रत जीवन की व्याख्या करते हुए कहा कि श्रावक अनावश्यक हिंसा से बचता है, बड़े झूठ से दूर रहता है, बड़ी चोरी नहीं करता, अपने दाम्पत्य जीवन में संतोष का पालन करता है तथा अपनी इच्छाओं और आवश्यकताओं का परिमाण करता है।

उन्होंने कहा कि इच्छाओं का कोई अंत नहीं है, लेकिन व्रत इच्छा के सामने एक सीमा-रेखा खींच देता है। आज मनुष्य के पास साधन बहुत बढ़ गए हैं, लेकिन संतोष कम होता जा रहा है। ऐसे समय में व्रत जीवन को अनुशासन, संतुलन और आत्मनियंत्रण प्रदान करते हैं।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि श्रावक के बारह व्रत केवल व्यक्तिगत साधना के साधन नहीं हैं, बल्कि वे एक स्वस्थ, संतुलित और नैतिक समाज के निर्माण की प्रभावशाली आचार संहिता हैं।

उन्होंने बताया कि जब व्यक्ति हिंसा, असत्य, चोरी, असंयम और अपरिग्रह की दिशा में मर्यादा स्वीकार करता है तो उसके जीवन में शांति आती है। व्यक्ति स्वयं संयमित होता है और उसके संयम का प्रभाव परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ता है।

मुनिश्री ने कहा कि आज समाज को कानून से अधिक आत्म-अनुशासन की आवश्यकता है। बाहर की व्यवस्था व्यक्ति को कुछ समय तक नियंत्रित कर सकती है, लेकिन भीतर का व्रत व्यक्ति को हर परिस्थिति में सही दिशा में चलने की शक्ति देता है।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने भगवान महावीर की भव परंपरा का विवेचन करते हुए उनके पूर्व भवों से जुड़े प्रसंगों पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में उन्होंने त्रिपृष्ठ वासुदेव के भव का अत्यंत रोचक एवं प्रेरणादायी वर्णन किया।

त्रिपृष्ठ वासुदेव के जीवन से जुड़े प्रसंगों के माध्यम से मुनिश्री ने कर्म, पुरुषार्थ, शक्ति, संयम और जीवन के निर्णयों के परिणामों को समझाया। उन्होंने कहा कि जैन दर्शन में जीवन को केवल वर्तमान जन्म की सीमाओं में नहीं देखा गया है। कर्मों की यात्रा दीर्घ होती है और व्यक्ति के प्रत्येक भाव तथा कर्म का प्रभाव उसकी भव-परंपरा में दिखाई देता है।

उन्होंने कहा कि भगवान महावीर का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि मनुष्य चाहे किसी भी परिस्थिति में हो, आत्म-जागरण और पुरुषार्थ के द्वारा अपने जीवन की दिशा बदल सकता है। पर्युषण का वास्तविक उद्देश्य भी इसी आत्म-जागरण की चेतना को प्रबल करना है।

इस अवसर पर मुनि काव्य कुमारजी ने भी उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्रत एवं संयम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि व्रत केवल नियम नहीं, बल्कि आत्मा की स्वतंत्रता की ओर बढ़ने का मार्ग है। जब व्यक्ति अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण करना सीखता है, तभी वह वास्तविक अर्थों में स्वयं का स्वामी बनता है।उन्होंने कहा कि आज मनुष्य बाहरी दुनिया को जीतने में लगा हुआ है, लेकिन आवश्यकता इस बात की है कि वह पहले अपने मन, अपनी इच्छाओं और अपनी कमजोरियों पर विजय प्राप्त करे। व्रत इसी आत्मविजय की दिशा में पहला मजबूत कदम है।

कार्यक्रम का शुभारंभ बिदासर, सांडवा, उड़ीसा, तारानगर, राजगढ़-सादुलपुर क्षेत्र के लोगों द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ। मंगलाचरण की आध्यात्मिक प्रस्तुति से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में ज्योतिष के भविष्य पर श्रीलंका में अंतरराष्ट्रीय मंथन

आईवीएएफ, यूएसए ने आयोजित किया द सेक्रेड एस्ट्रोलॉजिकल सिम्पोजियम–श्रीलंका 2026

श्रीलंका, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंटरनेशनल वैदिक एस्ट्रोलॉजी फेडरेशन (आईवीएएफ), यूएसए द्वारा द सेक्रेड एस्ट्रोलॉजिकल सिम्पोजियम–श्रीलंका 2026 का सफल आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, विद्वत् संवाद एवं प्रत्यक्ष विमर्श में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में ज्योतिष और ज्योतिषाचार्यों का भविष्य विषय पर व्यापक मंथन हुआ।

सुश्री दिव्या पिल्लई हरीश की गरिमामयी अध्यक्षता में आयोजित इस संगोष्ठी में विभिन्न पृष्ठभूमियों से जुड़े प्रतिष्ठित विद्वानों, ज्योतिषाचार्यों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं विचारकों ने सहभागिता की। सम्मेलन में वैदिक ज्योतिष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पारंपरिक ज्ञान, मानवीय निर्णय क्षमता, आध्यात्मिकता, अनुसंधान एवं नैतिक उत्तरदायित्व के बीच तेजी से विकसित होते संबंधों पर विस्तृत विचार–विमर्श किया गया।

श्रीलंका स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ पेराडेनिया के कला संकाय में संस्कृत के वरिष्ठ व्याख्याता एवं शास्त्रीय भाषाओं के विभागाध्यक्ष डॉ. वेन. जम्बुगहापिटिये धम्मालोका ने मुख्य अतिथि के रूप में एआई के युग में ज्योतिष और ज्योतिषाचार्यों का भविष्य विषय पर ज्ञानवर्धक एवं विचारोत्तेजक प्रस्तुति दी।

अपने विद्वत्तापूर्ण संबोधन में डॉ. धम्मालोका ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में ज्योतिष के बदलते स्वरूप का विश्लेषण किया। वहीं, इंटरनेशनल यंग बुद्धिस्ट एसोसिएशन के महासचिव पल्लेगामा समिथ थेरो ने विशिष्ट सम्मानित अतिथि के रूप में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में ज्योतिष और बौद्ध धर्म विषय पर अपने विचार रखे।

संगोष्ठी के दौरान ज्योतिष एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया गया। आईवीएएफ के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. मनीष पांडे ने बताया कि यह पुस्तक तेजी से एआई आधारित होती दुनिया में ज्योतिष एवं ज्योतिषाचार्यों की बदलती भूमिका का अध्ययन प्रस्तुत करती है।

पुस्तक में पारंपरिक वैदिक ज्ञान, व्यवहारगत अंतर्दृष्टि, भविष्यवाणी की पद्धतियों, तकनीकी परिवर्तन तथा विश्वास के परस्पर संबंधों का विश्लेषण किया गया है। अपनी प्रस्तुति में डॉ. मनीष पांडे ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न होने वाले नए अवसरों एवं चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर भी चर्चा की कि ज्योतिषाचार्य तकनीकी बदलावों के साथ किस प्रकार स्वयं को अनुकूलित कर सकते हैं और साथ ही अपने पेशे से जुड़ी गहराई, उत्तरदायित्व एवं मानवीय समझ को बनाए रख सकते हैं।

संगोष्ठी के विद्वत् मंच पर प्रतिष्ठित विद्वानों, ज्योतिषाचार्यों एवं विशेषज्ञों ने प्रौद्योगिकी के माध्यम से ज्योतिष में हो रहे परिवर्तनों का सामूहिक विश्लेषण किया। इसके साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में ज्योतिष और ज्योतिषाचार्यों का भविष्य विषय पर वृहद बहस एवं प्रत्यक्ष संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस विमर्श में ज्योतिष के समक्ष मौजूद मूलभूत प्रश्नों और बदलती तकनीकी परिस्थितियों के बीच इसकी भूमिका पर चर्चा की गई।

संगोष्ठी में शामिल ज्योतिषाचार्यों ने श्रीलंका में पांच दिवसीय रामायण यात्रा में भी भाग लिया। पांच दिवसीय रामायण यात्रा तथा उससे संबंधित यात्रा व्यवस्थाओं का पेशेवर प्रबंधन वाराणसी की लोरेटा नाडर के समन्वय में किया गया।भारत के विभिन्न राज्यों से आए विशिष्ट प्रतिभागियों डॉ. राजनाथ झा, डॉ. मनोजा लेंका, डॉ. नीता कपूर, डॉ. नारायण पाढ़ी, आचार्य श्रीपति, डॉ. गजेंद्र कुमार, दिनदिगुल पी. चिन्नराज, वंदना मिश्रा, पीए. मुकुंदन मुरली, मिथुन भट्टाचार्जी, डॉ. नीलाद्रि बसु, जगन्नाथ प्रसाद पांडा, के. सुधा कन्नन तथा डॉ. एमवी. सोमसुंदरम ने संगोष्ठी के शैक्षणिक विमर्श, प्रस्तुतियों, वाद–विवाद एवं ज्ञान–विनिमय सत्रों में विविध और महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत किए।

संगोष्ठी का समापन प्रतिष्ठित विद्वानों, ज्योतिषाचार्यों, वक्ताओं एवं योगदानकर्ताओं के सम्मान एवं अभिनंदन के साथ हुआ। उनकी सक्रिय सहभागिता ने इस आयोजन को एक सार्थक अंतरराष्ट्रीय ज्ञान–संगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हिन्दी महाविद्यालय में हिन्दी दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिन्दी महाविद्यालय में 11सितंबर को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर घनश्याम, डिग्री कॉलेज फॉर वुमेन्स, नलगोंडा, डॉ. एफ.एम. सलीम ब्यूरो चीफ हिन्दी मिलाप सम्मानिय अतिथि के रूप में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. भास्कर कृष्ण जी ठूबे क्षेत्रीय, निदेशक केंद्रीय हिन्दी संस्थान हैदराबाद केंद्र, हिन्दी महाविद्यालय के संस्थाध्यक्षों में उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा, संयुक्त सचिव श्री प्रदीप दत्त, कोषाध्यक्ष सीए एस.बी. काबरा उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सम्माननीय अतिथियों के द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन एवं डॉ. रजनी धारी द्वारा सरस्कती कंदना से हुआ। सर्कप्रथम प्राचार्य डॉ. के. बाला कुमार द्वारा हिन्दी महाविद्यालय का परिचय एकं स्कागत भाषण दिया गया। तत्पश्चात् अतिथियों का स्वागत शॉल और पौधे देकर किया गया। मुख्य अतिथि ने हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए बताया कि हिन्दी की स्थिति अच्छी है, हिन्दी ने कैश्किक रूप ग्रहण कर लिया। इन्होंने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति दार्शनिक होता है हर व्यक्ति अपनी मातृभाषा में सोचता है, चिंतन करता है तथा गीत गुनगनाता है हिन्दी के गीत प्रायः सभी भारतीय भाषाओं के लोग पंसद करते है। साथ ही हिन्दी महाविद्यालय के अपने छात्र जीकन के अनुभकों को साझा किया।

एफएम सलीम ने हिन्दुस्तानी भाषा के महत्क को बताया, इन्होंने बताया कि गालिब फारसी के ज्ञाता थे यदि हिन्दुस्तानी में नहीं लिखते तो उनको किस्तार नहीं मिलता। हरिकंशराय बच्चन अंग्रेजी के प्रोफेसर थे लेकिन उनको प्रसि हिन्दी में लिखने के कारण मिली हिन्दी ने सबका किकास किया है।

प्रो. भास्कर ठूबे ने हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय हिन्दी संस्थान का परिचय तथा कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि संस्थान के 8 केंद्र हैं यहाँ प्रवीण, पारंगत तथा निष्णांत पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं तथा 40 देशों के छात्र यहाँ प्रशिक्षण ले रहे है। हिन्दी कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतियोगिता का आयोजन केंद्र द्वारा हिन्दी महाविद्यालय में किया जाएगा।

इसके बाद कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, इसमें नगरद्वय के प्रतिष्ठित कवियों एकं कवयित्रियों ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। एफएम सलीम ने दक्खिनी में अपनी कविताएँ तथा लतीफे प्रस्तुत किए। कर्नल दीपक दीक्षित ने घरेलू जीवन शैली पर कविता प्रस्तुत की। डॉ. रमा द्विवेदी ने अगर प्यार के ए झरोखे न होते गीत प्रस्तुत किया। डॉ. दयाशंकर जी ने हिन्दी पर स्वरचित कविता प्रस्तुत की। श्रीमती मोहिनीजी ने हिन्दी कविता, एवं वर्षा ने हिन्दी है चंचल बाला कविता प्रस्तुत की, सुनीता लुल्लाजी श्रेष्ठ कवयित्री हैं, इनकी कल्पना अलग है इन्होंने दायरे उम्मीद के बढ़ने लगे हैं हम गगन की मेढ़ पर चलत लगे हैं की सुंदर प्रस्तुति की।

पूर्क उपप्राचार्य डॉ. सुरभि दत्त ने हिन्दी महाविद्यालय हर एक की उपलब्धि का आकाश होता है पर बहुत सुंदर कविता प्रस्तुत की। हरिप्रसाद जी ने मोदीजी पर कविता प्रस्तुत की। महाविद्यालय के छात्रों में बबीता बीए प्रथम वर्ष, केसर बी.ए. द्वितीय वर्ष, आयुष दूबे बी.काम जनरल, आशुतोष बी. ए. तृतीय वर्ष, हिन्दी प्रश्न आकश्यक है चुप रहो करना मारे जाएँगे। दीपेश ने अपनी जीवन पर कविता प्रस्तुत की। राजनीति विभाग की प्रध्यापिका श्रीमती अर्चना पांडेय तथा हिन्दी विभाग की प्राध्यापिका सवंती ने हिन्दी दिवस पर कविता प्रस्तुत की। सीपी सिंह ने कविता प्रस्तुत की। पूर्क छात्र राज किशोर जी पूर्क छात्र ने कविता के साथ महाविद्यालय का अपना अनुभक साझा किया। डॉ. रजनी धारी हिन्दी विभागाध्यक्ष ने कार्यक्रम का संचालन एकं धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

राजकीय डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों को

जिज्ञासा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार

हैदराबाद, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राजकीय डिग्री कॉलेज फलाकनुमा, हैदराबाद के विद्यार्थियों ने जिज्ञासा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. के. प्रवीण कुमार ने विजेता विद्यार्थियों एवं परियोजना पर्यवेक्षक डॉ. बाबूराव को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों द्वारा चुना गया विषय वृद्धाश्रम सेवा अभियान : एक प्रभाव अध्ययन अत्यंत प्रासंगिक और सामाजिक सरोकार से जुड़ा हुआ था। विद्यार्थियों ने विषय का गहन अध्ययन करते हुए राज्य स्तरीय मंच पर प्रभावशाली प्रस्तुति दी, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्राचार्य ने विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शोधपरक एवं सामाजिक विषय विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, सेवा–भावना तथा शोध–दृष्टि विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस सफलता में जिज्ञासा संयोजक प्रो. प्रभु सर का भी महत्वपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन रहा। उनके सहयोग के लिए प्राचार्य एवं परियोजना टीम ने आभार व्यक्त किया।

परियोजना पर्यवेक्षक डॉ. बाबूराव ने प्राचार्य प्रो. के. प्रवीण कुमार, जिज्ञासा संयोजक प्रो. प्रभु सर तथा महाविद्यालय परिवार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार विद्यार्थियों की मेहनत, टीम भावना और सामाजिक विषय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जिज्ञासा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करना राजकीय डिग्री कॉलेज फलाकनुमा के लिए गौरव का विषय है।

श्री जैन श्रावक संघ में महावीर जन्म कल्याणक उत्सव मनाया

हैदराबाद, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री जैन श्रावक संघ कोरा के तत्वावधान में एवं महासतीजी महाराज साहब के सान्निध्य में भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक उत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने भगवान महावीर के जीवन पर सुंदर नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें विभिन्न पात्रों की भूमिका निभाने वाले कलाकारों को संघ की ओर से पुरस्कृत किया गया।

मंत्री अनिल तातेड़ ने बताया कि पर्युषण पर्व के दौरान प्रतिदिन 11 घंटे नवकार महामंत्र का जाप जारी है। पांच उपवास एवं उससे अधिक तपस्या करने वाले तपस्वियों तथा अन्य तपस्वियों का संघ की ओर से सम्मान किया जा रहा है। पांच उपवास करने वालों को 10 ग्राम तथा आठ या उससे अधिक उपवास करने वालों को 5 ग्राम चांदी के सिक्के प्रभावना स्वरूप दिए जा रहे हैं।

इस अवसर पर म.सा. ने दान की महत्ता बताते हुए गौशाला, जीवदया एवं मानव सेवा में सहयोग करने का आह्वान किया।

लड्डू एवं चांदी के छल्लों की प्रभावना के लाभार्थी लोढ़ा परिवार तथा पर्युषण पर्व के एकासना एवं पारणा के लाभार्थी लोढ़ा परिवार का संघ की ओर से बहुमान किया गया। एकासना में करीब 120 से अधिक श्रद्धालुओं ने लाभ लिया।

रविवार को दो–दो सामायिक का लक्ष्य रखने तथा दोपहर 2:30 से 3:30 बजे तक कल्पसूत्र वाचन में शामिल होने का आह्वान किया गया।

बंडारू दत्तात्रेय ने अलाई–बलाई समारोह के लिए मंत्रियों को किया आमंत्रित

नई दिल्ली/हैदराबाद, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री बंडारू दत्तात्रेय, पूर्व राज्यपाल ने अर्जुन राम मेघवाल जी, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विधि एवं न्याय तथा संसदीय कार्य, भारत सरकार एवं नायब सिंह सैनी जी, मुख्यमंत्री, हरियाणा सरकार से हरियाणा भवन, नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर श्री दत्तात्रेय ने उन्होंने अलाई–बलाई फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित वार्षिक अलाई–बलाई समारोह में भाग लेने के लिए विशेष रूप से उन्हें आमंत्रित किया। श्री दत्तात्रेय ने बताया कि अलाई–बलाई समारोह प्रतिवर्ष तेलंगाना की संस्कृति, परंपराओं, कलाओं एवं साहित्य को बढ़ावा देने तथा लोगों के बीच मित्रता एवं सामाजिक सद्भाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किए जाते हैं।आमंत्रण स्वीकार करते हुए श्री अर्जुन राम मेघवाल जी ने श्री दत्तात्रेय को आश्वासन दिया कि वे अलाई–बलाई–2026 में अवश्य भाग लेंगे तथा समारोह के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।

सेवा के हाथ बढ़ेंगे, तो समाज में खुशियां बढ़ेंगी : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन कराना और गौमाता की सेवा करना मानवता के प्रति सच्चा समर्पण है। सेवा के माध्यम से समाज में प्रेम, करुणा और सहयोग की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप द्वारा निरंतर निस्वार्थ भाव से किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। सेवा का उद्देश्य केवल भोजन वितरित करना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के जीवन में अपनत्व और सम्मान का भाव पैदा करना है।

उन्होंने समाज के सभी लोगों से सेवा के इस पुनीत अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरशुवाले, राजेश सर (योग), दीपचंद अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, लता गोयल सहित राधे–राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

शिवराम पल्ली में भव्य भजन संध्या आज

हैदराबाद, 12 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान के परम श्रद्धेय लोकदेवता बाबा रामदेव जी की भक्ति में डूबे हैदराबादवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण और पावन अवसर आने वाला है। शहर के शिवराम पल्ली क्षेत्र स्थित बाबा रामदेव जी मंदिर में 13 सितंबर को भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बाबा रामदेव जी के 18वीं पीढ़ी के वंशज श्री प्रेमसिंह तंवर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में प्रमुख भजन कलाकार श्री सुशील गोपाल जी बजाज अपनी मधुर एवं भावपूर्ण आवाज में बाबा रामदेव जी के भजनों की प्रस्तुति देंगे। भजन संध्या सायं 8 बजे से प्रारंभ होगी और देर रात तक भक्ति का वातावरण बना रहेगा।

आयोजकों के अनुसार बाबा रामदेव जन्मोत्सव समिति एवं प्रस्तुतकर्ता श्री रामदेव भक्त संगम, हैदराबाद द्वारा आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम को लेकर भक्तों में काफी उत्साह और उमंग है। मंदिर परिसर को इस अवसर पर विशेष रूप से सजाया–संवारा जाएगा। दीपों, फूलों और भक्ति धुनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाएगा।

आयोजकों का कहना है कि भजन संध्या में भाग लेने वाले श्रद्धालु बाबा रामदेव जी की भक्ति और कृपा का विशेष अनुभव करेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.